प्राचीन भारत का इतिहास

(Oneliner Questions)

RAJ STUDENTS
CENTER FOR COMPETITION

Published by : **rajstudents.com**

Website : www.rajstudents.com
Price : 20/-
Year : 2025
Edition : 1st

Copyright© rajstudents.com

All rights Reserved.
No part of this publication may be reproduced, transmitted or stored in a retrieval system, in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying recording or otherwise, without the prior permission of the writer.

RAJ STUDENTS
CENTER FOR COMPETITION

प्रस्तावना

प्रस्तुत ई–बुक '**प्राचीन भारत का इतिहास**' विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों के आधार पर तैयार की गयी है। इसमें तथ्यों का संकलन एन.सी.ई.आर.टी. के नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित है। इसमें प्रतियोगी परीक्षाओं में आने वाले अधिक से अधिक संभावित प्रश्नों का समावेश किया गया है और **प्रत्येक प्रश्न एक लाईन वाले** हैं जिन्हें याद करने में विद्यार्थियों/परीक्षार्थियों को बहुत आसानी रहेगी।

प्रस्तुत ई–बुक को उपयोगी बनाने में जिन विशेषज्ञों तथा सहकर्मियों का हमें सहयोग मिला, उनके प्रति हम कृतज्ञता प्रकट करते हैं।

अन्ततः सतर्क प्रयासों के बावजूद पुस्तक में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है। अतः आप सुधी पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित है।

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

क्र.सं.	विषय विवरण	पृ.सं.
1	प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत	5
2	प्रागैतिहासिक काल	13
3	सिन्धु घाटी सभ्यता	14
4	वैदिक सभ्यता	18
5	जैन धर्म	25
6	बौद्ध धर्म	28
7	शैव धर्म	32
8	वैष्णव धर्म	34
9	महाजनपदकाल	35
10	मगध राज्य का उत्कर्ष	36
11	सिकंदर	37
12	मौर्य साम्राज्य	37
13	ब्राह्मण साम्राज्य	41
14	भारत के यवन राज्य	42
15	शक	43
16	कुषाण	44
17	संगम युग	46
18	गुप्त साम्राज्य	50
19	वाकाटक वंश	54
20	पुष्यभूति वंश या वर्द्धन वंश	55
21	दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश (पल्लव वंश, चोल वंश, चालुक्य वंश, राष्ट्रकूट वंश आदि)	57
22	सीमावर्ती राजवंशों का अभ्युदय (पाल वंश, सेन वंश, कश्मीर के राजवंश आदि)	64
23	राजपूत राजवंशों की उत्पत्ति (गुर्जर प्रतिहार वंश, गहड़वाल या राठौड वंश, चौहान वंश, चन्देल वंश, सोलंकी वंश, चेदि वंश, सिसोदिया वंश)	65
24	विविध (प्राचीन भारत का इतिहास)	69

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1.प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत

1. उत्तर में हिमालय से लेकर दक्षिण में समुद्र तक फैले उपमहाद्वीप 'भारतवर्ष' को महाकाव्य तथा पुराणों में कहा गया है–
 – भारतवर्ष (भरतों का देश)
2. प्राचीन भारतीय अपने देश को जम्बूद्वीप के नाम से पुकारते थे, जिसका अर्थ है–
 – जम्बू (जामुन) के वृक्षों का द्वीप
3. प्राचीन ईरानी भारतवर्ष को किस नदी के नाम से जोड़ते थे और जिसे वे हिन्दू कहते थे ?
 – सिन्धु नदी
4. यूनानी लोग भारतवर्ष को कहते थे–
 – इदे
5. अरब के लोग भारतवर्ष को कहते थे–
 – हिन्द
6. मध्यकाल में भारतवर्ष को कहा जाता था–
 – हिन्दुस्तान
7. 'हिन्दू' किस भाषा का शब्द है, जिससे हिन्दुस्तान शब्द बना है ?
 – फारसी भाषा का
8. अंग्रेजों ने भारतवर्ष को इंडिया किस आधार पर कहा ?
 – यूनानी भाषा के शब्द 'इदे' के आधार पर
9. किस पर्वत श्रृंखला से भारत देश दो भागों में बँटा हुआ है ?
 – विंध्य पर्वत श्रृंखला से
10. भारत की जनसंख्या का निर्माण जिन प्रमुख नस्लों के लोगों के मिश्रण से हुआ है, वे हैं–
 – प्रोटो–आस्ट्रेलायड, निग्रोयड, मंगोलायड, पैलियो मेडिटेरेनियन एवं काकेशायड
11. सबसे पहले इतिहास को तीन भागों में बाँटने का श्रेय किस इतिहासकार को है ?
 – क्रिस्टोफ वेलियरस
12. प्राचीन भारतीय इतिहास के विषय में जानकारी मुख्यतः किन चार स्रोतों से प्राप्त होती है ?
 – (1) धर्मग्रंथ (2) ऐतिहासिक ग्रंथ (3) विदेशियों का विवरण (4) पुरातत्व–संबंधी साक्ष्य
13. भारत का सबसे अधिक प्राचीन ग्रंथ किसे माना जाता है ?
 – वेद को
14. वेदों के संकलनकर्ता किसे माना जाता है ?
 – महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास को
15. वेद किसका उपदेश देते हैं ?
 – वसुधैव कुटुम्बकम् का
16. भारतीय परम्परा वेदों को मानती है–
 – नित्य तथा अपौरूषेय
17. संहिता कहा जाता है–
 – चार वेदों क्रमशः ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद को
18. वेदों की संख्या कितनी है ?
 – चार (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद)
19. ऋचाओं के क्रमबद्ध ज्ञान को कहा जाता है–
 – ऋग्वेद
20. ऋग्वेद में कितने मण्डल हैं ?
 – 10
21. ऋग्वेद में कुल कितने सूक्त हैं ?
 – 1028 (वालखिल्य पाठ के 11 सूक्तों सहित)
22. ऋग्वेद में कुल कितनी ऋचाएँ हैं ?
 – 10,462
23. ऋग्वेद की ऋचाओं को पढ़ने वाले ऋषि को कहते हैं–
 – होतृ (होता)
24. किस वेद की ऋचाओं को पढ़ने वाले ऋषि को होतृ कहा जाता है ?
 – ऋग्वेद
25. ऋग्वेद के किस मंडल में देवता सोम का उल्लेख है ?
 – दूसरे मंडल में
26. विश्वामित्र द्वारा रचित ऋग्वेद के किस मंडल में सूर्य देवता सवितृ को समर्पित प्रसिद्ध गायत्री मंत्र है ?
 – तीसरे मंडल में
27. ऋग्वेद के किस मंडल की हस्तलिखित ऋचाओं को खिल कहा जाता है ?
 – आठवें मंडल
28. ऋग्वेद के आठवें मंडल की हस्तलिखित ऋचाओं को कहा जाता है–
 – खिल
29. चातुष्वर्ण्य समाज की कल्पना का आदि स्रोत है–
 – ऋग्वेद के दसवें मंडल में वर्णित पुरुषसुक्त
30. चार वर्ण (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तथा शूद्र) आदि पुरुष ब्रह्मा के क्रमशः मुख, भुजाओं, जंघाओं और चरणों से उत्पन्न हुए, जिसका उल्लेख है–
 – ऋग्वेद के दसवें मंडल में वर्णित पुरुषसुक्त में
31. ऋग्वेद के कई परिच्छेदों में प्रयुक्त शब्द 'अघन्या' का सम्बन्ध किससे है ?
 – गाय से
32. वामनावतार के तीन पगों के आख्यान का प्राचीनतम स्रोत है–
 – ऋग्वेद
33. ऋग्वेद में इन्द्र के लिए कितनी ऋचाओं की रचना की गयी है ?
 – 250
34. ऋग्वेद में अग्नि देवता के लिए कितनी ऋचाओं की रचना की गयी है ?
 – 200
35. यजुर्वेद के पाठकर्ता को कहा जाता है–
 – अध्वर्यु
36. सस्वर पाठ के लिए मंत्रों तथा बलि के समय अनुपालन के लिए नियमों के संकलन को कहते है कहलाता है–
 – यजुर्वेद
37. 'अध्वर्यु' किस वेद के पाठकर्ता को कहा जाता है ?
 – यजुर्वेद
38. किस वेद में यज्ञों के नियमों एवं विधि–विधानों का संकलन मिलता है ?
 – यजुर्वेद

RAJ CENTER FOR COMPETITION

39. किस वेद में बलिदान विधि का वर्णन है ?
– यजुर्वेद
40. गद्य एवं पद्य दोनों में रचित वेद है–
– यजुर्वेद
41. 'साम' का शाब्दिक अर्थ है–
– गान
42. किस वेद में मुख्यतः यज्ञों के अवसर पर गाये जाने वाले ऋचाओं (मन्त्रों) का संकलन है ?
– सामवेद में
43. सामवेद के पाठकर्ता को कहते हैं–
– उद्गातृ (उद्गाता)
44. 'उद्गातृ' किस वेद के पाठकर्ता को कहा जाता है ?
– सामवेद
45. सामवेद का संकलन किस वेद पर आधारित है ?
– ऋग्वेद पर
46. सामवेद में कितने सूक्त हैं ?
– 1810
47. सामवेद के अधिकांश सूक्त किस वेद से लिए गये हैं ?
– ऋग्वेद से
48. भारतीय संगीत का जनक कहते है–
– सामवेद को
49. किसी भी विशिष्ट ऐतिहासिक घटनाओं का वर्णन किस वेद में नहीं मिलता ?
– यजुर्वेद और सामवेद में
50. अथर्ववेद की रचना किसने की ?
– अथर्वा ऋषि ने
51. अथर्ववेद में कुल कितने मंत्र हैं ?
– 731
52. अथर्ववेद में लगभग कितने पद्य हैं ?
– 6000
53. किस वेद के कुछ मंत्र ऋग्वेद के मंत्रों से भी अधिक प्राचीन हैं ?
– अथर्ववेद के
54. रोग निवारण, तंत्र–मंत्र, जादू टोना, शाप वशीकरण आदि विविध विषयों से सम्बद्ध मंत्र तथा सामान्य मनुष्यों के विचारों, विश्वासों, अंधविश्वासों इत्यादि का वर्णन किस वेद में है ?
– अथर्ववेद में
55. ऐतिहासिक दृष्टि से अथर्ववेद का महत्व किस बात में है ?
– अथर्ववेद में सामान्य मनुष्यों के विचारों तथा अंधविश्वासों का विवरण मिलता है।
56. औषधियों का उल्लेख सबसे पहले किस वेद में मिलता है ?
– अथर्ववेद में
57. किस वेद में सामान्य मनुष्यों के विचारों तथा अंधविश्वासों का विवरण मिलता है ?
– अथर्ववेद में
58. अथर्ववेद का प्रतिनिधि सूक्त किसे माना जाता है ?
– पृथिवीसूक्त को
59. सभा एवं समिति को प्रजापति की दो पुत्रियाँ किस वेद में कहा गया है ?
– अथर्ववेद में
60. किस वेद में परीक्षित को कुरुओं का राजा कहा गया है ?
– अथर्ववेद में
61. सबसे प्राचीन वेद है–
– ऋग्वेद
62. सबसे बाद का वेद है–
– अथर्ववेद
63. ऋग्वेद से जुड़ी एकमात्र जीवित शाखा है–
– शाकल
64. यजुर्वेद को किन शाखाओं में बाँटा गया है ?
– शुक्ल यजुर्वेद और कृष्ण यजुर्वेद
65. वाजसनेय संहिता कहा जाता है–
– शुक्ल यजुर्वेद को
66. माध्यन्दिन और काण्व किसकी शाखाएँ हैं ?
– शुक्ल यजुर्वेद की
67. मैत्रायणी, तैत्तिरीय, कठ और कपिष्ठल किसकी शाखाएँ हैं ?
– कृष्ण यजुर्वेद की
68. कौथुम, राणायनीय एवं जैमनीय (तलवकार) किस वेद की शाखाएँ हैं ?
– सामवेद की
69. शौनक और पैप्पलाद किस वेद की शाखाएँ हैं ?
– अथर्ववेद की
70. संहिता (वेद) के पश्चात् क्रमशः किन ग्रंथों का स्थान आता है ?
– ब्राह्मण, आरण्यक और उपनिषद्
71. वैदिक संहिताओं की व्याख्या करने के लिए गद्य में लिखे गए ग्रंथ को कहते हैं ?
– ब्राह्मण ग्रंथ
72. राजा परीक्षित के बाद और बिम्बिसार के पूर्व की घटनाओं का ज्ञान किन ग्रंथों से प्राप्त होता है ?
– ब्राह्मण ग्रंथों से
73. ऋग्वेद के ब्राह्मण ग्रंथ हैं–
– ऐतरेय व कौषीतकी
74. यजुर्वेद के ब्राह्मण ग्रंथ हैं–
– तैत्तिरीय व शतपथ
75. सामवेद के ब्राह्मण ग्रंथ हैं–
– पंचविंश
76. अथर्ववेद के ब्राह्मण ग्रंथ हैं–
– गोपथ
77. 'ऐतरेय' एवं 'कौषीतकी' किस वेद के ब्राह्मण ग्रंथ है ?
– ऋग्वेद के
78. 'तैत्तिरीय' एवं 'शतपथ' किस वेद के ब्राह्मण ग्रंथ हैं ?
– यजुर्वेद
79. 'पंचविंश' किस वेद का ब्राह्मण ग्रंथ है ?
– सामवेद के
80. 'गोपथ' किस वेद का ब्राह्मण ग्रंथ है ?
– अथर्ववेद

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

81. राज्याभिषेक के नियम एवं कुछ प्राचीन राजाओं के नाम किस ब्राह्मण ग्रंथ में दिये गये हैं ?
– ऐतरेय में
82. गंधार, शल्य, कैकय, कुरु, पंचाल, कोसल, विदेह आदि राजाओं का उल्लेख किस ब्राह्मण ग्रंथ में मिलता है ?
– शतपथ में
83. वैदिक साहित्य में ऋग्वेद के बाद किस ब्राह्मण ग्रंथ का स्थान आता है ?
– शतपथ का
84. किस ब्राह्मण ग्रंथ में स्त्री को पुरुष की अर्धांगिनी कहा गया है ?
– शतपथ में
85. स्त्री की सर्वाधिक गिरी हुई स्थिति किस संहिता से प्राप्त होती है ?
– मैत्रेयनी संहिता से
86. किस संहिता में जुआ और शराब की भाँति स्त्री को पुरुष का तीसरा मुख्य दोष बताया गया है–
– मैत्रयनी संहिता में
87. किस प्राचीन ग्रंथ में यज्ञ से जुड़े कर्मकाण्डों की दार्शनिक और प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है ?
– आरण्यक में
88. उपनिषदों की संख्या कितनी है ?
– 108
89. कुल 108 उपनिषदों में से कितने उपनिषदों को मूलभूत उपनिषदों की श्रेणी में रखा गया है ?
– 13
90. किस प्राचीन ग्रंथ में यज्ञ से जुड़े दार्शनिक विचार, शरीर, ब्रह्माण्ड, आत्मा तथा ब्रह्म की व्याख्या की गई है ?
– उपनिषदों में
91. किस उपनिषद् में चारों आश्रमों (ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, संन्यास और वानप्रस्थ) का उल्लेख मिलता है ?
– जाबालोपनिषद् में
92. स्मृतिग्रंथों में सबसे प्राचीन एवं प्रमाणिक स्मृति मानी जाती है–
– मनुस्मृति
93. शुंग काल का मानक ग्रंथ है–
– मनुस्मृति
94. मनुस्मृति किस काल का मानक ग्रंथ है–
– शुंग काल का
95. किस स्मृति ग्रंथ से गुप्त युग के बारे में जानकारी प्राप्त होती है ?
– नारद स्मृति
96. नारद स्मृति का संबंध किस युग से है ?
– गुप्त युग
97. वेदों को भली–भाँति समझने के लिए कितने वेदांगों की रचना की गई है ?
– 6
98. शिक्षा, कल्प, व्याकरण, ज्योतिष, निरूक्त एवं छंद कहलाते हैं–
– वेदांग
99. किस वेदांग को शुद्ध उच्चारण शास्त्र कहते हैं ?
– शिक्षा
100. किस वेदांग में कर्मकाण्डीय विधि है–
– कल्प
101. किस वेदांग को शब्दों की व्युत्पत्ति का शास्त्र कहा जाता है ?
– निरूक्त
102. वैदिक साहित्य को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए किस साहित्य की रचना की गई ?
– सूत्र
103. श्रौत, गृह तथा धर्मसूत्रों का संबंध किन विषयों से है ?
–यज्ञीय विधि–विधानों, कर्मकाण्डों, राजनीति, विधि एवं व्यवहार से
104. प्रमुख सूत्रकारों में किनके नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है ?
– गौतम बौद्धायन, आपस्तम्भ, वशिष्ठ आदि
105. सबसे प्राचीन किस सूत्र को माना जाता है ?
– गौतम धर्मसूत्र को
106. भारतीय ऐतिहासिक कथाओं का सबसे अच्छा क्रमबद्ध विवरण किन ग्रंथों में मिलता है ?
– पुराणों में
107. पुराणों के रचयिता है–
– लोमहर्ष एवं इनके पुत्र उग्रश्रवा
108. पुराणों की संख्या है–
– 18
109. पुराणों में सबसे प्राचीन एवं प्रमाणिक पुराण है–
– मत्स्य पुराण
110. किन पाँच पुराणों में राजाओं की वंशावली पायी जाती है ?
– मत्स्य, वायु, विष्णु, ब्राह्मण एवं भागवत पुराणों में
111. विष्णु पुराण का सम्बन्ध किस राजवंश से है–
– मौर्य वंश
112. मत्स्य पुराण का सम्बन्ध किस राजवंश से है–
– आन्ध्र सातवाहन वंश
113. वायु पुराण का सम्बन्ध किस राजवंश से है–
– गुप्त वंश से
114. मौर्य वंश से संबंधित पुराण है–
– विष्णु पुराण
115. आन्ध्र सातवाहन वंश से संबंधित पुराण है–
– मत्स्य पुराण
116. गुप्त वंश से संबंधित पुराण है–
– वायु पुराण
117. अधिकतर पुराण किस भाषा में लिखे गये हैं ?
– सरल संस्कृत श्लोकों में
118. पुराणों का पाठ पुजारी किस स्थान पर करते थे ?
– मंदिरों में
119. वैदिक काल में किनको वेद पढ़ने की अनुमति नहीं थी, किन्तु पुराण सुन सकते थे ?
– स्त्रियों तथा शूद्र
120. सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से किस पुराण का काफी महत्व है और जिसमें राजतंत्र के साथ–साथ कृषि संबंधी विवरण भी दिया गया है ?
– अग्नि पुराण
121. जातक में किसके पूर्वजन्म की कहानी वर्णित है ?
– बुद्ध

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

122. बौद्ध धर्म की हीनयान शाखा के किस प्रमुख ग्रंथ में महात्मा बुद्ध का जीवन चरित अनेक कथानकों के साथ वर्णित है ?
— कथावस्तु
123. 'कथावस्तु' किस धर्म से संबंधित ग्रंथ है ?
— बौद्ध धर्म
124. 'कथावस्तु' बौद्ध धर्म की किस शाखा से संबंधित ग्रंथ है ?
— हीनयान
125. जैन साहित्य को कहा जाता है–
— आगम
126. 'आगम' कहा जाता है–
— जैन साहित्य को
127. जैन धर्म का प्रारंभिक इतिहास किस जैन ग्रंथ से ज्ञात होता है ?
— कल्पसूत्र
128. 'कल्पसूत्र' किस धर्म से संबंधित ग्रंथ है ?
— जैन धर्म
129. किस जैन ग्रंथ से महावीर के जीवन–कृत्यों तथा अन्य समकालिकों के साथ उनके संबंधों का विवरण मिलता है ?
— भगवती सूत्र
130. 'अर्थशास्त्र' के लेखक हैं–
— चाणक्य (कौटिल्य या विष्णुगुप्त)
131. 'कौटिल्य' या 'विष्णुगुप्त' किसका उपनाम है ?
— चाणक्य
132. कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' से मौर्यकालीन इतिहास की जानकारी मिलती है। यह कितने अधिकरणों एवं प्रकरणों में विभाजित है ?
— 15 अधिकरण एवं 180 प्रकरणों में
133. चाणक्य (कौटिल्य या विष्णुगुप्त) के अर्थशास्त्र के अनुवादक का नाम क्या है ?
— शाम शास्त्री
134. संस्कृत साहित्य में ऐतिहासिक घटनाओं को क्रमबद्ध लिखने का सर्वप्रथम प्रयास किसके द्वारा किया गया ?
— कल्हण
135. कल्हण द्वारा रचित पुस्तक 'राजतरंगिणी' का अर्थ है–
— राजाओं की नदी
136. 'राजतरंगिणी' पुस्तक के लेखक है–
— कल्हण
137. कल्हण द्वारा रचित पुस्तक 'राजतरंगिणी' में कितने सर्ग हैं, जिन्हें तरंगों की संज्ञा दी गई है ?
— 8
138. किस पुस्तक में प्रारंभ से लेकर 12वीं सदी तक के कश्मीर के शासकों का वर्णन है ?
— राजतरंगिणी (कल्हण द्वारा रचित)
139. अरबों की सिंध विजय का वृत्तांत किस पुस्तक में सुरक्षित है ?
— चचनामा
140. अरबों की सिंध विजय का वृत्तांत बताने वाली पुस्तक 'चचनामा' के लेखक है–
— अली अहमद
141. संस्कृत भाषा व्याकरण की प्रथम पुस्तक है–
— अष्टाध्यायी
142. वह पुस्तक, जिसमें मौर्य के पहले का इतिहास एवं मौर्ययुगीन राजनीतिक अवस्था की जानकारी प्राप्त होती है तथा संस्कृत भाषा व्याकरण की प्रथम पुस्तक भी मानी जाती है, है–
— अष्टाध्यायी
143. किस प्राचीन पुस्तक में 'लिपि' शब्द का प्रयोग पहली बार हुआ है ?
— अष्टाध्यायी (पाणिनि द्वारा रचित) में
144. 'अष्टाध्यायी' पुस्तक के लेखक हैं–
— पाणिनि
145. 'गार्गी–संहिता' ग्रंथ के लेखक कौन है ?
— कत्यायन
146. कत्यायन की गार्गी–संहिता ग्रंथ है–
— ज्योतिष ग्रंथ
147. कत्यायन की गार्गी–संहिता एक ज्योतिष ग्रंथ है, फिर भी इसमें भारत पर होने वाले किस विदेशी आक्रमण का उल्लेख मिलता है ?
— यवन आक्रमण
148. महर्षि पतंजलि के महाभाष्य से किस राजवंश के इतिहास का पता चलता है ?
— शुंगों के
149. महर्षि पतंजलि किस शासक के पुरोहित थे ?
— पुष्यमित्र शुंग
150. 'महाभाष्य' के लेखक हैं–
— पतंजलि
151. यूनानी लेखक टेसियस किस देश के राजवैद्य थे ?
— ईरान के
152. यूनानी लेखक व ईरान के राजवैद्य, जिसका भारत के संबंध में विवरण आश्चर्यजनक कहानियों से परिपूर्ण होने के कारण अविश्वसनीय है, है–
— टेसियस
153. 'इतिहास का पिता' किसे कहा जाता है ?
— हेरोडोटस को
154. 'हिस्टोरिका' पुस्तक के लेखक हैं–
— हेरोडोटस
155. हेरोडोटस की प्रसिद्ध पुस्तक का नाम है–
— हिस्टोरिका
156. हेरोडोटस द्वारा रचित पुस्तक, जिसमें 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व के भारत–फारस (ईरान) के संबंध का वर्णन किया गया है और विवरण भी अनुश्रुतियों एवं अफवाहों पर आधारित है, है–
— हिस्टोरिका
157. यूनानी लेखक निर्याकस किस विदेशी आक्रमणकारी के साथ भारत आया था ?
— सिकन्दर
158. यूनानी लेखक आनेसिक्रटस किसके साथ भारत आया था ?
— सिकन्दर
159. यूनानी लेखक आस्टियोबुलस किसके साथ भारत आया था ?
— सिकन्दर

160. यूनानी लेखक मेगस्थनीज किस विदेशी शासक का राजदूत था ?
– सेल्युकस निकेटर का
161. यूनानी लेखक मेगस्थनीज किस भारतीय शासक के राजदरबार में आया था ?
– चन्द्रगुप्त मौर्य
162. 'इण्डिका' पुस्तक के लेखक हैं–
– मेगस्थनीज
163. रथयात्रा, जिसमें चार पहियों के पाँच मंजिला रथ में मूर्तियों को भ्रमण कराया जाता था, का उल्लेख किस चीनी यात्री ने किया ?
– मेगस्थनीज ने
164. मेगस्थनीज की वह पुस्तक, जिसमें मौर्य युगीन समाज एवं संस्कृति के विषय में लिखा है, है–
– इण्डिका
165. यूनानी लेखक डाइमेकस किस विदेशी शासक का राजदूत था ?
– सीरियन नरेश आन्तियोकस
166. यूनानी लेखक डाइमेकस किस भारतीय शासक के राजदरबार में आया था ?
– बिन्दुसार
167. यूनानी लेखक डाइमेकस का विवरण किस राजवंश से संबंधित है ?
– मौर्य युग
168. यूनानी लेखक डायोनिसियस किस विदेशी शासक का राजदूत था ?
– मिस्र नरेश टॉलमी फिलेडेल्फस
169. यूनानी लेखक डायोनिसियस किस भारतीय शासक के दरबार में आया था ?
– अशोक
170. प्रथम शताब्दी में लिखी गई पुस्तक 'नेचुरल हिस्ट्री' के लेखक हैं–
– प्लिनी
171. प्लिनी की वह पुस्तक, जिसमें भारतीय पशुओं, पेड़–पौधों, खनिज–पदार्थों आदि के बारे में विवरण मिलता है, है–
– नेचुरल हिस्ट्री
172. दूसरी शताब्दी में लिखी गई पुस्तक 'भारत का भूगोल' के लेखक हैं–
– टॉलमी
173. वह पुस्तक, जिसके लेखक के बारे में जानकारी नहीं है और वह 80 ई. में हिन्द महासागर की यात्रा पर आया और अपने विवरण में उस समय के भारत के बन्दरगाहों तथा व्यापारिक वस्तुओं के बारे में जानकारी दी है, है–
– पेरीप्लस ऑफ द इरिथ्रियन सी
174. 'पेरीप्लस ऑफ द इरिथ्रियन सी' नामक पुस्तक में अरिकामेडु बन्दरगाह को किस नाम से सम्बोधित किया गया है ?
– पेडोक
175. चीनी यात्री फाहियान किस भारतीय शासक के राजदरबार में आया था ?
– गुप्त शासक चन्द्रगुप्त द्वितीय
176. किस चीनी यात्री ने अपने विवरण में मध्यप्रदेश की जनता को सुखी एवं समृद्ध बताया है ?
– फाहियान
177. चीनी यात्री फाहियान कितने वर्षों तक भारत में रहा था ?
– 6 वर्ष
178. चीनी लेखक संयुगन भारत कब आया था ?
– 518 ई. में
179. चीनी लेखक, जो 518 ई. में भारत आया और अपने तीन वर्षों की यात्रा में बौद्ध धर्म की प्राप्तियाँ एकत्रित की, है–
– संयुगन
180. चीनी यात्री हुएनसाँग किस भारतीय शासक के शासनकाल में भारत आया था ?
– हर्षवर्धन
181. चीनी यात्री हुएनसाँग ने किस वर्ष में चीन से भारतवर्ष के लिए प्रस्थान किया था ?
– 629 ई. में
182. चीनी यात्री हुएनसाँग ने 629 ई. में चीन से भारतवर्ष के लिए प्रस्थान किया और सर्वप्रथम भारत के किस राज्य में पहुँचा ?
– कपिशा
183. चीनी यात्री हुएनसाँग कितने वर्षों तक भारत में रहा था ?
– 15 वर्षों तक
184. चीनी यात्री हुएनसाँग भारत में 15 वर्षों तक ठहरकर किस वर्ष में चीन लौट गया ?
– 645 ई.
185. चीनी यात्री हुएनसाँग किस उद्देश्य से भारत आया था ?
– नालंदा विश्वविद्यालय (बिहार) में अध्ययन करने तथा बौद्ध ग्रंथों को एकत्र कर ले जाने के लिए
186. चीनी यात्री हुएनसाँग का भ्रमण वृत्तांत किस नाम से प्रसिद्ध है–
– सि–यू–की
187. चीनी यात्री हुएनसाँग का भ्रमण वृत्तांत 'सि–यू–की' नाम से प्रसिद्ध है, जिसमें कितने देशों का विवरण मिलता है ?
– 138
188. नालंदा विश्वविद्यालय किस दर्शन के अध्ययन के लिए प्रसिद्ध था ?
– बौद्ध दर्शन
189. चीनी यात्री हुएनसाँग के अध्ययन के समय नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति थे–
– आचार्य शीलभद्र
190. किस चीनी यात्री के अनुसार तत्कालीन समय में सिन्ध का राजा शूद्र था ?
– हुएनसाँग
191. चीनी यात्री हुएनसाँग ने अपने विवरण में किस शासक के शासनकाल के भारतीय समाज, धर्म तथा राजनीति के बारे में वर्णन किया है ?
– हर्षकालीन

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

192. चीनी यात्री हुएनसाँग ने बुद्ध की प्रतिमा के साथ–साथ किस देवता का भी पूजन किया था ?
– सूर्य और शिव की प्रतिमाओं का
193. चीनी यात्री इत्सिंग भारत कब आया था ?
– 7वीं शताब्दी के अन्त में
194. किस चीनी यात्री ने नालंदा विश्वविद्यालय के साथ–साथ विक्रमशिला विश्वविद्यालय का वर्णन भी अपने भ्रमण वृत्तांत में किया है ?
– इत्सिंग
195. चीनी यात्री इत्सिंग ने किस विश्वविद्यालय का विवरण अपने विवरण में दिया है ?
– नालंदा विश्वविद्यालय (नालंदा, बिहार) तथा विक्रमशिला विश्वविद्यालय (भागलपुर, बिहार)
196. अरबी लेखक अलबरुनी किस शासक के साथ भारत आया था ?
– महमूद गजनवी
197. महमूद गजनवी के साथ भारत आने वाला अरबी यात्री था–
– अलबरुनी
198. अरबी लेखक अलबरुनी कहाँ का निवासी था ?
– ख्वारिज्म या खीव (वर्तमान तुर्कमेनिस्तान)
199. 'किताब–उल–हिन्द' या तहकीक–ए–हिन्द (भारत की खोज) किसकी कृति है ?
– अलबरुनी
200. अलबरुनी द्वारा रचित कृति का नाम है–
– किताब–उल–हिन्द या तहकीक–ए–हिन्द (भारत की खोज)
201. अरबी भाषा में रचित ग्रंथ, जो धर्म और दर्शन, त्यौहारों, खगोल विज्ञान, कीमिया, रीति–रिवाजों तथा प्रथाओं, सामाजिक जीवन, भार–तौल तथा मापन विधियों, मूर्तिकला, कानून, मापतंत्र, विज्ञान आदि विषयों के आधार पर 80 अध्यायों में विभाजित है, है–
– किताब–उल–हिन्द या तहकीक–ए–हिन्द (भारत की खोज
202. अलबरुनी द्वारा अरबी भाषा में लिखी गई पुस्तक 'किताब–उल–हिन्द या तहकीक–ए–हिन्द (भारत की खोज)' में किस समाज के धर्म, रीति–रिवाज, राजनीति आदि पर सुंदर प्रकाश डाला गया है ?
– राजपूत–कालीन समाज
203. 14वीं शताब्दी में भारतीय उपमहाद्वीप के सामाजिक तथा सांस्कृतिक जीवन के विषय में बहुत ही प्रचुर तथा सबसे रोचक जानकारियाँ देने वाले ग्रंथ 'रेहला' के लेखक हैं–
– इब्नबतुता
204. 'रेहला' पुस्तक के लेखक हैं–
– इब्नबतुता
205. 1333 ई. में दिल्ली पहुँचने पर इब्नबतुता की विद्वता से प्रभावित होकर किस मुस्लिम शासक ने इन्हें दिल्ली का काजी या न्यायाधीश नियुक्त किया था ?
– मुहम्मद बिन तुगलक
206. किस लेखक के द्वारा अरबी भाषा में लिखा गया यात्रा वृत्तांत 'रेहला' के नाम से जाना जाता है ?
– इब्नबतुता
207. इब्नबतुता द्वारा अरबी भाषा में लिखा गया उनका यात्रा–वृत्तांत कहा जाता है–
– रेहला
208. 'कंग्युर' नामक ग्रंथ की रचना किसने की थी ?
– तारानाथ ने
209. 'तंग्युर' नामक ग्रंथ की रचना किसने की थी ?
– तारानाथ ने
210. तिब्बती लेखक तारानाथ ने किन ग्रंथों की रचना की थी ?
– कंग्युर तथा तंग्युर
211. 13वीं शताब्दी के अन्त में पाण्ड्य देश की यात्रा करने वाला यात्री था–
– मार्कोपोलो
212. लेखक मार्कोपोलो पाण्ड्य देश की यात्रा पर कब आया था ?
– 13वीं शताब्दी के अन्त में
213. मार्कोपोलो का विवरण किस देश के इतिहास के बारे में जानकारी देता है ?
– पाण्ड्य देश
214. भारतीय पुरातत्वशास्त्र का पितामह (फादर ऑफ इंडियन आर्कियोलॉजी) किसे कहा जाता है ?
– सर एलेक्जेण्डर कनिंघम
215. एशिया माइनर स्थित 1400 ई.पू. के अभिलेख 'बोगाजकोई में किन वैदिक देवताओं की जानकारी मिलती है ?
– मित्र, वरुण, इन्द्र और नासत्य (अश्विनी कुमार)
216. मध्य भारत में भागवत धर्म विकसित होने का प्रमाण यवन राजदूत होलियोडोरस के वेसनगर (विदिशा) स्थित किस स्तम्भ लेख से प्राप्त होता है ?
– गरुड़ स्तम्भ लेख
217. सर्वप्रथम 'भारतवर्ष' का जिक्र किस अभिलेख में मिलता है ?
– हाथीगुम्फा अभिलेख
218. तिथि रहित अभिलेख है–
– हाथीगुम्फा अभिलेख
219. हाथीगुम्फा अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
– कलिंग राज खारवेल से
220. सर्वप्रथम दुर्भिक्ष (अकाल) की जानकारी देने वाला अभिलेख है–
– सौहगोरा अभिलेख
221. सोहगौरा ताम्रलेख (अभिलेख)कहाँ से प्राप्त हुआ है ?
– उत्तर प्रदेश राज्य में गोरखपुर के निकट
222. किस अभिलेख में संकट काल में उपयोग हेतु खाद्यान्न सुरक्षित रखने का उल्लेख मिलता है ?
– सोहगौरा अभिलेख
223. सर्वप्रथम भारत पर होने वाले हूण आक्रमण की जानकारी किस अभिलेख से प्राप्त होती है ?
– भितरी स्तंभ लेख से
224. सती प्रथा का पहला लिखित साक्ष्य किस अभिलेख से प्राप्त होता है ?
– एरण अभिलेख से

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

225. एरण अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
– भानुगुप्त से

226. प्रयाग स्तम्भ लेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
– समुद्रगुप्त से

227. ऐहोल अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
– पुलकेशिन द्वितीय से

228. रुद्रदामन का सम्बन्ध किस अभिलेख से है ?
– जूनागढ़ (गिरनार) अभिलेख से

229. गुप्त शासक स्कन्दगुप्त से संबंधित अभिलेख है–
– भितरी एवं जूनागढ़ का अभिलेख

230. नासिक अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
– गौतमी बलश्री से

231. ग्वालियर अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
– प्रतिहार नरेश भोज से

232. देवपाड़ा अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
– बंगाल शासक विजयसेन से

233. किस राजवंश के राजाओं का पूरा इतिहास उनके अभिलेखों के आधार पर लिखा गया है ?
– सातवाहन

234. रेशम बुनकर की श्रेणियों की जानकारी किस अभिलेख से प्राप्त होती है ?
– मंदसौर अभिलेख

235. मंदसौर अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
– मालवा नरेश यशोवर्मन से

236. अभिलेखों का अध्ययन कहलाता है–
– इपीग्राफी

237. किस पुरास्थल से गर्तावास (गड्ढ़ा घर) का साक्ष्य मिला है ?
– कश्मीरी नवपाषाणिक स्थल बुर्जहोम से

238. किस पुरास्थल से मनुष्य के साथ उसके पालतू कुत्ते को दफनाने की प्रथा प्रचलित थी ?
– बुर्जहोम (कश्मीर)

239. कश्मीरी नवपाषाणिक पुरास्थल, जहाँ से गर्तावास (गड्ढ़ा घर) का साक्ष्य मिला है और इस गर्तावास में उतरने के लिए सीढ़ियाँ होती थीं, है–
– बुर्जहोम

240. प्राचीनतम सिक्कों को कहा जाता है–
– आहत सिक्के

241. प्राचीनतम सिक्कों (आहत सिक्के) को साहित्य में कहा जाता है–
– कार्षापण

242. किस गुप्त शासक को वीणा बजाती हुई मुद्रा वाले सिक्कों में अंकित किया गया, जिससे उनके संगीत प्रेमी होने का प्रमाण मिलता है ?
– समुद्रगुप्त

243. अरिकमेडू (पुदुचेरी के निकट) से सिक्के प्राप्त हुए है–
– रोमन सिक्के

244. सर्वप्रथम सिक्कों पर लेख लिखने का कार्य किया – यवन शासकों ने

245. 'बुद्धचरित' किसकी कृति है ?
– अश्वघोष की

246. 'मुद्राराक्षस' किसकी कृति है ?
– विशाखदत्त की

247. विशाखदत्त द्वारा रचित पुस्तक 'मुद्राराक्षस' किसके शासनकाल का चित्रण करता है ?
– चन्द्रगुप्त मौर्य का

248. गुप्तकालीन चित्रकला के सर्वोत्कृष्ट उदाहरण कहाँ प्राप्त हुए हैं ?
– अजन्ता की गुफाओं में

249. किस ग्रंथ में लिखा है–''ब्राह्मण की परीक्षा तुला से, क्षत्रिय की अग्नि से, वैश्य की जल से तथा शूद्र की विष से की जानी चाहिए ?''
– वृहत्संहिता में (वराहमिहिर द्वार रचित)

250. यम द्वारा नचिकेता और उसके तीन वर प्राप्त करने की कहानी किसमें वर्णित है ?
– कठोपनिषद् में

251. सबसे पहले भारत के सम्बन्ध किन देशों से स्थापित हुए ?
– बर्मा (सुवर्णभूमि–वर्तमान में म्यांमार), मलाया (स्वर्णद्वीप), कंबोडिया (कंबोज) और जावा (यवद्वीप)

252. उत्तर भारत के मंदिरों की कला शैली कहलाती है–
– नागर शैली

253. नागर शैली कहलाती है–
– उत्तर भारत के मंदिरों की कला की शैली

254. दक्षिण भारत के मंदिरों की कला शैली कहलाती है–
– द्रविड़ शैली

255. द्रविड़ शैली कहलाती है–
– दक्षिण भारत के मंदिरों की कला की शैली

256. दक्षिणापथ के मंदिरों के निर्माण में नागर और द्रविड़ दोनों शैलियों का प्रभाव पड़ा, इसलिए यह शैली कहलाती है–
– वेसर शैली

257. 'पंचायतन' शब्द का सम्बन्ध किससे है ?
– मंदिर रचना शैली से

258. एक हिन्दू मंदिर पंचायतन शैली कब कहलाता है ?
– मुख्य मंदिर चार सहायक मंदिरों से घिरा होता है

259. कंदरिया महादेव मंदिर (खजुराहो) किस शैली में निर्मित है ?
– पंचायतन शैली में

260. लक्ष्मण मंदिर (खजुराहो) किस शैली में निर्मित है ?
– पंचायतन शैली में

261. ब्रह्मेश्वर मंदिर (भुवनेश्वर, उड़ीसा) किस शैली का बना है ?
– पंचायतन शैली में

262. लिंगराज मंदिर (भुवनेश्वर, उड़ीसा) किस शैली में निर्मित है ?
– पंचायतन शैली में

263. दशावतार मंदिर (देवगढ़, उत्तर प्रदेश) किस शैली में निर्मित है ?
– पंचायतन शैली में

264. गोंडेश्वर मंदिर (महाराष्ट्र) को किस शैली में बनाया गया है ?
– पंचायतन शैली में

RAJ STUDIES CENTER FOR COMPETITION

265. जातक कहानियाँ किस भाषा में रचित है ?
– पालि भाषा में

266. 'मिलिन्दपन्हो' किस भाषा का ग्रन्थ है ?
– पालि भाषा का

267. मिताक्षरा भाष्य के लेखक कौन थे ?
– विज्ञानेश्वर

268. 'श्रीमद्भागवत' की रचना किसने की ?
– महर्षि वेदव्यास ने

269. मिताक्षरा पुस्तक किस विषय से सम्बन्धित है ?
– हिन्दू कानून से

270. सबसे प्राचीन स्मृति ग्रन्थ कौनसा है ?
– मनुस्मृति

271. उपनिषद् किस विषय के ग्रन्थ हैं ?
– दर्शन

272. 'वृहत् कथा मंजरी' नामक ग्रंथ के रचयिता हैं–
– क्षेमेन्द्र

273. 'मिताक्षरा' पुस्तक किस विषय से सम्बन्धित है ?
– हिन्दू कानून से

274. देवगढ़ का दशावतार मन्दिर किस स्थापत्य कला का उदाहरण है ?
– गुप्तकालीन स्थापत्य कला

275. बाणभट्ट द्वारा रचित 'हर्षचरित' है–
– नाटक

276. कौनसे तीन वेद मिलकर 'वेदत्रयी' कहलाते हैं ?
– ऋग्वेद, यजुर्वेद और सामवेद

277. महाभाष्य किसकी कृति है ?
– पतंजलि की

278. यजुर्वेद में किसकी प्रधानता है ?
– कर्मकाण्ड

279. औषधियों का उल्लेख सबसे पहले किसमें मिलता है ?
– अथर्ववेद में

280. एतरेय ब्राह्मण किस वेद का है ?
– ऋग्वेद का

281. 'हिस्टोरिका' नामक ग्रन्थ के लेखक कौन है ?
– हेरोडोटस

282. पुष्यमित्र शुंग ने अश्वमेध यज्ञ किए थे, यह जानकारी किस ग्रन्थ से प्राप्त होती है ?
– महाभाष्य से

283. पुष्यमित्र शुंग ने किस शासक की हत्या करके पाटलिपुत्र की गद्दी पर अधिकार किया था ?
– बृहद्रथ

284. हाल ने 'गाथा सप्तशती' नामक ग्रंथ की रचना किस भाषा में की ?
– प्राकृत भाषा में

285. ऐहोल अभिलेख किस शासक से सम्बन्धित है ?
– पुलकेशिन द्वितीय से

286. बाणभट्ट द्वारा रचित हर्षचरित क्या है ?
– नाटक

287. नारद स्मृति किस काल में लिखी गई ?
– गुप्तकाल में

288. मन्दसौर अभिलेख किस शासक की उपलब्धियों का विवरण देता है ?
– यशोधर्मा की

289. पल्लव–चोल मन्दिर स्थापत्य कला शैली को किस नाम से जाना जाता है ?
– द्रविड़ शैली

290. अथर्ववेद का ब्राह्मण ग्रन्थ कौनसा है ?
– गोपथ

291. कौटिल्य कहाँ का ब्राह्मण था ?
– तक्षशिला का

292. कल्हण द्वारा रचित 'राजतरंगिणी' में कश्मीर का कब तक का इतिहास है ?
– 12वीं सदी तक

293. कल्हण द्वारा रचित ग्रंथ 'राजतरंगिणी' में वर्णित अंतिम शासक कौन था ?
– जयसिंह

294. इतिहास का जनक किसे कहा जाता है ?
– हेरोडोटस

295. 'शिशुपाल वध' किसकी कृति है ?
– माघ की

296. 'कौमदी महोत्सव' का सम्बन्ध किस शासक से है ?
– चन्द्रगुप्त मौर्य

RAJ STUDENTS
CENTER FOR COMPETITION

2.प्रागैतिहासिक काल

297. जिस काल में मनुष्य ने घटनाओं का कोई लिखित विवरण उद्धत नहीं किया, उस काल को कहते हैं–
– प्रागैतिहासिक काल

298. जिस काल में लेखन कला के प्रचलन के बाद उपलब्ध लेख पढ़े नहीं जा सके, उस काल को कहा जाता है–
– आद्य ऐतिहासिक काल

299. मानव विकास के उस काल को, जिसका विवरण लिखित रूप में उपलब्ध हो, कहा जाता है–
– इतिहास

300. ज्ञानी मानव (होमो सैपियंस) का प्रवेश पृथ्वी पर लगभग कितने वर्ष पूर्व हुआ था ?
– लगभग 30 या 40 हजार वर्ष पूर्व

301. पुरा पाषाणकाल के मानव की जीविका का मुख्य आधार था–
– शिकार करना

302. हेरोडोटस को किसका जनक माना जाता है ?
– इतिहास का

303. आग का आविष्कार किस काल में हुआ था ?
– पुरा पाषाण काल में

304. पहिए का आविष्कार किस काल में हुआ था ?
– नव पाषाण काल में

305. मनुष्य में स्थायी निवास की प्रवृत्ति किस काल में हुई थी ?
– नव पाषाण काल में

306. कृषि का आविष्कार किस काल में हुआ था ?
– नव पाषाण काल में

307. मनुष्य ने सबसे पहले किस जानवर को पालतू बनाया था ?
– कुत्ता

308. मनुष्य ने सर्वप्रथम किस धातु का प्रयोग किया था ?
– ताँबा

309. मनुष्य के द्वारा बनाया जाने वाला प्रथम औजार था–
– कुल्हाड़ी

310. मनुष्य द्वारा बनाया जाने वाला प्रथम औजार 'कुल्हाड़ी' था, जिसकी प्राप्ति किस पुरास्थल से हुई थी ?
– अतिरम्पक्कम (चेन्नई के निकट, तमिलनाडु)

311. प्रागैतिहासिक अन्न उत्पादक स्थल है–
– मेहरगढ़ (पश्चिमी बलूचिस्तान)

312. कृषि का प्रथम उदाहरण किस पुरास्थल से प्राप्त हुआ है ?
– मेहरगढ़ (पश्चिमी बलूचिस्तान)

313. मनुष्य ने सर्वप्रथम किस फसल का उत्पादन किया था ?
– गेहूँ और जौ

314. कृषि के लिए अपनाई गई सबसे प्राचीन फसल थी–
– गेहूँ और जौ

315. कृषि के लिए अपनाई गई सबसे प्राचीन फसल थी–
– गेहूँ

316. मानव द्वारा सर्वप्रथम प्रयुक्त अनाज था–
– चावल

317. चावल का प्राचीनतम साक्ष्य किस पुरास्थल से प्राप्त हुआ ?
– कोल्डिहवा (उत्तर प्रदेश)

318. भारत में पूर्व प्रस्तर युग के अधिकांश औजार किसके बने होते थे ?
– स्फटिक (पत्थर) के

319. भारत में पुरापाषाणकालीन औजारों की खोज करने वाला प्रथम व्यक्ति थे–
– रॉबर्ट बुस फुट

320. 1863 ई. में भारत में पुरापाषाणकालीन औजारों की खोज करने वाले व्यक्ति थे–
– रॉबर्ट बुस फुट

321. सर्वप्रथम वैज्ञानिक आधार पर भारत की जनसंख्या का प्रजातीय विभेदीकरण किसने किया था ?
– रिजले (भारतीय नागरिक सेवा के अधिकारी थे)

322. प्रथम भारतीय पुरापाषाणकाल कलाकृति की खोज किस स्थान पर हुई थी ?
– पल्लावरम् (चेन्नई, तमिलनाडु)

323. भारत में मध्य पाषाणकाल के विषय में जानकारी सर्वप्रथम सन् 1867 में किसने दी, जब विंध्यक्षेत्र में लघु पाषाणोपकरण खोज निकाले थे–
– सी.एल. कार्लाइल ने

324. सर्वप्रथम किस काल से मानव अस्थिपंजर प्राप्त होने लगे थे ?
– मध्य पाषाणकाल से

325. भारत में मनुष्य सम्बन्धी सबसे पहला प्रमाण किस नदी घाटी में मिला था ?
– नर्मदा घाटी में

326. भारत में नवपाषाणकालीन सभ्यता का प्रारम्भ कब हुआ था ?
– ईसा पूर्व चार हजार के लगभग

327. भारत में पाया जाने वाला मानवाभ कपि है–
– असम का श्वेतभ्रू गिबन

328. इमामगाँव ताम्रपाषाण युग की एक बड़ी बस्ती थी। इस पुरास्थल का सम्बन्ध किस संस्कृति से है ?
– जोर्वे संस्कृति

329. इमामगाँव किस युग की एक बड़ी बस्ती थी ?
– ताम्रपाषाण युग की

330. जोर्वे संस्कृति से संबंधित पुरास्थल एवं ताम्रपाषाण युग की बड़ी बस्ती इमामगाँव कहाँ स्थित है ?
– महाराष्ट्र के पुणे जिले में

331. भारत में किस पहाड़ी से जीवाश्म का प्रमाण मिला है ?
– शिवालिक की पहाड़ी

332. भीमबेटका गुफा किसलिए प्रसिद्ध है ?
– आदि मानव द्वारा बनाए गए शैलचित्रों और शैलाश्रयों के लिए

333. पुरापाषाणिक आवासीय पुरास्थल है–
– भीमबेटका गुफा

334. भारतीय उपमहाद्वीप में मानव जीवन के प्राचीनतम चिन्ह शैलचित्रों के रूप में कहाँ मिले थे ?
– भीमबेटका गुफा में

335. भीमबेटका गुफा कहाँ स्थित है ?
– मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में
336. भीमबेटका गुफा के खोजकर्ता थे–
– डॉ. विष्णु श्रीधर वाकरणकर (1957–58 में)
337. भीमबेटका क्षेत्र को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भोपाल मंडल द्वारा राष्ट्रीय महत्व का स्थल कब घोषित किया गया था ?
– अगस्त, 1990 में
338. भीमबेटका क्षेत्र को यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल कब घोषित किया था
– जुलाई, 2003 में
339. सुदूर दक्षिण की कौनसी लौहयुग से संयुक्त संस्कृति थी, जिसमें काले तथा लाल मृद्भांडों का आविर्भाव हुआ ?
– महापाषाणकालीन संस्कृति
340. चिरंड में लाल व काले मृद्भांड काल का सम्बन्ध किस धातु से है ?
– लोहा

3.सिन्धु सभ्यता

341. रेडियोकार्बन C^{14} जैसी नवीन विश्लेषण पद्धति के द्वारा सर्वमान्य तिथि मानी गयी है–
– 2400 ई.पू. से 1700 ई.पू. तक
342. तिथि निर्धारण की कार्बन–14 (रेडियोकार्बन C^{14}) की खोज अमेरिका के किस प्रसिद्ध रसायन शास्त्री के द्वारा 1946 ई. में की गई थी ?
– वी.एफ. लिवि
343. तिथि निर्धारण की कार्बन–14 की पद्धति के तहत जिस पदार्थ में कार्बन–14 की मात्रा जितनी कम रहती है, वह पदार्थ उतना ही–
– प्राचीन माना जाता है
344. सिन्धु घाटी सभ्यता के विस्तार की आकृति है–
– त्रिभुजाकार
345. सिन्धु सभ्यता की खोज किसने की थी ?
– रायबहादुर साहिनी ने
346. सिन्धु सभ्यता की खोज किस वर्ष में हुई थी ?
– 1921 में
347. 1942 ई. में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के तत्कालीन महानिदेशक ने सिन्धु घाटी सभ्यता नामक एक उन्नत नगरीय सभ्यता पाए जाने की विधिवत् घोषणा की, उनका नाम था–
– सर जॉन मार्शल
348. सिन्धु सभ्यता को किस युग में रखा जा सकता है ?
– ताम्र/कांस्य युग
349. सिन्धु सभ्यता के मुख्य निवासी थे–
– द्रविड़ एवं भूमध्यसागरीय
350. सिन्धु सभ्यता का सर्वाधिक पूर्वी पुरास्थल है–
– आलमगीरपुर (जिला–मेरठ, उत्तर प्रदेश)
351. सिन्धु घाटी सभ्यता का सर्वाधिक पूर्वी पुरास्थल आलमगीरपुर (जिला–मेरठ, उत्तर प्रदेश) किस नदी के किनारे स्थित है ?
– हिण्डन नदी
352. सिन्धु सभ्यता का सर्वाधिक पश्चिमी पुरास्थल है–
– सुतकागेंडोर (बलूचिस्तान)
353. सिन्धु सभ्यता का सर्वाधिक पश्चिमी पुरास्थल सुतकागेंडोर (बलूचिस्तान) किस नदी के किनारे स्थित है ?
– दाश्क नदी
354. सिन्धु सभ्यता का सर्वाधिक उत्तरी पुरास्थल है–
– माँदा (अखनूर के निकट, जम्मू–कश्मीर)
355. सिन्धु सभ्यता का सर्वाधिक उत्तरी पुरास्थल माँदा (अखनूर के निकट, जम्मू–कश्मीर) किस नदी के किनारे स्थित है ?
– चिनाव नदी
356. सिन्धु सभ्यता का सर्वाधिक दक्षिणी पुरास्थल दाइमाबाद (जिला–अहमदनगर, महाराष्ट्र) किस नदी के किनारे स्थित है ?
– गोदावरी नदी
357. सिन्धु सभ्यता का सर्वाधिक दक्षिणी पुरास्थल है–
– दाइमाबाद (जिला–अहमदनगर, महाराष्ट्र)

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

358. सिन्धु सभ्यता को ग्रामीण या नगरीय में से किस श्रेणी में रखा गया है ?
– नगरीय सभ्यता
359. सिन्धु घाटी सभ्यता के अवशेषों की खोज किस वर्ष प्रारंभ हुई ?
– वर्ष 1921 में
360. हड़प्पा का उत्खनन कार्य सर्वप्रथम किस वर्ष हुआ था ?
– 1921 में
361. हड़प्पा के उत्खननकर्ता थे–
– दयाराम साहनी(1921), माधोस्वरूप वत्स (1926) एवं व्हीलर (1946)
362. हड़प्पा कहाँ स्थित है ?
– पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के साहीवाल जिले में
363. हड़प्पा किस नदी के किनारे स्थित है ?
– रावी नदी
364. सिन्धु सभ्यता स्थल हड़प्पा की मुहरों पर सबसे अधिक किसका अंकन मिलता है ?
– एक श्रृंगी पशु
365. सिन्धु सभ्यता के किस स्थल से प्राप्त एक मुहर में स्त्री के गर्भ से निकलता हुए पौधा दिखाया है ?
– हड़प्पा
366. मोहनजोदड़ो का उत्खनन कार्य सर्वप्रथम किस वर्ष हुआ था ?
– 1922 में
367. मोहनजोदड़ो के उत्खननकर्ता थे–
– राखालदास बनर्जी (1922), मैके (1927) तथा व्हीलर (1930)
368. मोहनजोदड़ो कहाँ स्थित है ?
– पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में
369. मोहनजोदड़ो किस नदी के किनारे स्थित है ?
– सिन्धु नदी
370. सिन्धु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल है–
– मोहनजोदड़ो
371. सैंधव सभ्यता की सबसे बड़ी इमारत थी–
– मोहनजोदड़ो से प्राप्त स्नानागार
372. सिन्धु सभ्यता के किस स्थल से प्राप्त एक शील पर तीन मुख वाले देवता (पशुपति नाथ) की मूर्ति मिली है और उसके चारों ओर हाथी, गैंडा, चीता एवं भैंसा विराजमान है ?
– मोहनजोदड़ो
373. सिन्धु सभ्यता के किस स्थल से नर्तकी की एक काँस्य मूर्ति मिली है ?
– मोहनजोदड़ो
374. चन्हूदड़ो का उत्खनन कार्य सर्वप्रथम किस वर्ष प्रारंभ हुआ था ?
– 1925 में
375. चन्हूदड़ों के उत्खननकर्ता थे–
– मैके (1925) एवं एन.जी. मजूमदार (1931)
376. चन्हूदड़ो कहाँ स्थित है ?
– पाकिस्तान के सिंध प्रांत के नबाब शाह जिले में
377. चन्हूदड़ो किस नदी के किनारे स्थित है ?
– सिन्धु नदी
378. कालीबंगन के उत्खननकर्ता थे–
– अमलानंद घोष (1951), बी.बी. लाल एवं बी.के. थापर (1961)
379. कालीबंगन कहाँ स्थित है ?
– राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में
380. कालीबंगन (कालीबंगा) का उत्खनन कार्य सर्वप्रथम किस वर्ष हुआ था ?
– 1951 में
381. कालीबंगन किस नदी के किनारे स्थित है ?
– घग्घर नदी
382. कालीबंगन का अर्थ है–
– काले रंग की चूड़ियाँ
383. किस एक मात्र हड़प्पाकालीन स्थल का निचला शहर (सामान्य लोगों के रहने हेतु) भी किले से घिरा हुआ था ?
– कालीबंगन
384. जुते हुए खेत और नक्काशीदार ईंटों के प्रयोग का साक्ष्य किस सिन्धु सभ्यता स्थल से प्राप्त हुए हैं ?
– कालीबंगन (कालीबंगा)
385. कोटदीजी का उत्खनन कार्य किस वर्ष हुआ था ?
– 1953 में
386. कोटदीजी के उत्खननकर्ता थे–
– फजल अहमद (1953)
387. कोटदीजी कहाँ स्थित है ?
– पाकिस्तान के सिंध प्रांत के खैरपुर में
388. कोटदीजी किस नदी के किनारे स्थित है ?
– सिन्धु नदी
389. रंगपुर का उत्खनन कार्य किस वर्ष हुआ था ?
– 1953–54 में
390. रंगपुर के उत्खननकर्ता थे–
– रंगनाथ राव (1953–54)
391. रंगपुर कहाँ स्थित है ?
– गुजरात के काठियावाड़ जिले में
392. रंगपुर किस नदी के किनारे स्थित है ?
– मादर नदी
393. रोपड़ का उत्खनन कार्य किस वर्ष हुआ ?
– 1953–56 में
394. रोपड़ के उत्खननकर्ता थे–
– यज्ञदत्त शर्मा (1953–56)
395. रोपड़ कहाँ स्थित है ?
– पंजाब के रोपड़ जिले में
396. रोपड़ किस नदी के किनारे स्थित है ?
– सतलज नदी
397. लोथल का उत्खनन कार्य किस वर्ष हुआ था ?
– 1954 में
398. लोथल के उत्खननकर्ता थे–
– रंगनाथ राव (1954)
399. लोथल कहाँ स्थित है ?
– गुजरात के अहमदाबाद जिले में
400. लोथल किस नदी के किनारे स्थित है ?
– भोगवा नदी
401. सिन्धु सभ्यता में किस स्थान से गोदी (डोकयार्ड) के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं ?
– लोथल

RAS STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

402. चावल के प्रथम साक्ष्य किस सिन्धु सभ्यता स्थल से प्राप्त हुए हैं ?
– लोथल
403. सिन्धु सभ्यता में घरों के दरवाजे और खिड़कियाँ सड़क की ओर न खुलकर पिछवाड़े में खुलते थे, किन्तु केवल एक नगर के घरों के दरवाजे मुख्य सड़क की ओर खुलते थे, उस नगर का नाम है–
– लोथल
404. आलमगीरपुर का उत्खनन कार्य किस वर्ष हुआ ?
– 1958 में
405. आलमगीरपुर के उत्खननकर्ता थे–
– यज्ञदत्त शर्मा (1958)
406. आलमगीरपुर कहाँ स्थित है ?
– उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में
407. आलमगीरपुर किस नदी के किनारे स्थित है ?
– हिन्डन नदी
408. सुतकांगेडोर का उत्खनन कार्य किस वर्ष हुआ था ?
– 1927 में
409. सुतकांगेडोर के उत्खननकर्ता थे–
– ऑरेल स्टाइन (1927)
410. सुतकांगेडोर कहाँ स्थित है ?
– पाकिस्तान के मकरान में समुद्र तट के किनारे
411. सुतकांगेडोर किस नदी के किनारे स्थित है ?
– दाश्क नदी
412. बनमाली का उत्खनन कार्य किस वर्ष हुआ था ?
– 1974 में
413. बनमाली के उत्खननकर्ता थे–
– रवीन्द्र सिंह विष्ट (1974)
414. बनमाली कहाँ स्थित है ?
– हरियाणा के हिसार जिले में
415. बनमाली किस नदी के किनारे स्थित है ?
– रंगोई नदी
416. तीनों हड़प्पाकालीन सभ्यताओं के अवशेष किस स्थल पर मिले हैं ?
– बनमाली
417. सिन्धु सभ्यता के किस स्थल से मिट्टी से बने हल का साक्ष्य मिला है ?
– बनमाली
418. धौलावीरा का उत्खनन कार्य किस वर्ष हुआ था ?
– 1967–68 में
419. धौलावीरा के उत्खननकर्ता थे–
– जगपति जोशी (1967–68) और रवीन्द्र सिंह विष्ट (1990–91)
420. धौलावीरा कहाँ स्थित है ?
– गुजरात के कच्छ जिले में खादिर द्वीप पर
421. धौलावीरा किस नदी के किनारे स्थित है ?
– लूनी नदी
422. भारत में सिन्धु सभ्यता का वह पहला पुरास्थल, जिसे यूनेस्को ने वर्ष 2021 में विश्व विरासत स्थल की सूची में शामिल किया है, है–
– धौलावीरा (गुजरात)
423. सोत्काह का उत्खनन कार्य किस वर्ष हुआ था ?
– 1962 में
424. सोत्काह के उत्खननकर्ता थे–
– जॉर्ज डेल्स (1962)
425. सोत्काह कहाँ स्थित है ?
– दक्षिण बलूचिस्तान में
426. सोत्काह किस नदी के किनारे स्थित है ?
– शादीकौर नदी
427. हरियाणा के हिसार जिले में स्थित सैंधव स्थल 'राखीगढ़ी' किस नदी के किनारे स्थित है ?
– घग्घर नदी
428. सिन्धु सभ्यता स्थल राखीगढ़ी (हरियाणा) की खोज किसने की थी ?
– सूरजभान ने (1963 ई. में)
429. हड़प्पा संस्कृति से लाजवर्द मणि का आयात किस क्षेत्र से होता था ?
– बदक्शां क्षेत्र
430. सिन्धु सभ्यता काल में ताँबे का आयात कहाँ से होता था ?
– खेतड़ी (राजस्थान), बलूचिस्तान एवं ओमान से
431. सिन्धु सभ्यता काल में चाँदी का आयात कहाँ से होता था ?
– अफगानिस्तान एवं ईरान से
432. सिन्धु सभ्यता काल में टिन का आयात कहाँ से होता था ?
– अफगानिस्तान एवं ईरान से
433. सिन्धु सभ्यता काल में सोने का आयात कहाँ से होता था ?
– कर्नाटक, अफगानिस्तान एवं ईरान से
434. सिन्धु सभ्यता काल में गोमेद का आयात कहाँ से होता था ?
– सौराष्ट्र से
435. सिन्धु सभ्यता काल में सीसे का आयात कहाँ से होता था ?
– ईरान से
436. सैंधव सभ्यता से प्राप्त परिपक्व अवस्था वाले स्थलों में से केवल 6 नगरों को ही बड़े नगर की संज्ञा दी गई है, जिनके नाम हैं–
– मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, गणवारीवाला, राखीगढ़ी, धौलावीरा एवं कालीबंगन
437. स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात् हड़प्पा संस्कृति के सर्वाधिक पुरास्थल किस राज्य में खोजे गए हैं ?
– गुजरात
438. सिन्धु सभ्यता के दो प्रमुख बन्दरगाह थे–
– लोथल और सुतकोटड़ा
439. सिन्धु सभ्यता के किन दो स्थलों से अग्निकुण्ड के साक्ष्य मिले हैं ?
– लोथल और कालीबंगा
440. सिन्धु सभ्यता में मुख्य फसल थी–
– गेहूँ और जौ
441. सिन्धु सभ्यता के किन स्थलों से मनके बनाने के कारखाने मिले हैं ?
– लोथल एवं चन्हूदड़ो
442. सिन्धु सभ्यता के किन स्थलों से युग्म समाधियाँ मिली हैं ?
– लोथल एवं कालीबंगा

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

443. सिन्धु सभ्यता की लिपि भावचित्रात्मक थी, जो लिखी जाती थी–
– दायीं से बायीं ओर

444. सिन्धु सभ्यता की लिपि दायीं से बायीं ओर लिखी जाती थी, किन्तु जब अभिलेख एक से अधिक पंक्तियों का होता था, तब–
– पहली पंक्ति दायीं से बायीं ओर तथा दूसरी पंक्ति बायीं से दायीं ओर लिखी जाती थी

445. लेखन कला की उचित प्रणाली विकसित करने वाली पहली सभ्यता थी–
– सुमेरियन सभ्यता

446. सिन्धु सभ्यता के लोगों ने नगरों तथा घरों के विन्यास के लिए कौनसी पद्धति अपनाई ?
– ग्रीड पद्धति

447. सैंधववासी किन वस्त्रों का प्रयोग करते थे ?
– सूती एवं ऊनी

448. सिन्धु सभ्यता के लोग मिठास के लिए किस पदार्थ का उपयोग करते थे ?
– शहद

449. सिन्धु घाटी सभ्यता के किन स्थलों से घोड़े के अस्थिपंजर मिले हैं ?
– सुतकोटड़ा, कालीबंगा एवं लोथल

450. सिन्धु सभ्यता के किन स्थलों से चावल के दाने मिले हैं, जिनसे धान की खेती होने का प्रमाण मिलता है ?
– लोथल ओर रंगपुर

451. सिन्धु सभ्यता में तौल की इकाई संभवतः किस अनुपात में थी ?
– 16 के अनुपात में

452. सैंधव सभ्यता के लोग यातायात के लिए उपयोग करते थे–
– दो एवं चार पहियों वाली बैलगाड़ी या भैंसागाड़ी

453. मेसोपोटामिया के अभिलेखों में वर्णित मेलूहा शब्द का अभिप्राय है–
– सिन्धु सभ्यता से

454. मेसोपोटामिया के अभिलेखों में वर्णित मेलूहा शब्द का अभिप्राय सिन्धु सभ्यता से है ?
– मेलूहा

455. हड़प्पा संस्कृति का शासन किस वर्ग के हाथों में था ?
– वणिक वर्ग

456. हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो को एक विस्तृत साम्राज्य की जुड़वाँ राजधानी किसने कहा था ?
– पिग्गट ने

457. पिग्गट ने सिन्धु सभ्यता के किन स्थलों को एक विस्तृत साम्राज्य की जुड़वाँ राजधानी कहा है ?
– हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो को

458. सिन्धु सभ्यता के लोग धरती को किस रूप में पूजा करते थे ?
– उर्वरता की देवी

459. चावल के प्रथम साक्ष्य किस सिन्धु सभ्यता स्थल से प्राप्त हुए हैं ?
– लोथल

460. सिन्धु सभ्यता के लोग किसको उर्वरता की देवी मानकर उसकी पूजा करते थे ?
– धरती को

461. सर्वप्रथम वृक्ष पूजा का प्रचलन का साक्ष्य किस सभ्यता से मिले हैं ?
– सिन्धु सभ्यता

462. सर्वप्रथम शिव पूजा के प्रचलन का साक्ष्य किस सभ्यता से मिले हैं ?
– सिन्धु सभ्यता

463. स्वास्तिक चिन्ह संभवतः किस सभ्यता की देन है ?
– हड़प्पा या सिन्धु सभ्यता

464. सिन्धु सभ्यता में प्रचलित 'स्वास्तिक चिन्ह' से किस देवता की उपासना का अनुमान लगाया जाता है ?
– सूर्य

465. क्या सिन्धु घाटी के नगरों में किसी भी मंदिर के अवशेष मिले हैं ?
– नहीं

466. सिन्धु सभ्यता में किस देवी की उपासना सर्वाधिक प्रचलित थी ?
– मातृदेवी

467. सिन्धु सभ्यता के लोगों के लिए पशुओं में विशेष पूजनीय था–
– कुबड़ वाला साँड

468. स्त्री मृण्मूर्तियाँ (मिट्टी की मूर्तियाँ) अधिक मिलने से ऐसा अनुमान लगाया जाता है कि सैंधव समाज–
– मातृसत्तात्मक था

469. सैंधववासी मनोरंजन के लिए किन साधनों का प्रयोग करते थे ?
– मछली पकड़ना, शिकार करना, पशु–पक्षियों को आपस में लड़ाना, चौपड़ और पासा खेलना आदि।

470. सिन्धु सभ्यता के लोग किस प्रकार के बर्तनों को प्रयोग करते थे ?
– काले रंग से डिजाइन किये हुए लाल मिट्टी के

471. आग में पकी हुई मिट्टी की ईंटों को कहा जाता है–
– टेराकोटा

472. क्या सिन्धु घाटी के लोग तलवार से परिचित थे ?
– नहीं

473. क्या पर्दा प्रथा सिन्धु सभ्यता में प्रचलित थी ?
– हाँ

474. क्या वैश्यावृत्ति सिन्धु सभ्यता में प्रचलित थी ?
– हाँ

475. क्या सिन्धु सभ्यता में शवों को जलाने एवं दफनाने, दोनों प्रथाएँ विद्यमान थीं ?
– हाँ

476. हड़प्पा में शवों के दाह संस्कार की विधि थी–
– दफनाने की

477. मोहनजोदड़ो में दाह संस्कार की विधि थी–
– जलाने की

478. स्वातंत्र्योत्तर भारत में सबसे अधिक संख्या में हड़प्पाकालीन स्थलों की खोज किस राज्य में हुई है ?
– गुजरात

4.वैदिक सभ्यता

479. वैदिक काल को किन दो भागों में विभक्त किया गया है ?
   – 1.ऋग्वैदिक काल और 2.उत्तर वैदिक काल
480. ऋग्वैदिक काल की अवधि है–
   – 1500–1000 ई.पू.
481. उत्तर वैदिक काल की अवधि है–
   – 1000–600 ई.पू.
482. आर्य सर्वप्रथम कहाँ आकर बसे थे ?
   – पंजाब एवं अफगानिस्तान में
483. इतिहासकार मैक्समूलर ने आर्यों का मूल निवास स्थान बताया है–
   – मध्य एशिया को
484. आर्यों द्वारा निर्मित सभ्यता कहलाई–
   – वैदिक सभ्यता
485. आर्यों द्वारा विकसित वैदिक सभ्यता को किस श्रेणी में रखा जाता है ?
   – ग्रामीण सभ्यता
486. आर्यों की भाषा थी–
   – संस्कृत
487. आर्य शब्द किसे इंगित करता है ?
   – भाषा समूह को
488. आर्यों की प्रशासनिक इकाई का आरोही क्रम है–
   – कुल, ग्राम, विश्, जन और राष्ट्र
489. वैदिक सभ्यता में ग्राम के मुखिया को कहते थे–
   – ग्रामिणी
490. वैदिक सभ्यता में विश् के प्रधान कहलाते थे–
   – विशपति
491. वैदिक सभ्यता में जन के शासक कहलाते थे–
   – राजन
492. उत्तर वैदिक शब्द 'प्राची' का अर्थ है–
   – पूर्व दिशा
493. उत्तर वैदिक काल में पूर्व दिशा को कहा जाता था–
   – प्राची
494. उत्तर वैदिक काल में पूर्व दिशा (प्राची) के राजा को कहा जाता था–
   – सम्राट
495. उत्तर वैदिक शब्द 'प्रतीची' का अर्थ है–
   – पश्चिम दिशा
496. उत्तर वैदिक काल में पश्चिम दिशा को कहा जाता था–
   – प्रतीची
497. उत्तर वैदिक काल में पश्चिम दिशा (प्रतीची) के राजा को कहा जाता था–
   – स्वराष्ट्र
498. उत्तर वैदिक शब्द 'उदीची' का अर्थ है–
   – उत्तर दिशा
499. उत्तर वैदिक काल में उत्तर दिशा को कहा जाता था–
   – उदीची
500. उत्तर वैदिक काल में उत्तर दिशा (उदीची) के राजा को कहा जाता था–
   – विराट्
501. उत्तर वैदिक काल में दक्षिण दिशा के राजा को कहा जाता था–
   – भोज
502. उत्तर वैदिक काल में मध्य दिशा के राजा को कहा जाता था–
   – राजा
503. वैदिक सभ्यता में राज्याधिकारियों को कहा जाता था–
   – रत्निन
504. वैदिक काल में राज्याधिकारियों को रत्निन कहा जाता था, जिनकी संख्या राजा सहित होती थी–
   – 12
505. वैदिक काल में दो प्रमुख राज्याधिकारी थे–
   – पुरोहित एवं सेनानी
506. सूत, रथकार व कम्मादि नामक अधिकारी रत्नी कहते जाते थे, जिनकी संख्या राजा सहित करीब होती थी–
   – 12
507. वैदिक काल में स्पश नामक अधिकारी का कार्य होता था––
   – जनता की गतिविधियों को देखने वाले गुप्तचर
508. वैदिक काल में जनता की गतिविधियों को देखने वाले गुप्तचर को कहा जाता था–
   – स्पश
509. वैदिक काल में 'पुरप' नामक अधिकारी को अन्य किस नाम से जाना जाता था ?
   – दुर्गपति
510. वैदिक काल में दुर्गपति को कहा जाता था–
   – पुरप
511. वैदिक काल में वाजपति नामक अधिकारी होता था–
   – गोचर भूमि का अधिकारी
512. वैदिक काल में गोचर भूमि के अधिकारी को कहते थे–
   – वाजपति
513. वैदिक काल में उग्र नामक अधिकारी का कार्य होता था–
   – अपराधियों को पकड़ने का
514. वैदिक काल में अपराधियों को पकड़ने का कार्य करने वाले अधिकारी को कहते थे–
   – उग्र
515. वैदिक काल में राजा को सलाह देने वाली संस्था थी–
   – सभा एवं समिति
516. वैदिक काल में राजा को सलाह देने वाली संस्थाओं सभा एवं समिति में से सभा किन लोगों की संस्था होती थी ?
   – श्रेष्ट एवं संभ्रांत लोगों की
517. वैदिक काल में राजा को सलाह देने वाली संस्थाओं सभा और समिति में से समिति किन लोगों की संस्था होती थी ?
   – यह सामान्य लोगों का प्रतिनिधित्व करती थी
518. क्या वैदिक काल में स्त्रियाँ सभा एवं समितियों में भाग ले सकती थी ?
   – हाँ

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

519. वैदिक काल में राजा को सलाह देने वाली संस्थाओं सभा और समिति में से समिति के अध्यक्ष को कहा जाता था–
– ईशान
520. वैदिक काल में युद्ध के लिए गविष्टि शब्द का प्रयोग किया गया, जिसका अर्थ है–
– गायों की खोज
521. क्या ऋग्वेद में किसी भी तरह के न्यायाधिकारी का उल्लेख था ?
– नहीं
522. किस ग्रंथ में कहा गया है कि ब्राह्मण परम पुरुष के मुख से, क्षत्रिय उनकी भुजाओं से, वैश्य उनकी जाँघों से एवं शूद्र उनके पैरों से उत्पन्न हुए हैं ?
– ऋग्वेद के दसवें मंडल में वर्णित पुरुषसुक्त मे
523. ऋग्वैदिक समाज कितने वर्णों में विभक्त था–
– चार (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र)
524. ऋग्वैदिक समाज का चार वर्णों (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र) में विभाजन किस आधार पर किया गया था ?
– व्यवसाय के आधार पर
525. चतुवर्णों क्रमशः ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र का उल्लेख किस ग्रंथ में मिलता है ?
– ऋग्वेद के दसवें मंडल में वर्णित पुरुषसुक्त में
526. दसराज्ञ युद्ध का उल्लेख ऋग्वेद के किस मंडल में है ?
– सातवें मंडल में
527. ऋग्वेद के सातवें मंडल में उल्लेखित दसराज्ञ युद्ध किनके बीच हुआ था ?
– सुदास एव दस जनों के मध्य
528. आर्यों का समाज था–
– पितृप्रधान
529. ऋग्वेद के सातवें मंडल में उल्लेखित दसराज्ञ युद्ध किस नदी के तट पर लड़ा गया था ?
– पुरुषणी (रावी) नदी
530. ऋग्वेद के 7वें मंडल में उल्लेखित सुदास और दस जनों के बीच हुए दसराज्ञ युद्ध में विजयी हुआ–
– सुदास
531. वैदिक काल में आर्यों के समाज की सबसे छोटी इकाई परिवार या कुल थी, जिसके मुखिया पिता को कहा जाता था–
– कुलप
532. क्या वैदिक काल में स्त्रियाँ अपने पति के साथ यज्ञ कार्य में भाग ले सकती थी ?
– हाँ
533. क्या वैदिक काल में बाल विवाह का प्रचलन था–
– हाँ
534. क्या वैदिक काल में पर्दा प्रथा का प्रचलन था–
– हाँ
535. क्या वैदिक काल में विधवा अपने मृतक पति के छोटे भाई (देवर) के साथ विवाह कर सकती थी ?
– हाँ
536. क्या वैदिक काल में स्त्रियाँ शिक्षा ग्रहण करती थी ?
– हाँ
537. लोपमुद्रा, घोषा, सिकता, आपाला एवं विश्वास जैसी विदुषी स्त्रियों का वर्णन किस वेद में मिलता है ?
– ऋग्वेद
538. गार्गी ने वाद–विवाद में किसको चुनौती दी थी ?
– याज्ञवल्क्य को
539. वैदिक काल में जीवन भर अविवाहित रहने वाली महिलाओं को कहा जाता था–
– अमाजू
540. जीविकोपार्जन के लिए वेद–वेदांग पढ़ाने वाला अध्यापक कहलाता था–
– उपाध्याय
541. आर्यों का मुख्य पेय पदार्थ था–
– सोमरस
542. आर्यों का मुख्य पेय पदार्थ सोमरस किससे बनाया जाता था ?
– वनस्पतियों से
543. आर्य मुख्यतः कितने प्रकार के वस्त्रों का उपयोग करते थे ?
– 1.वास 2.अधिवास 3.उष्णीय
544. आर्यों द्वारा अन्दर पहनने वाले कपड़े को कहा जाता था–
– नीवि
545. आर्यों के मनोरंजन के मुख्य साधन थे–
– संगीत, रथदौड़, घुड़दौड एवं द्यूतक्रीड़ा
546. आर्यों का मुख्य व्यवसाय था–
– पशुपालन एवं कृषि
547. भारतीय परमाणुवाद का जनक किस ऋषि को कहा जाता है ?
– महर्षि कणद
548. वैदिक काल में गाय को अघन्या कहा जाता था, जिसका अर्थ है–
– न मारे जाने योग्य पशु
549. वैदिक काल में गाय की हत्या करने वाले या उसे घायल करने वाले के लिए वेदों में क्या व्यवस्था की गई थी ?
– मृत्युदंड अथवा देश निकाले की
550. आर्यों का प्रिय पशु था–
– घोड़ा
551. आर्यों द्वारा खोजी गई धातु थी–
– लोहा
552. वैदिक काल में श्याम अयस् किस धातु को कहा जाता था ?
– लोहा
553. वैदिक काल में लोहित अयस् किस धातु को कहा जाता था ?
– ताँबा
554. भारतीयों को लोहे का ज्ञान किस सदी में प्राप्त हुआ ?
– आठवीं सदी में
555. व्यापार करने हेतु दूर–दूर तक जाने वाले व्यक्ति को कहते थे–
– पणि
556. वैदिक काल में लेन–देन हेतु प्रचलित प्रणाली थी–
– वस्तु विनिमय

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

557. वैदिक काल में ऋण देकर ब्याज लेने वाले सूदखोर को कहा जाता था–
– वेकनॉट
558. ऋग्वेद में उल्लेखित नदियों में सबसे पवित्र नदी मानी जाती है–
– सरस्वती नदी
559. ऋग्वेद में गंगा नदी का उल्लेख कितनी बार हुआ है ?
– एक बार
560. ऋग्वेद में यमुना नदी का उल्लेख कितनी बार हुआ है ?
– तीन बार
561. ऋग्वेद में किस नदी का उल्लेख सर्वाधिक बार हुआ है ?
– सिन्धु नदी
562. ऋग्वैदिककालीन नदी 'क्रुभ' का आधुनिक नाम है–
– कुर्रम
563. ऋग्वैदिककालीन नदी 'कुभा' का आधुनिक नाम है–
– काबुल
564. ऋग्वैदिककालीन नदी 'वितस्ता' का आधुनिक नाम है–
– झेलम
565. ऋग्वैदिककालीन नदी 'आस्किनी' का आधुनिक नाम है–
– चिनाव
566. ऋग्वैदिककालीन नदी 'परुषणी' का आधुनिक नाम है–
– रावी
567. ऋग्वैदिककालीन नदी 'शतुद्रि' का आधुनिक नाम है–
– सतलज
568. ऋग्वैदिककालीन नदी 'विपाशा' का आधुनिक नाम है–
– व्यास
569. ऋग्वैदिककालीन नदी 'सदानीरा' का आधुनिक नाम है–
– गंडक
570. ऋग्वैदिककालीन नदी 'दृसद्वती' का आधुनिक नाम है–
– घग्घर
571. ऋग्वैदिककालीन नदी 'गोमती' का आधुनिक नाम है–
– गोमल
572. ऋग्वैदिककालीन नदी 'सुवस्तु' का आधुनिक नाम है–
– स्वात्
573. ऋग्वैदिक काल में देवता एवं मनुष्य के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले देवता थे–
– अग्नि
574. आर्यों के सर्वाधिक प्रिय देवता थे–
– इन्द्र
575. ऋग्वेद काल में युद्ध के देवता थे–
– इन्द्र
576. ऋग्वेद काल में वर्षा के देवता थे–
– इन्द्र
577. ऋग्वेद काल में समुद्र के देवता थे–
– वरुण
578. ऋग्वेद काल में पृथ्वी एवं सूर्य के निर्माता किस देवता को माना गया है ?
– वरुण
579. ऋग्वेद काल में विश्व के नियामक व शासक किस देवता को कहा जाता है ?
– वरुण
580. ऋग्वेद काल में सत्य का प्रतीक किस देवता को मानते थे ?
– वरुण
581. ऋग्वेद काल में ऋतु परिवर्तन के देवता थे–
– वरुण
582. ऋग्वेद काल में दिन–रात के कर्ता किस देवता को माना गया ?
– वरुण
583. ऋग्वेद काल में सबसे प्राचीन देवता किसे माना गया है ?
– द्यौ
584. ऋग्वेद काल में आकाश के देवता थे–
– द्यौ
585. ऋग्वेद काल में वनस्पति के देवता थे–
– सोम
586. ऋग्वेद काल में प्रगति व उत्थान के देवता थे–
– उषा
587. ऋग्वेद काल में विपत्तियों के देवता थे–
– आश्विन
588. ऋग्वेद काल में पशुओं के देवता थे–
– पूषन
589. ऋग्वेद काल में विश्व के संरक्षक एवं पालनकर्ता किस देवता को माना गया है ?
– विष्णु
590. ऋग्वेद काल में आँधी–तूफान के देवता थे–
– मरुत
591. ऋग्वेद में पुरन्दर किस देवता को कहा गया है ?
– इन्द्र
592. उत्तरवैदिक काल में इन्द्र के स्थान पर सर्वाधिक प्रिय देवता हो गये थे–
– प्रजापति
593. उत्तरवैदिक काल में राजा के राज्याभिषेक के समय किस यज्ञ का अनुष्ठान किया जाता था ?
– राजसूय यज्ञ
594. उत्तरवैदिक काल में वर्ण विभाजन का आधार हो गया था–
– जन्म के आधार पर
595. उत्तरवैदिक काल में हल को कहा जाता था–
– सिरा
596. उत्तरवैदिक काल में हल रेखा को कहा जाता था–
– सीता
597. उत्तरवैदिक काल में मुद्रा की इकाईयाँ थीं–
– निष्क और शतमान

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

598. वेदों के संकलनकर्ता किसे माना जाता है ?
– महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास को
599. वेद किसका उपदेश देते हैं ?
– वसुधैव कुटुम्बकम् का
600. भारतीय परम्परा वेदों को मानती है–
– नित्य तथा अपौरूषेय
601. वेदों की संख्या कितनी है ?
– चार (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद)
602. संहिता कहा जाता है–
– चार वेदों क्रमशः ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद को
603. ऋचाओं के क्रमबद्ध ज्ञान को कहा जाता है–
– ऋग्वेद
604. ऋग्वेद में कितने मण्डल हैं ?
– 10
605. ऋग्वेद में कुल कितने सूक्त हैं ?
– 1028 (वालखिल्य पाठ के 11 सूक्तों सहित)
606. ऋग्वेद कुल कितनी ऋचाएँ हैं ?
– 10,462
607. ऋग्वेद की ऋचाओं को पढ़ने वाले ऋषि को कहते हैं–
– होतृ (होता)
608. किस वेद की ऋचाओं को पढ़ने वाले ऋषि को होतृ कहा जाता है ?
– ऋग्वेद
609. विश्वामित्र द्वारा रचित ऋग्वेद के किस मंडल में सूर्य देवता सवितृ को समर्पित प्रसिद्ध गायत्री मंत्र है ?
– तीसरे मंडल में
610. ऋग्वेद के किस मंडल की हस्तलिखित ऋचाओं को खिल कहा जाता है ?
– आठवें मंडल
611. चातुष्वर्ण्य समाज की कल्पना का आदि स्रोत है–
– ऋग्वेद के दसवें मंडल में वर्णित पुरुषसुक्त
612. ऋग्वेद के आठवें मंडल की हस्तलिखित ऋचाओं को कहा जाता है–
– खिल
613. चार वर्ण (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तथा शूद्र) आदि पुरुष ब्रह्मा के क्रमशः मुख, भुजाओं, जंघाओं और चरणों से उत्पन्न हुए। इसका उल्लेख किस प्राचीन ग्रंथ में मिलता है ?
– ऋग्वेद के दसवें मंडल में वर्णित पुरुषसुक्त में
614. वामनावतार के तीन पगों के आख्यान का प्राचीनतम स्रोत है–
– ऋग्वेद
615. ऋग्वेद में इन्द्र के लिए कितनी ऋचाओं की रचना की गयी है ?
– 250
616. ऋग्वेद में अग्नि देवता के लिए कितनी ऋचाओं की रचना की गयी है ?
– 200
617. सस्वर पाठ के लिए मंत्रों तथा बलि के समय अनुपालन के लिए नियमों का संकलन कहलाता है–
– यजुर्वेद
618. यजुर्वेद के पाठकर्ता को कहा जाता है–
– अध्वर्यु
619. 'अध्वर्यु' किस वेद के पाठकर्ता को कहा जाता है ?
– यजुर्वेद
620. किस वेद में यज्ञों के नियमों एवं विधि–विधानों का संकलन मिलता है ?
– यजुर्वेद
621. किस वेद में बलिदान विधि का वर्णन है ?
– यजुर्वेद
622. गद्य एवं पद्य दोनों में रचित वेद है–
– यजुर्वेद
623. 'साम' का शाब्दिक अर्थ है–
– गान
624. किस वेद में मुख्यतः यज्ञों के अवसर पर गाये जाने वाले ऋचाओं (मन्त्रों) का संकलन है ?
– सामवेद में
625. सामवेद के पाठकर्ता को कहते हैं–
– उद्गातृ
626. 'उद्गातृ' किस वेद के पाठकर्ता को कहा जाता है ?
– सामवेद
627. सामवेद का संकलन किस वेद पर आधारित है ?
– ऋग्वेद पर
628. सामवेद में कितने सूक्त हैं ?
– 1810
629. सामवेद के अधिकांश सूक्त किस वेद से लिए गये हैं ?
– ऋग्वेद से
630. भारतीय संगीत का जनक कहते है–
– सामवेद को
631. किसी भी विशिष्ट ऐतिहासिक घटनाओं का वर्णन किस वेद में नहीं मिलता ?
– यजुर्वेद और सामवेद में
632. अथर्ववेद की रचना किसने की ?
– अथर्वा ऋषि ने
633. अथर्ववेद में कुल कितने मंत्र हैं ?
– 731
634. अथर्ववेद में लगभग कितने पद्य हैं ?
– 6000
635. किस वेद के कुछ मंत्र ऋग्वेद के मंत्रों से भी अधिक प्राचीन हैं ?
– अथर्ववेद के
636. औषधियों का उल्लेख सबसे पहले किस वेद में मिलता है ?
– अथर्ववेद में
637. ऐतिहासिक दृष्टि से अथर्ववेद का महत्व किस बात में है ?
– अथर्ववेद में सामान्य मनुष्यों के विचारों तथा अंधविश्वासों का विवरण मिलता है।
638. रोग निवारण, तंत्र–मंत्र, जादू टोना, शाप वशीकरण आदि विविध विषयों से सम्बद्ध मंत्र तथा सामान्य मनुष्यों के विचारों, विश्वासों, अंधविश्वासों इत्यादि का वर्णन किस वेद में है ?
– अथर्ववेद में

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

639. किस वेद में सामान्य मनुष्यों के विचारों तथा अंधविश्वासों का विवरण मिलता है ?
– अथर्ववेद में
640. अथर्ववेद का प्रतिनिधि सूक्त किसे माना जाता है ?
– पृथिवीसूक्त को
641. सभा एवं समिति को प्रजापति की दो पुत्रियाँ किस वेद में कहा गया है ?
– अथर्ववेद में
642. सबसे प्राचीन एवं सबसे बाद के वेद क्रमशः हैं–
– ऋग्वेद एवं अथर्ववेद
643. किस वेद में परीक्षित को कुरुओं का राजा कहा गया है ?
– अथर्ववेद में
644. ऋग्वेद से जुड़ी एकमात्र जीवित शाखा है–
– शाकल
645. यजुर्वेद को किन शाखाओं में बाँटा गया है ?
– शुक्ल यजुर्वेद और कृष्ण यजुर्वेद
646. वाजसनेय संहिता कहा जाता है–
– शुक्ल यजुर्वेद को
647. माध्यन्दिन और काण्व किसकी शाखाएँ हैं ?
– शुक्ल यजुर्वेद की
648. काठक, कपिष्ठल, मैत्रायणी और तैत्तिरीय किसकी शाखाएँ हैं ?
– कृष्ण यजुर्वेद की
649. कौथुम, राणायनीय एवं जैमनीय (तलवकार) किस वेद की शाखाएँ हैं ?
– सामवेद की
650. शौनक और पैप्पलाद किस वेद की शाखाएँ हैं ?
– अथर्ववेद की
651. संहिता (वेद) के पश्चात् क्रमशः किन ग्रंथों का स्थान आता है ?
– ब्राह्मण, आरण्यक और उपनिषद्
652. वैदिक संहिताओं की व्याख्या करने के लिए गद्य में लिखे गए ग्रंथ को कहते हैं ?
– ब्राह्मण ग्रंथ
653. राजा परीक्षित के बाद और बिम्बिसार के पूर्व की घटनाओं का ज्ञान किन ग्रंथों से प्राप्त होता है ?
– ब्राह्मण ग्रंथों से
654. ऋग्वेद के ब्राह्मण ग्रंथ हैं–
– ऐतरेय व कौषीतकी
655. यजुर्वेद के ब्राह्मण ग्रंथ हैं–
– तेत्तिरीय व शतपथ
656. सामवेद के ब्राह्मण ग्रंथ हैं–
– पंचविश
657. अथर्ववेद के ब्राह्मण ग्रंथ हैं–
– गोपथ
658. 'ऐतरेय' एवं 'कौषीतकी' किस वेद के ब्राह्मण ग्रंथ है ?
– ऋग्वेद के
659. 'तेत्तिरीय' एवं 'शपपथ' किस वेद के ब्राह्मण ग्रंथ हैं ?
– यजुर्वेद
660. 'पंचविश' किस वेद का ब्राह्मण ग्रंथ है ?
– सामवेद के
661. 'गोपथ' किस वेद का ब्राह्मण ग्रंथ है ?
– अथर्ववेद
662. वैदिक साहित्य में ऋग्वेद के बाद किस ब्राह्मण ग्रंथ का स्थान आता है ?
– शतपथ का
663. किस ब्राह्मण ग्रंथ में स्त्री को पुरुष की अर्धांगिनी कहा गया है ?
– शतपथ में
664. गंधार, शल्य, कैकय, कुरु, पंचाल, कोशल, विदेह आदि राजाओं का उल्लेख किस ब्राह्मण ग्रंथ में मिलता है ?
– शतपथ में
665. राज्याभिषेक के नियम एवं कुछ प्राचीन राजाओं के नाम किस ब्राह्मण ग्रंथ में दिये गये हैं ?
– ऐतरेय में
666. स्त्री की सर्वाधिक गिरी हुई स्थिति किस संहिता से प्राप्त होती है ?
– मैत्रेयनी संहिता से
667. किस संहिता में जुआ और शराब की भाँति स्त्री को पुरुष का तीसरा मुख्य दोष बताया गया है–
– मैत्रयनी संहिता में
668. किस प्राचीन ग्रंथ में यज्ञ से जुड़े कर्मकाण्डों की दार्शनिक और प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है ?
– आरण्यक में
669. उपनिषदों की संख्या कितनी है ?
– 108
670. कुल 108 उपनिषदों में से कितने उपनिषदों को मूलभूत उपनिषदों की श्रेणी में रखा गया है ?
– 13
671. यज्ञ से जुड़े दार्शनिक विचार, शरीर, ब्रह्माण्ड, आत्मा तथा ब्रह्म की व्याख्या किसमें दी गई है ?
– उपनिषदों में
672. किस उपनिषद् में चारों आश्रमों (ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, संन्यास और वानप्रस्थ) का उल्लेख मिलता है ?
– जाबालोपनिषद् में
673. स्मृतिग्रंथों में सबसे प्राचीन एवं प्रमाणिक स्मृति मानी जाती है–
– मनुस्मृति
674. शुंग काल का मानक ग्रंथ है–
– मनुस्मृति
675. मनुस्मृति किस काल का मानक ग्रंथ है–
– शुंग काल का
676. किस स्मृति ग्रंथ से गुप्त युग के बारे में जानकारी प्राप्त होती है ?
– नारद स्मृति
677. नारद स्मृति का संबंध किस युग से है ?
– गुप्त युग
678. वेदों को भली–भाँति समझने के लिए कितने वेदांगों की रचना की गई है ?
– 6
679. शिक्षा, कल्प, व्याकरण, ज्योतिष, निरूक्त एवं छंद कहलाते हैं–
– वेदांग

680. किस वेदांग को शुद्ध उच्चारण शास्त्र कहते हैं ?
– शिक्षा
681. किस वेदांग में कर्मकाण्डीय विधि है–
– कल्प
682. किस वेदांग को शब्दों की व्युत्पत्ति का शास्त्र कहा जाता है ?
– निरुक्त
683. श्रौत, गृह तथा धर्मसूत्रों में वर्णित है ?
–यज्ञीय विधि–विधानों, कर्मकाण्डों, राजनीति, विधि एवं व्यवहार का
684. वैदिक साहित्य को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए किस साहित्य की रचना की गई ?
– सूत्र
685. प्रमुख सूत्रकारों में किनके नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है ?
– गौतम बौद्धायन, आपस्तम्भ, वशिष्ठ आदि
686. सबसे प्राचीन सूत्र ग्रंथ किसे माना जाता है ?
– गौतम धर्मसूत्र को
687. भारतीय ऐतिहासिक कथाओं का सबसे अच्छा क्रमबद्ध विवरण किन ग्रंथों में मिलता है ?
– पुराणों में
688. पुराणों के रचयिता है–
– लोमहर्ष एवं इनके पुत्र उग्रश्रवा
689. पुराणों की संख्या है–
– 18
690. पुराणों में सबसे प्राचीन एवं प्रमाणिक पुराण है–
– मत्स्य पुराण
691. किन पाँच पुराणों में राजाओं की वंशावली पायी जाती है ?
– मत्स्य, वायु, विष्णु, ब्राह्मण एवं भागवत पुराणों में
692. विष्णु पुराण का सम्बन्ध किस राजवंश से संबंधित है ?
– मौर्य वंश
693. मत्स्य पुराण का सम्बन्ध किस राजवंश से संबंधित है ?
– आन्ध्र सातवाहन वंश
694. वायु पुराण का सम्बन्ध किस राजवंश से संबंधित है ?
– गुप्त वंश से
695. मौर्य वंश से संबंधित पुराण है–
– विष्णु पुराण
696. आन्ध्र सातवाहन वंश से संबंधित पुराण है–
– मत्स्य पुराण
697. गुप्त वंश से संबंधित पुराण है–
– वायु पुराण
698. अधिकतर पुराण किस भाषा में लिखे गये हैं ?
– सरल संस्कृत श्लोकों में
699. वैदिक काल में किनको वेद पढ़ने की अनुमति नहीं थी, किन्तु पुराण सुन सकते थे ?
– स्त्रियों तथा शूद्र
700. सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से किस पुराण का काफी महत्व है और जिसमें राजतंत्र के साथ–साथ कृषि संबंधी विवरण भी दिया गया है ?
– अग्नि पुराण
701. पुराणों का पाठ पुजारी किस स्थान पर करते थे ?
– मंदिरों में
702. कौनसे तीन वेद मिलकर 'वेदत्रयी' कहलाते हैं ?
– ऋग्वेद, यजुर्वेद और सामवेद
703. यजुर्वेद में किसकी प्रधानता है ?
– कर्मकाण्ड
704. औषधियों का उल्लेख सबसे पहले किसमें मिलता है ?
– अथर्ववेद में
705. एतरेय ब्राह्मण किस वेद का है ?
– ऋग्वेद का
706. भारत के सभी दर्शनों में सबसे प्राचीन है ?
– सांख्य दर्शन
707. सांख्य दर्शन के अनुसार मूल तत्व हैं–
– 25
708. सांख्य दर्शन के अनुसार मूल तत्व 25 हैं, जिनमें पहला तत्व है–
– प्रकृति
709. सांख्य दर्शन के प्रवर्तक हैं–
– महर्षि कपिल
710. चार्वाक दर्शन के प्रवर्तक हैं–
– चार्वाक
711. योग दर्शन के प्रवर्तक हैं–
– महर्षि पतंजलि
712. न्याय दर्शन के प्रवर्तक हैं–
– महर्षि गौतम
713. पूर्व मीमांसा दर्शन के प्रवर्तक हैं–
– जैमिनी
714. उत्तरमीमांसा दर्शन के प्रवर्तक हैं–
– बादरायण
715. वैशेषिक दर्शन के प्रवर्तक हैं–
– महर्षि कणद
716. वेदान्त दर्शन के मौलिक ग्रंथ 'ब्रह्मसूत्र' या 'वेदान्त सूत्र' की रचना किसने की थी ?
– बादरायण
717. किस उपनिषद् में यज्ञ की तुलना टूटी नाव से की गयी है ?
– मुण्डकोपनिषद्
718. उपनिषदों की कुल संख्या है–
– 108
719. ईसा पूर्व दूसरी सदी में यज्ञवेदी बनाने के लिए व्यवहारिक ज्यामिति की रचना किसने की थी ?
– आपस्तम्ब ने
720. 'सत्यमेव जयते' किस उपनिषद् से लिया गया है ?
– मुण्डकोपनिषद्
721. गायत्री मंत्र किस देवता को समर्पित है ?
– सवितृ / सावित्री / सूर्य
722. सवितृ देवता को समर्पित गायत्री मंत्र का सम्बन्ध किस देवता से है ?
– सूर्य
723. गायत्री मंत्र की रचना किसने की थी ?
– विश्वामित्र ने
724. श्राद्ध की प्रथा का प्रारंभ सबसे पहले किया था–
– दत्तात्रेय के पुत्र निमि ने

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

725. उत्तरवैदिक काल में प्रथम बार पक्की ईंटों का प्रयोग किस नगर में किया गया था ?
– कौशाम्बी नगर में
726. विश्व के प्रसिद्ध दो महाकाव्य हैं–
– महाभारत और रामायण
727. विश्व का सबसे बड़ा महाकाव्य है–
– महाभारत
728. महाभारत का पुराना नाम क्या है ?
– जयसंहिता
729. गोत्र नामक संस्था का जन्म किस काल में हुआ था ?
– उत्तरवैदिक काल
730. वैदिक युग में ग्राम समूहों को कहा जाता था–
– विश
731. पूर्व वैदिक काल में आर्य सभ्यता का केन्द्र कहाँ स्थित था ?
– सरस्वती एवं गंगा के मध्य क्षेत्र
732. ऋग्वैदिक काल में अपना विशिष्ट महत्व रखने वाले 'तक्ष' का सम्बन्ध किससे था ?
– बढ़ई
733. गायत्री मंत्र मूल रूप से किस वेद में पाया जाता है ?
– ऋग्वेद
734. ईश, केन, कठ, प्रश्न इत्यादि है–
– उपनिषद्
735. विष्णु के दस अवतारों का विवरण किस पुराण में दिया हुआ है ?
– मत्स्य पुराण
736. 'श्रीमद्भागवत' की रचना किसने की थी ?
– महर्षि वेदव्यास
737. 'महाभाष्य' के रचनाकार हैं–
– महर्षि पतंजलि
738. महाभाष्य किसकी कृति है ?
– पतंजलि की
739. कौनसे वेद मिलकर 'वेदत्रयी' कहलाते हैं ?
– ऋग्वेद, यजुर्वेद और सामवेद
740. चारों वेदों के नाम कालक्रमानुसार है–
– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद
741. सबसे प्राचीन स्मृति ग्रंथ है–
– मनुस्मृति
742. उपनिषद् किस विषय का ग्रंथ है ?
– दर्शन
743. दर्शन से संबंधित ग्रंथ कहलाते हैं–
– उपनिषद्
744. यजुर्वेद में किसकी प्रधानता है ?
– कर्मकाण्ड की
745. यज्ञीय वेदियों को नापने, उनके स्थान का चयन तथा निर्माण आदि का वर्णन किस ग्रंथ में मिलता है ?
– शुल्व सूत्र में
746. चारों आश्रमों का उल्लेख सर्वप्रथम किस ग्रंथ में मिलता है ?
– जाबलोपनिषद्
747. चित्रित धूसर मृदभांड का सम्बन्ध किस काल से है ?
– उत्तरवैदिक काल
748. उच्च वर्ण की कन्या का निम्न वर्ण के पुरुष के साथ विवाह को कहा जाता है–
– प्रतिलोम विवाह
749. उच्च वर्ण के पुरुष का निम्न वर्ण की कन्या के साथ विवाह को कहा जाता है–
– अनुलोम विवाह
750. आर्यों के मूल निवास स्थान से सम्बन्धित मध्य एशिया सिद्धांत के प्रवर्तक हैं–
– जर्मन के प्रोफेसर मैक्समूलर
751. ऋग्वैदिक काल में विनिमय का साधन था–
– वस्तु विनिमय
752. शूद्र का उल्लेख ऋग्वेद के किस मंडल में है ?
– दसवें मंडल में
753. भागवत धर्म का सम्बन्ध किस भगवान से है ?
– भगवान विष्णु से
754. श्रीमद्भगवद्गीता किस धर्म का प्रधान ग्रंथ है ?
– भागवत धर्म
755. औषधियों का उल्लेख सबसे पहले किस ग्रंथ में मिलता है ?
– अथर्ववेद में
756. ऋग्वैदिक काल में सभा और समिति से प्राचीन किस प्रतिनिधि संस्था का उल्लेख मिलता है ?
– विदथ
757. ऋग्वेद में पुत्री के लिए प्रयुक्त शब्द 'दुहिता' का शाब्दिक अर्थ है–
– गाय का दोहन करने वाली
758. एतरेय ब्राह्मण किस वेद का ग्रंथ है ?
– ऋग्वेद का
759. अथर्ववेद का ब्राह्मण ग्रंथ है–
– गोपथ
760. महाभारत का पुराना नाम क्या है ?
– जयसंहिता
761. ऋग्वेद में 'हिरण्यगर्भ' की उपाधि किसे दी गई ?
– जयसंहिता
762. ऋग्वेद में 'दस्यु' शब्द किसके लिए आया है ?
– अनार्यों के लिए
763. ऋग्वेद में ऐसी कन्याओं के उदाहरण भी मिलते हैं, जो दीर्घकाल तक अथवा आजीवन अविवाहित रहती थीं, ऐसी कन्याओं को कहा जाता था–
– अमाजू
764. वैदिक राजाओं द्वारा अपनी प्रजा से वसूल किए जाने वाले कर/उपहार को कहा जाता था–
– बलि
765. ऋग्वेद में सबसे अधिक मंत्र किस देवता की स्तुति में लिखे गए हैं ?
– इन्द्र
766. ऋग्वेद में किस अपराध का सबसे अधिक उल्लेख किया गया है ?
– पशु चोरी
767. कौनसा वेद प्राचीनतम कृति है ?
– ऋग्वेद

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

768. उत्तरवैदिक काल में शासन व्यवस्था का सामान्य रूप क्या था ?
– राजतंत्र
769. मनु एवं याज्ञवल्क्य स्मृतियों में स्त्रियों को किसके समतुल्य माना गया है ?
– शूद्रों के
770. 'रज्मनामा' के नाम से किस संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद किया गया है ?
– महाभारत
771. वैदिक काल में कानून की उत्पत्ति का स्रोत है–
– धर्म
772. आर्य लोग भारत में सर्वप्रथम जहाँ बसे, वह सारा प्रदेश किस नाम से प्रसिद्ध हुआ ?
– सप्तसिन्धु प्रदेश
773. वैदिक युग में 'अनस' किसका परिचायक है ?
– बैलगाड़ी
774. किस ग्रंथ में गोधन को 'अन्नदा वन्नदा' कहा है ?
– सुत्तनिपात में
775. भागवत धर्म के अनुयायी भगवान कृष्ण की पूजा किस रूप में करते थे ?
– विष्णु
776. क्या सांख्य दर्शन ईश्वर के अस्तित्व को स्वीकार करता है ?
– नहीं
777. मैक्समूलर के अनुसार 'आर्य' शब्द सूचक है–
– भाषा का
778. उत्तरवैदिक काल में राज्य के पदाधिकारियों को कहा जाता था–
– रत्निन
779. वैदिक काल में पणि नामक समुदाय का मुख्य व्यवसाय था–
– व्यापार
780. चित्रित धूसर मृदभांड की संस्कृति को किस काल से जोड़ा गया है ?
– उत्तरवैदिक काल से
781. सांख्य दर्शन के संस्थापक कौन थे ?
– महर्षि कपिल
782. व्यास नदी का प्राचीन नाम है–
– विपासा
783. शुल्व सूत्र से क्या आशय है ?
– इसमें यज्ञीय वेदियों को नापने, उनके स्थान का चयन तथा निर्माण आदि का वर्णन
784. अर्थशास्त्र के अनुसार सीताध्यक्ष के अधीन कौनसा विभाग होता था ?
– कृषि
785. ऋग्वेद में सबसे अधिक मंत्र किस देवता की स्तुति में लिखे गए हैं ?
– इन्द्र
786. 'आर्य' शब्द का सर्वप्रथम उल्लेख कहाँ मिलता है ?
– ऋग्वेद में
787. यम द्वारा नचिकेता और उसके तीन वर प्राप्त करने की कहानी किसमें वर्णित है ?
– कठोपनिषद् में

5.जैन धर्म

788. जैन धर्म के संस्थापक एवं प्रथम तीर्थंकर थे–
– ऋषभदेव
789. जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव का प्रतीक चिन्ह है–
– साँड
790. किस जैन तीर्थंकर का प्रतीक चिन्ह साँड है ?
– ऋषभदेव
791. जैन धर्म के द्वितीय तीर्थंकर थे–
– अजितनाथ
792. जैन धर्म के द्वितीय तीर्थंकर अजितनाथ का प्रतीक चिन्ह है–
– हाथी
793. किस जैन तीर्थंकर का प्रतीक चिन्ह हाथी है ?
– अजितनाथ
794. जैन धर्म के तृतीय तीर्थंकर थे–
– संभवनाथजी
795. जैन धर्म के तृतीय तीर्थंकर संभवनाथ का प्रतीक चिन्ह है–
– घोड़ा
796. किस जैन तीर्थंकर का प्रतीक चिन्ह घोड़ा है ?
– संभवनाथ
797. जैन धर्म के सप्तम तीर्थंकर थे–
– संपार्श्वाथ
798. जैन धर्म के सप्तम तीर्थंकर संपार्श्वनाथजी का प्रतीक चिन्ह है–
– स्वास्तिक
799. किस जैन तीर्थंकर का प्रतीक चिन्ह स्वास्तिक है ?
– संपार्श्वनाथ
800. जैन धर्म के सोलहवें तीर्थंकर थे–
– शांतिनाथजी
801. जैन धर्म के सोलहवें तीर्थंकर शांतिनाथजी का प्रतीक चिन्ह है–
– हिरण
802. किस जैन तीर्थंकर का प्रतीक चिन्ह हिरण है ?
– शांतिनाथजी
803. जैन धर्म के अठारहवें तीर्थंकर थे–
– अरनाथजी
804. जैन धर्म के अठारहवें तीर्थंकर अरनाथजी का प्रतीक चिन्ह है–
– मीन (मछली)
805. किस जैन तीर्थंकर का प्रतीक चिन्ह मीन (मछली) है ?
– अरनाथजी
806. जैन धर्म के इक्कीसवें तीर्थंकर नेमिनाथजी का प्रतीक चिन्ह है–
– नीलकमल
807. जैन धर्म के इक्कीसवें तीर्थंकर थे–
– नेमिनाथजी
808. किस जैन तीर्थंकर का प्रतीक नीलकमल है ?
– नेमिनाथजी
809. जैन धर्म के बाइसवें तीर्थंकर थे–
– अरिष्टनेमि

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

810. जैन धर्म के बाइसवें तीर्थंकर अरिष्टनेमि का प्रतीक चिन्ह है–
– शंख
811. किस जैन तीर्थंकर का प्रतीक चिन्ह शंख है ?
– अरिष्टनेमि
812. किस जैन तीर्थंकर को भगवान कृष्ण का निकट सम्बन्धी माना जाता है ?
– अरिष्टनेमि
813. जैन धर्म के बाइसवें तीर्थंकर अरिष्टनेमि किस भगवान के निकट सम्बन्धी माने जाते हैं ?
– भगवान कृष्ण के
814. किस जैन तीर्थंकर के नाम का उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है ?
– ऋषभदेव और अरिष्टनेमि
815. जैन तीर्थंकर ऋषभदेव और अरिष्टनेमि के नामों का उल्लेख किस वेद में मिलता है ?
– ऋग्वेद में
816. जैन धर्म के तेइसवें तीर्थंकर थे–
– पार्श्वनाथ
817. जैन धर्म के तेइसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का प्रतीक चिन्ह है–
– सर्प
818. किस जैन तीर्थंकर का प्रतीक चिन्ह सर्प है ?
– पार्श्वनाथ
819. जैन धर्म के तेइसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ ने किस आयु में संन्यास जीवन को स्वीकारा था ?
– 30 वर्ष
820. जैन धर्म के तेइसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ द्वारा दी गई शिक्षाएँ थी–
– 1.हिंसा न करना 2.सदा सत्य बोलना 3.चोरी न करना 4.सम्पत्ति न रखना
821. जैन धर्म के तेइसवें तीर्थंकर किसके पुत्र थे ?
– काशी के इक्ष्वाकु वंशीय राजा अश्वसेन के
822. जैन धर्म के चौबीसवें एवं अंतिम तीर्थंकर थे–
– महावीर स्वामी
823. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी का प्रतीक चिन्ह है–
– सिंह
824. किस जैन तीर्थंकर का प्रतीक चिन्ह सिंह है ?
– महावीर स्वामी का
825. महावीर स्वामी जैन धर्म के कौनसे तीर्थंकर थे ?
– चौबीसवें
826. महावीर स्वामी का जन्म कब हुआ था ?
– 540 ईसा पूर्व में
827. महावीर स्वामी का जन्म कहाँ हुआ था ?
– कुण्डग्राम (वैशाली) में
828. महावीर के बचपन का नाम था–
– वर्धमान / वर्द्धमान
829. महावीर के पिता का नाम था–
– सिद्धार्थ
830. महावीर के पिता किस कुल के सरदार थे ?
– ज्ञातृक कुल के
831. महावीर की माता का नाम था–
– त्रिशला
832. महावीर की माता त्रिशला किस कुल की थी ?
– लिच्छवि
833. महावीर की माता त्रिशला किसकी बहन थी ?
– लिच्छवि राजा चेटक की
834. महावीर की पत्नी का नाम था–
– यशोदा
835. महावीर की पुत्री का नाम था–
– अनोज्जा प्रियदर्शनी
836. महावीर स्वामी के दामाद का नाम था–
– जामिल
837. महावीर ने किस उम्र में माता–पिता की मृत्यु के पश्चात् संन्यास जीवन को स्वीकारा था ?
– 30 वर्ष
838. महावीर ने 30 वर्ष की उम्र में माता–पिता की मृत्यु के पश्चात किससे अनुमति लेकर संन्यास जीवन को स्वीकारा था ?
– बड़े भाई नंदिवर्धन से
839. महावीर को कितने वर्षों की कठिन तपस्या के बाद सम्पूर्ण ज्ञान का बोध हुआ ?
– 12 वर्ष
840. 12 वर्षों की कठिन तपस्या के बाद महावीर को किस नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे तपस्या करते हुए सम्पूर्ण ज्ञान का बोध हुआ ?
– ऋजुपालिका नदी के तट पर
841. 12 वर्षों की कठिन तपस्या के बाद महावीर को जृम्भिक के समीप ऋजुपालिका नदी के तट पर किस वृक्ष के नीचे सम्पूर्ण ज्ञान का बोध हुआ ?
– साल वृक्ष
842. 12 वर्षों की कठिन तपस्या के बाद जृम्भिक के समीप ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे तपस्या करते हुए सम्पूर्ण ज्ञान का बोध हुआ, जिसके पश्चात् महावीर कहलाए–
– जिन (विजेता), अर्हत (पूज्य), निर्ग्रन्थ (बंधनहीन)
843. जैन धर्म में 'जिन' का अर्थ है–
– विजेता
844. जैन धर्म में 'अर्हत' का अर्थ है–
– पूज्य
845. जैन धर्म में 'निर्ग्रन्थ' का अर्थ है–
– बंधनहीन
846. महावीर स्वामी ने अपना प्रथम उपदेश किस भाषा में दिया ?
– प्राकृत (अर्धमागधी) भाषा में
847. महावीर के अनुयायियों को मूलतः कहा जाता था–
– निर्ग्रन्थ
848. महावीर स्वामी के प्रथम अनुयायी थे–
– उनके दामाद जामिल
849. प्रथम जैन भिक्षुणी थी–
– चम्पा
850. प्रथम जैन भिक्षुणी चम्पा किसकी पुत्री थी ?
– नरेश दधिवाहन की
851. महावीर के भिक्षुणी संघ की प्रधान थी–
– चन्दना

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

852. महावीर ने अपने शिष्यों को कितने गणधरों में विभाजित किया ?
– 11

853. महावीर स्वामी ने अपने संघों को 11 गणों में बाँटकर चतुर्विध संघ की स्थापना कहाँ की थी ?
– पावा (बिहार) में

854. क्या जैन तीर्थंकर महावीर स्वामी पुनर्जन्म एवं कर्मवाद में विश्वास करते थे ?
– हाँ

855. क्या जैन धर्म में ईश्वर की मान्यता है ?
– हाँ

856. क्या जैन धर्म में आत्मा की मान्यता है ?
– हाँ

857. अकेल ऐसा गन्धर्व, जो महावीर की मृत्यु के बाद भी जीवित रहा और जैन धर्म का प्रथम थेरा या मुख्य उपदेशक हुआ–
– आर्य सुधर्मा

858. जैन धर्म के प्रथम थेरा (मुख्य उपदेशक) थे–
– आर्य सुधर्मा

859. लगभग 300 ईसा पूर्व में मगध में 12 वर्षों का भीषण अकाल पड़ा, जिसके कारण भद्रबाहु अपने शिष्यों सहित कहाँ चले गए थे ?
– कर्नाटक

860. लगभग 300 ईसा पूर्व में मगध में 12 वर्षों का भीषण अकाल पड़ा, जिसके कारण भद्रबाहु अपने शिष्यों सहित कर्नाटक चले गए, किन्तु कुछ अनुयायी किसके साथ मगध में ही रुक गए थे ?
– स्थूलभद्र

861. भद्रबाहु के कर्नाटक से लौटने पर मगध के साधुओं से मतभेद होने के परिणामस्वरूप जैन मत किन दो सम्प्रदायों में विभक्त हो गया ?
– श्वेताम्बर और दिगम्बर

862. किसके शासनकाल में जैन धर्म दो सम्प्रदायों श्वेताम्बर और दिगम्बर में विभक्त हो गया ?
– चन्द्रगुप्त मौर्य

863. जैन मत में विभाजन के बाद स्थूलभद्र के शिष्य कहलाए–
– श्वेताम्बर (श्वेत वस्त्र धारण करने वाला)

864. जैन धर्म में श्वेताम्बर (श्वेत वस्त्र धारण करने वाले) सम्प्रदाय के अनुयायी किसके शिष्य थे ?
– स्थूलभद्र

865. जैन मत में विभाजन के बाद भद्रबाहु के शिष्य कहलाए–
– दिगम्बर (नग्न रहने वाले)

866. जैन धर्म में दिगम्बर (नग्न रहने वाले) सम्प्रदाय के के अनुयायी किसके शिष्य थे ?
– भद्रबाहु

867. प्रथम जैन संगीति का आयोजन कब हुआ था ?
– 300 ईसा पूर्व

868. प्रथम जैन संगीति का आयोजन कहाँ हुआ था ?
– पाटलिपुत्र

869. प्रथम जैन संगीति (300 ई.पू.) के अध्यक्ष थे–
– स्थूलभद्र

870. द्वितीय जैन संगीति का आयोजन कब हुआ था ?
– 512 ई.

871. द्वितीय जैन संगीति का आयोजन कहाँ हुआ था ?
– बल्लभी (गुजरात)

872. प्रथम जैन संगीति (512 ई.) के अध्यक्ष थे–
– क्षमाश्रवण

873. जैन धर्म के त्रिरत्न हैं–
– 1.सम्यक् दर्शन 2.सम्यक् ज्ञान 3.सम्यक् आचरण

874. त्रिरत्न के अनुशीलन में किन पाँच महाव्रतों का पालन करना अनिवार्य है ?
– 1.सत्य 2.अहिंसा 3.अस्तेय 4.अपरिग्रह 5.ब्रह्मचर्य

875. जैन धर्म में सप्तभंगी ज्ञान के अन्य नाम हैं–
– स्यादवाद व अनेकांतवाद

876. स्यादवाद या अनेकांतवाद का सम्बन्ध किस धर्म से है ?
– जैन धर्म

877. जैन धर्म ने अपने आध्यात्मिक विचारों को किस दर्शन से ग्रहण किया ?
– सांख्य दर्शन

878. चन्द्रगुप्त मौर्य किस धर्म का अनुयायी था ?
– जैन धर्म

879. कलिंग नरेश खारवेल किस धर्म का अनुयायी था ?
– जैन धर्म

880. राष्ट्रकूट शासक अमोघवर्ष किस धर्म का अनुयायी था ?
– जैन धर्म

881. चंदेल शासक किस धर्म का अनुयायी था ?
– जैन धर्म

882. मगध शासक उदयिन किस धर्म का अनुयायी था ?
– जैन धर्म

883. किसके प्रोत्साहन से कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में दसवीं शताब्दी के मध्य विशाल बाहुबलि की मूर्ति (गोमतेश्वर की मूर्ति) का निर्माण किया गया ?
– मैसूर के गंग वंश के मंत्री चामुण्ड

884. कनार्टक के श्रवणबेलगोला में स्थित गोमतेश्वर की प्रतिमा में महावीर स्वामी को किस मुद्रा में दर्शाया गया है ?
– कायोत्सर्ग मुद्रा में

885. एक ही चट्टान से काटकर बनाई गई बाहुबलि की मूर्ति (गोमतेश्वर की प्रतिमा) की ऊँचाई है–
– 18 मीटर

886. गोमतेश्वर की प्रतिमा (श्रवणबेलगोला, कर्नाटक) में महावीर को तपस्या की मुद्रा में दिखाया है, जिसमें वे चारों ओर के वातावरण से अनभिज्ञ हैं, उनके पैरों में साँप लिपटे हुए हैं और चीटियों ने मिट्टी के घरौंदे बनाये हुए हैं। इस मुद्रा को कहा गया है–
– कायोत्सर्ग मुद्रा

887. खजुराहो के जैन मंदिरों का निर्माण किसने करवाया था ?
– चंदेल शासकों ने

888. मौर्योत्तर युग में जैन धर्म का प्रसिद्ध केन्द्र था–
– मथुरा

889. मथुरा कला का सम्बन्ध किस धर्म से है ?
– जैन धर्म

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

890. जैन तीर्थंकरों की जीवनी भद्रबाहु द्वारा रचित किस ग्रंथ में है ?
– कल्पसूत्र में
891. कालाक्लेश (आत्महत्या) को किस मत ने उपयुक्त ठहराया है ?
– जैन धर्म ने
892. महावीर स्वामी की मृत्यु कब हुई ?
– 468 ई.पू. में
893. महावीर स्वामी की मृत्यु के समय उनकी आयु थी–
– 72 वर्ष
894. महावीर स्वामी को निर्वाण (निर्वाण) कहाँ प्राप्त हुआ था ?
– बिहार राज्य के पावापुरी (राजगीर) में मल्लराजा सृस्तिपाल के राजप्रसाद में

6.बौद्ध धर्म

895. बौद्ध धर्म के संस्थापक थे–
– गौतम बुद्ध
896. एशिया का ज्योति पुंज (Light of Asia) किसे कहा जाता है ?
– गौतम बुद्ध
897. गौतम बुद्ध का जन्म कब हुआ था ?
– 563 ई.पू.
898. गौतम बुद्ध का जन्म कहाँ हुआ था ?
– कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक स्थान
899. गौतम बुद्ध के पिता का नाम था–
– शुद्धोधन
900. गौतम बुद्ध के पिता कहाँ के मुखिया थे ?
– शाक्य गण के
901. गौतम बुद्ध की माता का नाम था–
– मायादेवी
902. गौतम बुद्ध के जन्म के सातवें दिन ही इनकी माता मायादेवी की मृत्यु हो जाने पर गौतम बुद्ध का लालन–पालन किसके द्वारा किया गया था ?
– सौतली माता प्रजापति गौतमी
903. गौतम बुद्ध के बचपन का नाम था–
– सिद्धार्थ
904. गौतम बुद्ध की पत्नी का नाम था–
– यशोधरा
905. गौतम बुद्ध के पुत्र का नाम था–
– राहुल
906. सिद्धार्थ जब कपिलवस्तु की सैर पर निकले तो उन्होंने क्रमशः किन चार दृश्यों को देखा ?
– 1.बूढ़ा व्यक्ति 2.बीमार व्यक्ति 3.शव 4.संन्यासी
907. सांसारिक समस्याओं से व्यथित होकर सिद्धार्थ ने 29 वर्ष की अवस्था में गृह त्याग किया, जिसे बौद्ध धर्म में कहा जाता है–
– महाभिनिष्क्रमण
908. गौतम बुद्ध द्वारा गृहत्याग की घटना को कहा जाता है–
– महाभिनिष्क्रमण
909. गृहत्याग करने के बाद सिद्धार्थ (बुद्ध) ने किनसे सांख्य दर्शन की शिक्षा ग्रहण की थी ?
– आलारकालाम से
910. सिद्धार्थ (बुद्ध) के प्रथम गुरु कौन थे ?
– वैशाली के आलारकालाम
911. सिद्धार्थ (बुद्ध) ने शून्य का ज्ञान किस गुरु से प्राप्त किया था–
– आलारकालाम से
912. सिद्धार्थ (बुद्ध) ने अपने गुरु आलारकालाम से कौनसी शिक्षा ग्रहण की थी ?
– शून्य का ज्ञान
913. आलारकालाम से शिक्षा ग्रहण करने के बाद सिद्धार्थ ने किनसे शिक्षा ग्रहण की ?
– रुद्रकरामपुत्त से
914. सिद्धार्थ (बुद्ध) ने अपने गुरु रुद्रकरामपुत्त से कौनसी शिक्षा ग्रहण की थी ?
– योग की शिक्षा

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

915. सिद्धार्थ (बुद्ध) को कौण्डिन्य, वप्पा, भादिया, महानामा एवं अस्सागी नामक पाँच साधक किस स्थान पर मिले थे ?
– उरुवेला (बिहार राज्य में बोधगया के निकट)

916. 6 वर्ष की कठिन तपस्या के बाद 35 वर्ष की आयु में वैशाख की पूर्णिमा की रात निरंजना (फल्गु) नदी के किनारे किस वृक्ष के नीचे सिद्धार्थ को ज्ञान प्राप्त हुआ ?
– पीपल

917. ज्ञान प्राप्ति के बाद सिद्धार्थ जाने गए–
– बुद्ध

918. सिद्धार्थ को जिस स्थान पर ज्ञान की प्राप्ति हुई, वह स्थान कहलाया–
– बोधगया

919. बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश कहाँ दिया था ?
– सारनाथ (ऋषिपत्तनम)

920. बुद्ध द्वारा सारनाथ (ऋषिपत्तनम) में दिये गए प्रथम उपदेश को बौद्ध ग्रंथों में कहा जाता है–
– धर्मचक्र प्रवर्तन

921. बुद्ध ने अपने उपदेश प्रमुखतः कहाँ दिये थे ?
– कोशल, वैशाली एवं कौशाम्बी में

922. बुद्ध ने अपने सर्वाधिक उपदेश कहाँ दिये थे ?
– कोशल देश की राजधानी श्रावस्ती में

923. बुद्ध ने अपने उपदेश किस भाषा में दिये ?
– पालि

924. बिम्बिसार किस धर्म का अनुयायी था ?
– बौद्ध धर्म का

925. प्रसेनजित किस धर्म का अनुयायी था ?
– बौद्ध धर्म का

926. उदयिन किस धर्म का अनुयायी था ?
– बौद्ध धर्म का

927. बुद्ध की मृत्यु 80 वर्ष की अवस्था में 483 ई.पू. में कुशीनारा (देवरिया, उत्तर प्रदेश) में चुन्द द्वारा अर्पित भोजन करने के बाद हो गयी, जिसे बौद्ध धर्म में कहा गया–
– महापरिनिर्वाण

928. बुद्ध की मृत्यु के बाद उनका अन्त्येष्टि संस्कार किनके द्वारा किया गया था ?
– मल्ल राजा सृस्तिपाल द्वारा

929. एक अनुश्रुति के अनुसार मृत्यु के बाद बुद्ध के शरीर के अवशेषों को आठ भागों में बाँटकर उन पर कितने स्पूतों का निर्माण किया गया ?
– आठ

930. बुद्ध के जन्म और मृत्यु की तिथि को चीनी परम्परा के किस अभिलेख के आधार पर निश्चित की गई ?
– कैन्टोन अभिलेख

931. त्रिपिटक किस धर्म से सम्बन्धित है ?
– बौद्ध धर्म से

932. त्रिपिटकों की संख्या कितनी है ?
– 1.विनयपिटक 2.सूत्तपिटक 3.अभिधम्मपिटक

933. विनयपिटक, सूत्तपिटक और अभिधम्मपिटक, इन त्रिपिटकों की भाषा है–
– पालि

934. किस मत की पालि त्रिपिटक सबसे पुरानी है ?
– थेरवाद

935. किस पिटक में बुद्ध के धार्मिक सिद्धांतों को संवाद के रूप में संकलित किया गया है ?
– सूत्तपिटक

936. किस पिटक में संघ के भिक्षु एवं भिक्षुणी के लिए बनाये गए नियमों का संग्रह किया गया है और इसमें संघ के अनुशासन के तोड़ने पर किए जाने वाले प्रायश्चितों की सूची भी दी गई है ?
– विनयपिटक

937. किस पिटक में सूत्तपिटक में वर्णित सिद्धांतों के सुव्यवस्थित अनुशीलन के लिए आवश्यक सूचियों के सारांश तथा प्रश्नोत्तरी का समावेश किया गया है ?
– अभिधम्मपिटक में

938. पालि त्रिपिटकों को पहली शताब्दी ईसा पूर्व किस शासक की देखरेख में पहली बार लिपिबद्ध किया गया ?
– श्रीलंका के शासक वत्तगामिनी

939. सूत्तपिटक के पाँच निकाय हैं–
– 1.दीघ निकाय 2.मज्झिम निकाय 3.संयुक्त निकाय 4.अंगुत्तर निकाय 5.खुद्दक निकाय

940. जातक कथाएँ किससे संबंधित है ?
– गौतम बुद्ध से

941. जातक कथाएँ सूत्तपिटक के किस निकाय की पन्द्रह पुस्तकों में से एक है ?
– खुद्दक निकाय

942. धम्मपद (नैतिक उपदेशों का पधात्मक संकलन), थेरगाथा (बौद्ध भिक्षुओं के गीत) और थेरीगाथा (बौद्ध भिक्षुणियों के गीत) किस ग्रंथ में है ?
– सूत्तपिटक के खुद्दक निकाय में

943. क्या यह सत्य है कि बौद्ध धर्म मूलतः अनीश्वरवादी है और इसमें आत्मा की परिकल्पना भी नहीं है ?
– हाँ

944. क्या बौद्ध धर्म में पुनर्जन्म की मान्यता है ?
– हाँ

945. तृष्णा के क्षीण हो जाने की अवस्था को बुद्ध ने क्या कहा है ?
– निर्वाण

946. "विश्व दुःखों से भरा है" यह सिद्धांत बुद्ध ने किस प्राचीन ग्रंथ से लिया है ?
– उपनिषद्

947. बुद्ध के अनुयायी किन दो भागों में विभक्त थे ?
– 1.भिक्षुक 2.उपासक

948. बौद्ध धर्म में भिक्षुक किसे कहा जाता है ?
– बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए संन्यास ग्रहण करने वालों को

949. बौद्ध धर्म में उपासक किसे कहा जाता है ?
– गृहस्थ जीवन व्यतीत करते हुए बौद्ध धर्म अपनाने वालों को

950. बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए संन्यास ग्रहण करने वाले को कहा जाता है–
– भिक्षुक

RAS STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

951. गृहस्थ जीवन व्यतीत करते हुए बौद्ध धर्म अपनाने वाले को कहा जाता है–
– उपासक
952. बौद्ध संघ में सम्मिलित होने के लिए न्यूनतम आयु सीमा होती थी–
– 15 वर्ष
953. बौद्ध संघ में प्रविष्ट होने को कहा जाता था–
– उपसम्पदा
954. बौद्ध धर्म के त्रिरत्न हैं–
– बुद्ध, धम्म और संघ
955. प्रथम बौद्ध संगीति कब हुई थी ?
– 483 ई.पू.
956. प्रथम बौद्ध संगीति (483 ई.पू.) कहाँ हुई थी ?
– राजगृह
957. प्रथम बौद्ध संगीति (483 ई.पू.) के अध्यक्ष थे–
– महाकश्यप
958. प्रथम बौद्ध संगीति (483 ई.पू.) किस शासक के शासनकाल में हुई थी ?
– अजातशत्रु (हर्यक वंश के शासक)
959. द्वितीय बौद्ध संगीति कब हुई थी ?
– 383 ई.पू.
960. द्वितीय बौद्ध संगीति (383 ई.पू.) कहाँ हुई थी ?
– वैशाली में
961. द्वितीय बौद्ध संगीति (383 ई.पू.) के अध्यक्ष थे–
– सबाकामी
962. द्वितीय बौद्ध संगीति (383 ई.पू.) किस शासक के शासनकाल में हुई थी ?
– कालाशोक (शिशुनाग वंश के शासक)
963. तृतीय बौद्ध संगीति कब हुई थी ?
– 251 ई.पू.
964. तृतीय बौद्ध संगीति (251 ई.पू.) कहाँ हुई थी ?
– पाटलिपुत्र
965. तृतीय बौद्ध संगीति (251 ई.पू.) के अध्यक्ष थे–
– मोग्गलिपुत्त तिस्स
966. तृतीय बौद्ध संगीति (251 ई.पू.) किस शासक के शासनकाल में हुई थी ?
– अशोक (मौर्य वंश के शासक)
967. चतुर्थ बौद्ध संगीति कब हुई थी ?
– ईसा की प्रथम शताब्दी में
968. चतुर्थ बौद्ध संगीति कहाँ हुई थी ?
– कश्मीर के कुण्डलवन में
969. चतुर्थ बौद्ध संगीति के अध्यक्ष थे–
– वसुमित्र
970. चतुर्थ बौद्ध संगीति के उपाध्यक्ष थे–
– अश्वघोष
971. चतुर्थ बौद्ध संगीति किस शासक के शासनकाल में हुई थी ?
– कनिष्क (कुषाण वंश)
972. चतुर्थ बौद्ध संगीति के बाद बौद्ध धर्म किन दो सम्प्रदायों में विभाजित हो गया ?
– हीनयान और महायान
973. किस बौद्ध संगीति के बाद बौद्ध धर्म हीनयान और महायान में विभाजित हो गया ?
– चतुर्थ बौद्ध संगीति
974. बौद्ध धर्म के किस सम्प्रदाय का आदर्श बोधिसत्व है ?
– महायान
975. बौद्ध धर्म के महायान सम्प्रदाय का आदर्श है–
– बोधिसत्व
976. बौद्ध धर्म में बोधिसत्व का उद्देश्य होता है–
– बोधिसत्व दूसरे के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए अपने निर्वाण में विलम्ब करते हैं
977. बौद्ध धर्म के हीनयान सम्प्रदाय का आदर्श है–
– अर्हत् पद को प्राप्त करना
978. बौद्ध धर्म के किस सम्प्रदाय का आदर्श अर्हत् पद को प्राप्त करना है ?
– हीनयान सम्प्रदाय
979. बौद्ध धर्म के हीनयान सम्प्रदाय के अनुसार अर्हत् किसे कहा जाता है ?
– जो व्यक्ति अपने साधनो से निर्वाण की प्राप्ति करते हैं, उन्हें ही अर्हत् कहा जाता है
980. धार्मिक जुलूस का प्रारम्भ सबसे पहले किस धर्म के द्वारा किया गया ?
– बौद्ध धर्म
981. बौद्धों का सबसे पवित्र त्यौहार वैशाख पूर्णिमा (बुद्ध पूर्णिमा) का महत्व किस कारण से है ?
– इस दिन बुद्ध का जन्म, ज्ञान की प्राप्ति एवं महापरिनिर्वाण (मृत्यु) की प्राप्ति हुई
982. बौद्धों का सबसे पवित्र त्यौहार है–
– वैशाख पूर्णिमा
983. बौद्धों का सबसे पवित्र त्यौहार वैशाख पूर्णिमा है, जिसे कहते हैं–
– बुद्ध पूर्णिमा
984. बुद्ध ने सांसारिक दुःखों के सम्बन्ध में किन चार आर्य सत्यों का उपदेश दिया ?
– 1.दुःख 2.दुःख समुदाय 3.दुःख निरोध 4.दुःख निरोधगामिनी प्रतिपदा
985. सांसारिक दुःखों से मुक्ति हेतु बुद्ध द्वारा बताये अष्टांगिक कौन–कौनसे हैं ?
– 1.सम्यक् दृष्टि 2.सम्यक् संकल्प 3.सम्यक् वाणी 4.सम्यक् कर्मान्त 5.सम्यक् आजीव 6.सम्यक् व्यायाम 7.सम्यक् स्मृति 8.सम्यक् समाधि
986. सांसारिक दुःखों से मुक्ति हेतु बुद्ध ने किस मार्ग की बात कही ?
– अष्टांगिक मार्ग
987. बुद्ध के अनुसार अष्टांगिक मार्गों का पालन करने के उपरांत मनुष्य की भव तृष्णा नष्ट हो जाती है और उसे प्राप्त होता है–
– निर्वाण
988. बुद्ध ने निर्वाण प्राप्ति को सरल बनाने के लिए किन दस शीलों पर बल दिया ?
– 1.अहिंसा 2.सत्य 3.अस्तेय (चोरी न करना) 4.अपरिग्रह (किसी प्रकार की सम्पत्ति न रखना) 5.मद्य सेवन न करना 6.असमय भोजन न करना 7. सुखप्रद बिस्तर पर नहीं सोना 8.धन–संचय न करना 9.स्त्रियों से दूर रहना 10.नृत्य–गान आदि से दूर रहना। गृहस्थों के लिए प्रथम पाँच शील तथा भिक्षुओं के लिए दसों शील मानना अनिवार्य था।

989. बुद्ध ने निर्वाण प्राप्ति हेतु गृहस्थों के लिए कितने शीलों को मानने पर बल दिया ?
– 1.अहिंसा 2.सत्य 3.अस्तेय (चोरी न करना) 4.अपरिग्रह (किसी प्रकार की सम्पत्ति न रखना) 5.मद्य सेवन न करना

990. बौद्ध धर्म के अनुसार परम लक्ष्य क्या है ?
– निर्वाण

991. बौद्ध धर्म में निर्वाण का क्या अर्थ है ?
– जीवन–मरण के चक्र से मुक्त हो जाना

992. मध्यम मार्ग (मध्यमा–प्रतिपद) का उपदेश किसने दिया था ?
– बुद्ध ने

993. अनीश्वरवाद के संबंध में बौद्ध धर्म और जैन धर्म के दृष्टिकोण में क्या अन्तर है ?
– दोनों में समानता है

994. बोधिसत्व अवतार मनुष्य रूप में भी हो सकता है तथा पशुओं के रूप में भी, इसका वर्णन किस ग्रंथ में मिलता है ?
– जातक कथाओं में

995. बोधिसत्व के रूप में पुनर्जन्मों की दीर्घ–शृंखला के अन्तर्गत बुद्ध ने अपना अंतिम जन्म किस रूप में प्राप्त किया ?
– शाक्य मुनि

996. बोधिसत्व के रूप में पुनर्जन्मों की दीर्घ–शृंखला के अंतर्गत बुद्ध ने अपना अंतिम जन्म शाक्य मुनि के रूप में प्राप्त किया, किन्तु इसके उपरांत बुद्ध किन रूपों में अवतरित होना शेष है–
– मैत्रेय तथा अन्य

997. सर्वाधिक बुद्ध मूर्तियों का निर्माण किस शैली के अन्तर्गत किया गया है ?
– गान्धार शैली

998. बुद्ध की प्रथम मूर्ति संभवतः किस शैली के अंतर्गत बनी थी ?
– मथुरा शैली

999. तिब्बत, भूटान एवं पड़ौसी देशों में बौद्ध धर्म का प्रचार किसने किया था ?
– पद्मसंभव (गुरु रिनपाँच) ने

1000. पद्मसंभव (गुरु रिनपाँच) का सम्बन्ध बौद्ध धर्म की किस शाखा से था ?
– वज्रयान

1001. बुद्ध की 123 फीट ऊँची मूर्ति हिमाचल प्रदेश के किस स्थान पर स्थित है ?
– रेवाल सर झील

1002. किस बौद्ध संगीति में बुद्ध के उपदेशों को दो पिटकों विनय पिटक एवं सूत्तपिटक में संकलित किया गया था ?
– प्रथम बौद्ध संगीति (483 ई.पू.)

1003. बौद्ध ग्रंथों में 'निगष्ठ नाटपुत्र' किसको कहा गया है ?
– महावीर स्वामी को

1004. महात्मा बुद्ध की शिक्षाएँ प्रमुख रूप से किस बात पर केन्द्रित थी ?
– आचरण एवं विचार की शुद्धता

1005. प्राचीन बौद्ध साहित्य में उल्लेखित जीवक था–
– वैद्य

1006. कर्मफल के विषय में बौद्ध धर्म में क्या कहा गया है ?
– कर्मों का फल भोगना पड़ता है

1007. बौद्ध धर्म की किस शाखा में मंत्र, हठयोग एवं तांत्रिक आधारों को प्रधानता दी गई है ?
– वज्रयान

1008. जातक कथाएँ किस प्राचीन भाषा में रचित है ?
– पालि भाषा में

1009. योगाचार दर्शन का सम्बन्ध किस धर्म से है ?
– बौद्ध धर्म से

1010. प्रसिद्ध पालि पुस्तक 'मिलिन्दपन्हो' में मिलिन्द की किस बौद्ध भिक्षु से बातचीत की चर्चा है ?
– नागसेन से

1011. महात्मा बुद्ध के जीवन की कौनसी घटना 'महाभिनिष्क्रमण' के रूप में जानी जाती है ?
– उनके गृह त्याग की घटना

1012. बौद्ध धर्म का हीनयान तथा महायान सम्प्रदायों में विभाजन किस बौद्ध संगीति में हुआ था ?
– चतुर्थ बौद्ध संगीति में

1013. प्रथम बौद्ध संगीति कहाँ और किसकी अध्यक्षता में सम्पन्न हुई ?
– राजगृह के निकट सप्तपर्णि गुफा में महाकश्यप की अध्यक्षता में

1014. बुद्ध के समय सोलह बड़े–बड़े राज्यों को कहा जाता था ?
– महाजनपद

1015. महात्मा बुद्ध के समय कोशल देश में कौन राज्य करता था ?
– प्रसेनजित

1016. बौद्ध गाथाओं में हाथी किसका प्रतीक है ?
– बुद्ध के जन्म का

1017. सारनाथ में बुद्ध द्वारा दिए गये प्रथम उपदेश को कहते हैं–
– धम्मचक्र प्रवर्तन

1018. ''संस्था अस्थिर और क्षणिक है'' क्षणभंगुरवाद के नाम से ज्ञात होने वाले इस विचार को सर्वप्रथम किसने प्रस्तुत किया ?
– महात्मा बुद्ध ने

1019. बौद्ध धर्म की किस संगीति में बौद्ध धर्म दो भागों हीनयान और महायान में विभजित हो गया ?
– चौथी बौद्ध संगीति में

1020. बौद्ध धर्म ग्रहण करने वाली पहली महिला थी–
– गौतमी

1021. बुद्ध के जीवन की किस घटना को महाभिनिष्क्रमण कहा जाता है ?
– उनके द्वारा गृहत्याग की घटना को

1022. प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन बुद्ध की मृत्यु के तत्काल बाद किया गया था। इस संगीति की अध्यक्षता किसने की थी ?
– महाकश्यप ने

1023. बुद्ध को निर्वाण कहाँ प्राप्त हुआ ?
– कुशीनगर (उत्तर प्रदेश)

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1024. महात्मा बुद्ध की मृत्यु के बाद उनके शरीर के अवशेषों पर कितने स्तूपों का निर्माण किया गया ?
– आठ
1025. किस बौद्ध भिक्षु के प्रभाव से अशोक का धर्म परिवर्तन हुआ ?
– उपगुप्त
1026. चौथी बौद्ध संगीति का आयोजन किसके संरक्षण में सम्पन्न हुआ था ?
– कनिष्क
1027. विक्रमशिला बौद्ध मठ की स्थापना किसने की थी ?
– धर्मपाल ने
1028. किस स्थान को बौद्ध धर्म की जन्म स्थली माना जाता है ?
– सारनाथ (उत्तर प्रदेश)
1029. किस बौद्ध ग्रंथ से पता चलता है कि छठी शताब्दी ई.पू. में सौलह महाजनपद विद्यमान थे ?
– अंगुत्तर निकाय में
1030. अष्टांगिक मार्ग का पालन करने की शिक्षा दी ?
– गौतम बुद्ध ने
1031. सुत्तनिपात बौद्ध धर्म के किस सम्प्रदाय का ग्रंथ है ?
– थेरवाद
1032. बौद्ध धर्म का हीनयान और महायान सम्प्रदायों में विभाजन किस काल में हुआ था ?
– कुषाण काल
1033. प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन किस शासक के काल में हुआ था ?
– अजातशत्रु
1034. बौद्ध धर्म से संबंधित टाबो मठ कहाँ स्थित है ?
– हिमाचल प्रदेश के तबो गाँव (स्पीति घाटी)
1035. बौद्ध धर्म से संबंधित नामग्याल मठ कहाँ स्थित है ?
– धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश)
1036. बौद्ध धर्म से संबंधित हैमिस मठ कहाँ स्थित है ?
– लद्दाख (जम्मू कश्मीर)
1037. बौद्ध धर्म से संबंधित थिकसे मठ कहाँ स्थित है ?
– लद्दाख (जम्मू कश्मीर)
1038. बौद्ध धर्म से संबंधित शासुर मठ कहाँ स्थित है ?
– लाहुल स्पीति (हिमाचल प्रदेश)
1039. बौद्ध धर्म से संबंधित मिंड्रालिंग मठ कहाँ स्थित है ?
– देहरादून (उत्तराखंड)
1040. बौद्ध धर्म से संबंधित रूमटेक मठ कहाँ स्थित है ?
– गंगटोक (सिक्किम)
1041. बौद्ध धर्म से संबंधित तवांग मठ कहाँ स्थित है ?
– अरुणाचल प्रदेश
1042. बौद्ध धर्म से संबंधित नामड्रालिंग कहाँ स्थित है ?
– मैसूर (कर्नाटक)
1043. बौद्ध धर्म से संबंधित बोधिमंडा मठ कहाँ स्थित है ?
– बोधगया (बिहार)

7.शैव धर्म

1044. शैव किसे कहा जाता है ?
– भगवान शिव की पूजा करने वाले को
1045. शिव से संबंधित धर्म को कहा जाता है–
– शैव धर्म
1046. शिव उपासना का प्रारंभिक पुरातात्विक साक्ष्य किस संस्कृति के अवशेषों से मिलता है ?
– हड़प्पा संस्कृति
1047. किस प्राचीन ग्रंथ में शिव के लिए 'रुद्र' नामक देवता का उल्लेख मिलता है ?
– ऋग्वेद में
1048. किस ग्रंथ में शिव को भव, शर्व, पशुपति एवं भूपति कहा गया है ?
– अथर्ववेद में
1049. लिंग पूजा का पहला स्पष्ट वर्णन किस ग्रंथ में मिलता है ?
– मत्स्यपुराण में
1050. मत्स्यपुराण के अतिरिक्त किस ग्रंथ में लिंग पूजा का वर्णन मिलता है ?
– महाभारत के अनुशासन पर्व में
1051. रुद्र की पत्नी के रूप में पार्वती का नाम किस ग्रंथ में मिलता है ?
– तैत्तिरीय आरण्यक में
1052. भगवान शिव की पत्नी के सौम्य रूप हैं–
– पद्मा, पार्वती, उमा, गौरी एवं भैरवी
1053. वामन पुराण के अनुसार शैव सम्प्रदायों की संख्या हैं–
– 1.पाशुपत 2.कापालिक 3.कालामुख 4.लिंगायत
1054. किस पुराण में शैव सम्प्रदाय की चार शाखाएँ (पाशुपत, कापालिक, कालामुख एवं लिंगायत) बतायी गई है ?
– वामन पुराण में
1055. आजीवक सम्प्रदाय के संस्थापक थे–
– मक्खलिपुत्र गोशाल
1056. घोर अक्रियावादी सम्प्रदाय के संस्थापक थे–
– पुरण कश्यप
1057. यदृच्छावाद सम्प्रदाय के संस्थापक थे–
– आचार्य अजित
1058. भौतिकवादी (भौतिक दर्शन) सम्प्रदाय के संस्थापक थे–
– पकुध कच्चायन
1059. अनिश्चयवादी सम्प्रदाय के संस्थापक थे–
– संजय वेट्ठलिपुत्र
1060. सर्वाधिक प्राचीन शैव सम्प्रदाय है–
– पाशुपत सम्प्रदाय
1061. पाशुपत सम्प्रदाय के संस्थापक थे–
– लकुलीश
1062. किस सम्प्रदाय के संस्थापक को भगवान शिव के अठारह अवतारों में से एक माना जाता है ?
– पाशुपत सम्प्रदाय के संस्थापक लकुलीश को
1063. किस सम्प्रदाय के अनुयायियों को पंचार्थिक कहा गया है ?
– पाशुपत सम्प्रदाय

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1064. 'पंचार्थिक' किसे कहा जाता है ?
– पाशुपत सम्प्रदाय के अनुयायियों को
1065. पाशुपत सम्प्रदाय का प्रमुख सैद्धांतिक ग्रंथ है–
– पाशुपत सूत्र
1066. श्रीकर पंडित किस सम्प्रदाय के एक विख्यात आचार्य थे–
– पाशुपत सम्प्रदाय
1067. कापालिक सम्प्रदाय के ईष्टदेव थे–
– भैरव
1068. कापालिक सम्प्रदाय का प्रमुख केन्द्र किस स्थान पर था ?
– श्री शैल
1069. 'श्री शैल' किस सम्प्रदाय का प्रमुख केन्द्र था ?
– कापालिक सम्प्रदाय
1070. किस सम्प्रदाय के अनुयायियों को शिव पुराण में महाव्रतधर कहा गया है ?
– कालामुख सम्प्रदाय
1071. किस सम्प्रदाय के लोग नर कपाल में ही भोजन, जल तथा सुरापान करते हैं और साथ ही अपने शरीर पर चिता भस्म मलते हैं ?
– कालामुख सम्प्रदाय
1072. कालामुख सम्प्रदाय के अनुयायियों को शिव पुराण में कहा गया है–
– महाव्रतधर
1073. लिंगायत सम्प्रदाय भारत के किस भाग में प्रचलित है ?
– दक्षिण भारत में
1074. किस सम्प्रदाय को जंगम भी कहा जाता है ?
– लिंगायत सम्प्रदाय
1075. लिंगायत सम्प्रदाय के लोग किसकी पूजा करते हैं ?
– शिव लिंग की
1076. किस पुराण में लिंगायत सम्प्रदाय के प्रवर्तक अल्लभ प्रभु तथा उनके शिष्य बासव का वर्णन है ?
– बसव पुराण
1077. लिंगायत सम्प्रदाय के बासव एवं उनका भतीजा चन्ना बासव किसके दरबार में रहते थे ?
– कर्नाटक के कल्चुरी राजाओं के
1078. 'शून्य सम्पादने' किस सम्प्रदाय का मुख्य ग्रंथ है ?
– लिंगायत सम्प्रदाय
1079. किस सम्प्रदाय को वीरशिव सम्प्रदाय भी कहा जाता है ?
– लिंगायत सम्प्रदाय
1080. दसवीं शताब्दी में नाथ सम्प्रदाय की स्थापना किसने की थी ?
– मत्स्येन्द्रनाथ
1081. दसवीं शताब्दी में मत्स्येन्द्रनाथ ने किस सम्प्रदाय की स्थापना की थी ?
– नाथ सम्प्रदाय
1082. लिंगायत सम्प्रदाय के गोरखनाथ ने वर्णव्यवस्था एवं ब्राह्मणों के विशेषाधिकारों की आलोचना की। उनके द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत को कहा जाता है–
– तंत्र
1083. जैनों के साथ कठिन संघर्ष के उपरांत किस सम्प्रदाय की स्थापना हुई ?
– लिंगायत सम्प्रदाय की
1084. दक्षिण भारत में शैव धर्म किन राजवंशों के समय लोकप्रिय रहा ?
– चालुक्य, राष्ट्रकूट, पल्लव एवं चोल
1085. पल्लव काल में शैव धर्म का प्रचार–प्रसार किन संतों द्वारा किया गया ?
– नायनारों संतों द्वारा
1086. नायनारों संतों की संख्या कितनी थी ?
– 63
1087. अप्पार, तिरुज्ञान, सम्बन्दर एवं सुन्दर मूर्ति आदि के नाम किस प्रकार के संतों में उल्लेखनीय है ?
– नायनारों संतों में
1088. नेपाल की राजधानी काठमांडू से तीन किलोमीटर उत्तर–पश्चिम में देवपाटन गाँव में स्थित शिव मंदिर पशुपतिनाथ मंदिर किस नदी के किनारे स्थित है ?
– बागमती नदी
1089. नेपाल की राजधानी काठमांडू के निकट स्थित पशुपतिनाथ के मुख्य मंदिर का निर्माण वास्तुकला की किस शैली में हुआ था ?
– नेपाल की पैगोडा शैली
1090. नेपाल की राजधानी काठमांडू के निकट स्थित पशुपतिनाथ मंदिर परिसर को किस वर्ष यूनेस्को द्वारा विश्व–सांस्कृतिक विरासत स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया गया ?
– सन् 1979 में
1091. ऐलोरा के प्रसिद्ध कैलाश मंदिर का निर्माण किस राजवंश ने करवाया था ?
– राष्ट्रकूट शासकों ने
1092. किस चोल शासक ने तंजौर ने प्रसिद्ध राजराजेश्वर शिव मंदिर का निर्माण करवाया था ?
– राजराज प्रथम ने
1093. चोल शासक राजराज प्रथम द्वारा तंजौर में बनवाये गये राजराजेश्वर शिव मंदिर को अन्य किस नाम से भी जाना जाता है ?
– बृहदीश्वर मंदिर
1094. शिव एवं नन्दी का एक साथ अंकन किस राजवंश के शासकों की मुद्राओं पर प्राप्त हुआ है ?
– कुषाण शासकों की मुद्राओं पर
1095. तंजौर में शिव के प्रसिद्ध राजराजेश्वर मंदिर का निर्माण किस राजा ने करवाया ?
– चोल शासक राजराज प्रथम ने
1096. चोल शासकों ने किस धर्म को अपनाया ?
– शैव धर्म
1097. लिंगायत सम्प्रदाय के लोग किस देवता के उपासक होते हैं ?
– शिव के
1098. गुप्तोत्तर कालीन भूमि व्यवस्था के विरोध स्वरूप किस धार्मिक सम्प्रदाय का उदय हुआ ?
– लिंगायत सम्प्रदाय का
1099. राजराजा द्वारा तंजौर में बनाया गया शिव मंदिर किस देवता को समर्पित है ?
– शिव को

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

8.वैष्णव धर्म

1100. वैष्णव धर्म के बारे में प्रारंभिक जानकारी किन ग्रंथों में मिलती है ?
– उपनिषदों में

1101. वैष्णव धर्म का विकास किस धर्म से हुआ माना जाता है ?
– भागवत धर्म

1102. भगवान नारायण के पूजक मूलतः कहे जाते थे–
– पंचरात्र

1103. वैष्णव धर्म के प्रर्वतक कौन थे ?
– कृष्ण

1104. वैष्णव धर्म के प्रवर्तक कृष्ण का उल्लेख सर्वप्रथम किस ग्रंथ में देवकी–पुत्र और अंगिरस के शिष्य के रूप में हुआ है ?
– छांदोग्य उपनिषद् में

1105. वासुदेव कृष्ण का सबसे प्रारंभिक अभिलेखीय उल्लेख किस अभिलेख में पाया जाता है ?
– बेसनगर स्तम्भ अभिलेख में

1106. विष्णु के दस अवतारों का उल्लेख किस पुराण में मिलता है ?
– मत्स्य पुराण में

1107. मत्स्य पुराण में वर्णित विष्णु के दस अवतारों के नाम क्रमशः है–
– मत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह, वामन, परशुराम, राम, बलराम, बुद्ध एवं कल्कि

1108. गुप्तकाल में विष्णु का कौनसा अवतार सर्वाधिक प्रसिद्ध था ?
– वराह अवतार

1109. वैष्णव धर्म में ईश्वर को प्राप्त करने हेतु सर्वाधिक महत्व किसे दिया गया है ?
– भक्ति को

1110. अंकोरवाट का मंदिर भगवान विष्णु का मंदिर है, जिसे कंबोडिया (कंबोज) के किस राजा ने बनवाया था ?
– सूर्यवर्मा द्वितीय ने

1111. 'विशिष्टाद्वैत' मत किस सम्प्रदाय से सम्बन्धित है ?
– वैष्णव सम्प्रदाय से

1112. 'विशिष्टाद्वैत' मत के प्रवर्तक हैं–
– रामानुज

1113. आचार्य रामानुज किस मत के प्रवर्तक हैं ?
– विशिष्टाद्वैत

1114. 'द्वैत' मत किस सम्प्रदाय से सम्बन्धित है ?
– ब्रह्म सम्प्रदाय से

1115. 'द्वैत' के प्रवर्तक हैं–
– आनन्दतीर्थ

1116. आचार्य आनन्दतीर्थ किस मत के प्रवर्तक हैं ?
– द्वैत मत के

1117. 'शुद्धाद्वैत' मत किस सम्प्रदाय से सम्बन्धित है ?
– रुद्र सम्प्रदाय से

1118. 'शुद्धाद्वैत' मत के प्रवर्तक हैं–
– बल्लभाचार्य

1119. बल्लभाचार्य किस मत के प्रवर्तक हैं ?
– शुद्धाद्वैत मत के

1120. 'द्वैताद्वैत' मत किस सम्प्रदाय से सम्बन्धित है ?
– सनक सम्प्रदाय से

1121. 'द्वैताद्वैत' मत के प्रवर्तक हैं–
– निम्बार्क

1122. आचार्य निम्बार्क किस मत के प्रवर्तक हैं ?
– द्वैताद्वैत मत

1123. बरकरी सम्प्रदाय के संस्थापक थे–
– नामदेव

1124. श्री वैष्णव सम्प्रदाय के संस्थापक थे–
– रामानुज

1125. परमार्थ सम्प्रदाय के संस्थापक थे–
– रामदास

1126. रामभक्त सम्प्रदाय के संस्थापक थे–
– रामानन्द

1127. 'ब्रह्मसूत्र' पुस्तक के रचयिता है–
– रामानुज

1128. 'दासबोध' पुस्तक के रचयिता है–
– रामदास

1129. 'अध्यात्म रामायण' पुस्तक के रचयिता है–
– रामानन्द

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

9.महाजनपद काल

1130. बुद्ध के जन्म के पूर्व छठी शताब्दी ईसा पूर्व में भारतवर्ष कितने जनपदों में बँटा हुआ था ?
– सौलह
1131. बुद्ध के जन्म के पूर्व छठी शताब्दी ईसा पूर्व में भारतवर्ष सौलह जनपदों में बँटा हुआ था, इसकी जानकारी हमें किस बौद्ध ग्रंथ से मिलती है ?
– अंगुत्तर निकाय
1132. महाजनपद 'अंग' का आधुनिक क्षेत्र है–
– भागलपुर, मुंगेर (बिहार)
1133. महाजनपद 'अंग' की राजधानी थी–
– चंपा
1134. महाजनपद 'मगध' का आधुनिक क्षेत्र है–
– पटना, गया (बिहार)
1135. महाजनपद 'मगध' की राजधानी थी–
– गिरिव्रज/राजगृह
1136. महाजनपद 'काशी' का आधुनिक क्षेत्र है–
– वाराणसी के आस–पास का क्षेत्र (उत्तर प्रदेश)
1137. महाजनपद 'काशी' की राजधानी थी–
– वाराणसी
1138. महाजनपद 'वत्स' का आधुनिक क्षेत्र है–
– इलाहाबाद के आस–पास का क्षेत्र (उत्तर प्रदेश)
1139. महाजनपद 'वत्स' की राजधानी थी–
– कौशाम्बी
1140. महाजनपद 'वज्जि' का आधुनिक क्षेत्र है–
– वैशाली, मुजफ्फरपुर एवं दरभंगा के आस–पास का क्षेत्र
1141. महाजनपद 'वज्जि' की राजधानी थी–
– वैशाली/विदेह/मिथिला
1142. महाजनपद 'कोशल' का आधुनिक क्षेत्र है–
– फैजाबाद, गौंडा, बेहराइच (बिहार)
1143. महाजनपद 'कोशल' की राजधानी थी–
– श्रावस्ती
1144. महाजनपद 'अवन्ति' का आधुनिक क्षेत्र है–
– मालवा (मध्य प्रदेश)
1145. महाजनपद 'अवन्ति' की राजधानी थी–
– उज्जैन/महिष्मती
1146. महाजनपद 'मल्ल' का आधुनिक क्षेत्र है–
– देवरिया, बस्ती, गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)
1147. महाजनपद 'मल्ल' की राजधानी थी–
– कुशावती
1148. महाजनपद 'पंचाल' का आधुनिक क्षेत्र है–
– बरेली, बदायूँ, फर्रूखाबाद (उत्तर प्रदेश)
1149. महाजनपद 'पंचाल' की राजधानी थी–
– अहिच्छत्र, काम्पिल्य
1150. महाजनपद 'चेदि' का आधुनिक क्षेत्र है–
– बुंदेलखंड (उत्तर प्रदेश)
1151. महाजनपद 'चेदि' की राजधानी थी–
– शक्तिमती
1152. महाजनपद 'कुरु' का आधुनिक क्षेत्र है–
– दिल्ली, मेरठ एवं हरियाणा के कुछ क्षेत्र
1153. महाजनपद 'कुरु' की राजधानी थी–
– इन्द्रप्रस्थ
1154. महाजनपद 'मत्स्य' का आधुनिक क्षेत्र है–
– जयपुर, अलवर, भरतपुर के आस–पास के क्षेत्र
1155. महाजनपद 'मत्स्य' की राजधानी थी–
– विराटनगर
1156. महाजनपद 'कम्बोज' का आधुनिक क्षेत्र है–
– राजोरी एवं हजारा क्षेत्र
1157. महाजनपद 'कम्बोज' की राजधानी थी–
– हाटक
1158. महाजनपद 'शूरसेन' का आधुनिक क्षेत्र है–
– मथुरा (उत्तर प्रदेश)
1159. महाजनपद 'शूरसेन' की राजधानी थी–
– मथुरा
1160. महाजनपद 'अश्मक' का आधुनिक क्षेत्र है–
– गोदावरी नदी क्षेत्र
1161. महाजनपद 'अश्मक' की राजधानी थी–
– पोटली/पोतन
1162. दक्षिण भारत का एक मात्र जनपद था–
– अश्मक
1163. महाजनपद 'गान्धार' का आधुनिक क्षेत्र है–
– रावलपिंडी एवं पेशावर (पाकिस्तान)
1164. महाजनपद 'गान्धार' की राजधानी थी–
– तक्षशिला
1165. छठी शताब्दी ईसा पूर्व में 'वत्स' महाजनपद की राजधानी थी–
– कौशाम्बी
1166. महात्मा बुद्ध के समय कोशल देश का शासक था–
– प्रसेनजित
1167. वैशाली किस प्राचीन राज्य की राजधानी थी ?
– वज्जि/लिच्छवी

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

10.मगध राज्य का उत्कर्ष

1168. मगध के सबसे प्राचीन वंश के संस्थापक थे–
– वृहद्रथ

1169. मगध की प्रारंभिक राजधानी थी–
– गिरिव्रज/राजगृह

1170. जरासंघ के पिता का नाम था–
– वृहद्रथ

1171. हर्यक वंश के संस्थापक थे–
– बिम्बिसार

1172. बौद्ध ग्रंथों के अनुसार हर्यक वंश के संस्थापक बिम्बिसार मगध की गद्दी पर कब बैठा ?
– 544 ई.पू. में

1173. हर्यक वंश के शासक बिम्बिसार किस धर्म का अनुयायी था ?
– बौद्ध धर्म

1174. बिम्बिसार ने किस शासक को हराकर अंग राज्य को मगध में मिला लिया था ?
– ब्रह्मदत्त

1175. बिम्बिसार ने किस नगर का निर्माण कर उसे अपने राज्य की राजधानी बनाया ?
– राजगृह

1176. बिम्बिसार ने मगध पर कितने वर्षों तक शासन किया था ?
– 52 वर्षों तक

1177. किस शासक ने महात्मा बुद्ध की सेवा में राजवैद्य जीवक को भेजा था ?
– बिम्बिसार

1178. अवन्ति के किस राजा के पाण्डु रोग से ग्रसित होने पर उनकी सेवा के लिए मगध के शासक बिम्बिसार ने राजवैद्य जीवक को भेजा था ?
– प्रद्योत

1179. बिम्बिसार ने साम्राज्य का विस्तार करने के लिए किस नीति पर अधिक बल दिया ?
– पड़ौसी राज्यों से वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित किए

1180. बिम्बिसार ने कोशल नरेश प्रसेनजित की बहन से विवाह किया, जिसका नाम था––
– महाकोशला

1181. बिम्बिसार ने वैशाली के चेटक की पुत्री से विवाह किया, जिसका नाम था–
– चेल्लना

1182. बिम्बिसार ने मद्र देश (आधुनिक पंजाब) की राजकुमारी से विवाह किया, जिसका नाम था–
– क्षेमा

1183. किस शासक ने अपने पिता बिम्बिसार की हत्या करके 493 ई.पू. में मगध की गद्दी पर बैठा ?
– अजातशत्रु

1184. अजातशत्रु ने कितने वर्षों तक मगध पर शासन किया ?
– 32 वर्षो तक

1185. किस शासक का उपनाम कुणिक था ?
– अजातशत्रु का

1186. अजातशत्रु प्रारंभ में किस धर्म का अनुयायी था ?
– जैन धर्म

1187. अजातशत्रु ने अपने किस मंत्री की सहायता से वैशाली पर विजय प्राप्त की ?
– वर्षकार

1188. किस शासक ने अपने पिता अजातशत्रु की हत्या करके 461 ई.पू. में मगध की गद्दी पर बैठा ?
– उदयिन

1189. मगध शासक उदयिन ने किस नगर की स्थापना की थी ?
– पाटलिपुत्र

1190. उदयिन किस धर्म का अनुयायी था ?
– जैन धर्म

1191. हर्यक वंश का अंतिम राजा कौन था ?
– नागदाशक (उदयिन का पुत्र)

1192. नागदाशक को उसके अमात्य शिशुनाग ने 412 ई.पू. में अपदस्थ करके मगध पर किस वंश की स्थापना की ?
– शिशुनाग वंश

1193. शिशुनाग वंश ने अपनी राजधानी पाटलिपुत्र से हटाकर कहाँ स्थापित की थी ?
– वैशाली

1194. शिशुनाग ने अपनी राजधानी पाटलिपुत्र से हटाकर वैशाली स्थापित की, जिसे पुनः पाटलिपुत्र ले जाने वाला शासक था–
– कालाशोक

1195. शिशुनाग का उत्तराधिकारी कौन था ?
– कालाशोक

1196. शिशुनाग वंश का अंतिम शासक कौन था ?
– नंदिवर्धन

1197. नंद वंश का संस्थापक कौन था ?
– महापद्मनंद

1198. नंद वंश का अंतिम शासक कौन था ?
– घनानंद

1199. सिकन्दर के समकालीन नंद वंश का शासक था–
– घनानंद

1200. नंद वंश के किस शासक को हराकर चन्द्रगुप्त मौर्य ने मौर्य वंश की स्थापना की ?
– घनानंद को

1201. मगध शासक बिम्बिसार की हत्या किसने की ?
– उसके पुत्र अजातशत्रु ने

1202. मगध शासक अजातशत्रु की हत्या किसने की ?
– उसके पुत्र उदयिन ने

1203. गंगा और सोन नदियों के संगम पर पाटलपुित्र नामक नगर की स्थापना किस शासक ने की ?
– उदयिन ने

1204. किस शासक ने वैशाली का परित्याग करके पाटलिपुत्र को मगध राज्य की राजधानी बनाया ?
– कालाशोक

1205. पाटलिपुत्र नामक नगर की स्थापना किस शासक ने की थी ?
– उदयिन ने

1206. महात्मा बुद्ध के समय कोशल देश में कौन राज्य करता था ?
– प्रसेनजित

11.सिकन्दर

1207. सिकन्दर के पिता फिलिप 359 ई.पू. में कहाँ के शासक बने थे ?
– मकदूनिया के
1208. सिकन्दर का जन्म कब हुआ था ?
– 356 ई.पू. में
1209. सिकन्दर किसका शिष्य था ?
– अरस्तू का
1210. सिकन्दर ने भारत विजय का अभियान कब प्रारंभ किया था ?
– 326 ई.पू.
1211. सिकन्दर का प्रधान सेनापति कौन था ?
– सेल्यूकस निकेटर
1212. सिकन्दर का जल सेनापति कौन था ?
– निर्याकस
1213. हाइडेस्पीज का युद्ध या झेलम (वितस्ता) का युद्ध किनके मध्य लड़ा गया था ?
– सिकन्दर और पंजाब के राजा पोरस के मध्य
1214. सिकन्दर और पंजाब के राजा पोरस के मध्य हुए हाइडेस्पीज या झेलम के युद्ध में कौन पराजित हुआ ?
– पंजाब के राजा पोरस
1215. भारत विजय अभियान के दौरान सिकन्दर की सेना ने किस नदी को पार करने से इन्कार कर दिया था ?
– व्यास नदी
1216. सिकन्दर किस मार्ग द्वारा 325 ई.पू. में भारत से लौटा था ?
– स्थल मार्ग
1217. सिकन्दर की मृत्यु 33 वर्ष की आयु में 323 ई.पू. में कहाँ हुई थी ?
– बेबीलोन में
1218. सिकन्दर के प्रिय घोड़े का नाम था–
– बऊकेफला
1219. सिकन्दर ने किसकी याद में झेलम नदी के किनारे बऊकेफला नामक नगर बसाया था ?
– अपने प्रिय घोड़े बऊकेफला की स्मृति में

12.मौर्य साम्राज्य

1220. मौर्य वंश का संस्थापक कौन था ?
– चन्द्रगुप्त मौर्य
1221. चन्द्रगुप्त मौर्य का जन्म कब हुआ था ?
– 345 ई.पू. में
1222. जस्टिन ने चन्द्रगुप्त मौर्य को कहा है–
– सेन्ड्रोकोट्टस
1223. जस्टिन ने चन्द्रगुप्त मौर्य को सेन्ड्रोकोट्टस कहा है, जिसकी पहचान चन्द्रगुप्त मौर्य से करने वाले इतिहासकार थे–
– विलियम जोन्स
1224. चन्द्रगुप्त मौर्य के लिए वृषल शब्द का प्रयोग किस पुस्तक में किया गया है ?
– विशाखदत्त द्वारा रचित मुद्राराक्षस में
1225. चन्द्रगुप्त मौर्य मगध की राजगद्दी पर कब बैठा ?
– 322 ई.पू. में
1226. किस शासक को हराने में चाणक्य ने चन्द्रगुप्त मौर्य की मदद की थी ?
– नंद वंश के शासक घनानंद को
1227. नंद वंश का विनाश करने में चन्द्रगुप्त मौर्य ने कश्मीर के किस राजा से सहायता प्राप्त की थी ?
– राजा प्रवर्तक
1228. चन्द्रगुप्त मौर्य का प्रधानमंत्री कौन था ?
– चाणक्य
1229. कौटिल्य और विष्णुगुप्त किसके उपनाम थे ?
– चाणक्य के
1230. चाणक्य द्वारा लिखित पुस्तक अर्थशास्त्र का सम्बन्ध किस विषय से है ?
– राजनीति से
1231. चन्द्रगुप्त मौर्य किस धर्म का अनुयायी था ?
– जैन धर्म
1232. चन्द्रगुप्त मौर्य ने 305 ई.पू. में सिकन्दर के किस सेनापति को हराया था ?
– सेल्यूकस निकेटर
1233. 305 ई.पू. में युद्ध में चन्द्रगुप्त मौर्य से पराजित होने के बाद सेल्यूकस निकेटर ने अपनी पुत्री की शादी चन्द्रगुप्त मौर्य के साथ की, जिसका नाम था–
– कार्नेलिया
1234. 305 ई.पू. में युद्ध में चन्द्रगुप्त मौर्य से पराजित होने के बाद संधि शर्तों के अनुसार सेल्यूकस निकेटर ने कौनसे चार प्रांत चन्द्रगुप्त मौर्य को दिये थे ?
– काबुल, कन्धार, हेरात एवं मकरान
1235. चन्द्रगुप्त मौर्य और सेल्यूकस के बीच हुए युद्ध का वर्णन किस इतिहासकार ने किया था ?
– एप्पियानस
1236. किस इतिहासकार के अनुसार चन्द्रगुप्त मौर्य ने सेल्यूकस को 500 हाथी उपहार में दिए थे ?
– प्लूटार्क
1237. चन्द्रगुप्त मौर्य ने जैन धर्म की दीक्षा किस जैन गुरु से ली थी ?
– गुरु भद्रबाहु
1238. मेगस्थनीज द्वारा लिखित प्रसिद्ध पुस्तक है–
– इंडिका

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1239. 'इंडिका' पुस्तक के लेखक हैं–
– मेगस्थनीज

1240. चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आने वाला सेल्यूकस निकेटर का राजदूत था–
– मेगस्थनीज

1241. चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपना अंतिम समय कहाँ बिताया था ?
– कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में

1242. चन्द्रगुप्त मौर्य की मृत्यु 298 ई.पू. में उपवास द्वारा कहाँ हुई थी ?
– श्रवणबेलगोला (कर्नाटक)

1243. ''कौमदी महोत्सव'' नामक पुस्तक किस शासक की सफलताओं और उपलब्धियों का वर्णन करती है ?
– चन्द्रगुप्त मौर्य

1244. किस इतिहासकार ने चन्द्रगुप्त मौर्य की सेना में लगभग 50,000 अश्वारोही सैनिक, 9000 हाथी एवं 8000 रथ थे ?
– जस्टिन

1245. किन इतिहासकारों के अनुसार चन्द्रगुप्त मौर्य ने नन्दों की पैदल सेना से तीन गुनी अधिक संख्या में अर्थात् 60,000 सैनिकों को लेकर सम्पूर्ण उत्तर भारत को रौंद दिया था ?
– प्लूटार्क एवं जस्टिन

1246. चन्द्रगुप्त मौर्य का उत्तराधिकारी कौन था ?
– बिन्दुसार

1247. चन्द्रगुप्त मौर्य का उत्तराधिकारी बिन्दुसार मगध की राजगद्दी पर कब बैठा था ?
– 298 ई.पू. में

1248. मौर्य वंश के किस शासक को अमित्रघात के नाम से भी जाना जाता है ?
– बिन्दुसार

1249. अमित्रघात का अर्थ है–
– शत्रु विनाशक

1250. मौर्य वंश के शासक बिन्दुसार किस सम्प्रदाय के अनुयायी थे ?
– आजीवक सम्प्रदाय

1251. किस ग्रंथ में मौर्य शासक बिन्दुसार को भद्रसार या वारिसार कहा गया है ?
– वायु पुराण में

1252. जैन ग्रंथों के अनुसार बिन्दुसार को कहा गया–
– सिंहसेन

1253. स्ट्रैबो के अनुसार किस शासक ने बिन्दुसार के दरबार में डाइमेकस नामक राजदूत भेजा था ?
– सीरियन नरेश एण्टियोकस

1254. मेगस्थनीज का उत्तराधिकारी किसे कहा जाता है ?
– डाइमेकस को

1255. मौर्य शासक बिन्दुसार के शासनकाल में किस स्थान पर दो विद्रोह हुए, जिन्हें दबाने के लिए पहले सुसीम को और बाद में अशोक को भेजा गया था ?
– तक्षशिला

1256. एथीनियस के अनुसार मौर्य शासक बिन्दुसार ने सीरिया के किस शासक से मदिरा, सूखे अंजीर एवं एक दार्शनिक भेजने की प्रार्थना की ?
– एण्टियोकस प्रथम

1257. किस बौद्ध विद्वान के अनुसार बिन्दुसार को सौलह राज्यों का विजेता बताया है ?
– तारानाथ

1258. मगध की राजगद्दी पर बैठने के समय अशोक कहाँ का राज्यपाल था ?
– अवन्ति

1259. अशोक की माता का नाम था–
– सुभद्रांगी

1260. अशोक ने कलिंग पर आक्रमण कब किया था ?
– 261 ई.पू. में

1261. शिलालेख 13 के अनुसार मौर्य शासक अशोक ने अपने अभिषेक के आठवें वर्ष लगभग 261 ई.पू. में कलिंग पर आक्रमण करके उसकी राजधानी पर अधिकार किया, जिसका नाम था–
– तोसली

1262. इतिहासकार प्लिनी के अनुसार मिस्र के राजा फिलाडेल्फस (टॉलमी द्वितीय) ने मौर्य शासक अशोक के दरबार में पाटलिपुत्र में एक राजदूत को भेजा था, जिसका नाम था–
– डियानीसिय

1263. अशोक ने किस बौद्ध भिक्षु से बौद्ध धर्म में दीक्षा ली थी ?
– उपगुप्त से

1264. मास्की एवं गुर्जरा अभिलेख में अशोक का क्या नाम मिलता है ?
– अशोक

1265. पुराणों में अशोक को क्या कहा गया है ?
– अशोकवर्धन

1266. अशोक ने आजीवकों को रहने हेतु बराबर की पहाड़ियों में चार गुफाओं का निर्माण करवाया, जिनके नाम थे–
– कर्ज, चोपार, सुदामा और विश्व झोपड़ी

1267. अशोक के पौत्र दशरथ द्वारा आजीवकों के लिए प्रदान की गई गुफा का नाम था–
– नागार्जुन गुफा

1268. अशोक ने बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए अपने पुत्र महेन्द्र एवं पुत्री संघमित्रा को किस देश में भेजा था ?
– श्रीलंका

1269. भारत में शिलालेख का प्रचलन करने का श्रेय किस शासक को है ?
– अशोक को

1270. अशोक के शिलालेखों में किन लिपियों का प्रयोग हुआ है ?
– ब्राह्मी, खरोष्ठी, ग्रीक एवं अरमाइक

1271. ग्रीम एवं अरमाइक लिपि के अभिलेख कहाँ से प्राप्त हुए हैं ?
– अफगानिस्तान से

1272. खरोष्ठी लिपि के अभिलेख कहाँ से प्राप्त हुए हैं ?
– उत्तर–पश्चिमी पाकिस्तान से

1273. अफगानिस्तान व उत्तर–पश्चिमी पाकिस्तान को छोड़कर शेष भारत में अशोक के अभिलेख किस लिपि में मिले हैं ?
– ब्राह्मी लिपि में

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1274. अशोक के अभिलेखों को किन तीन भागों में बाँटा गया है–
– 1.शिलालेख 2.स्तम्भ लेख 3.गुहालेख
1275. 1750 ई. में अशोक के शिलालेख की खोज किसने की थी ?
– पाद्रेटी फेन्थैलर ने
1276. अशोक के प्रमुख शिलालेखों की संख्या है–
– 14
1277. अशोक के अभिलेख पढ़ने में सर्वप्रथम पहली सफलता 1837 ई. में किसे प्राप्त हुई ?
– जेम्स प्रिंसेप को
1278. अशोक के किस शिलालेख में पशुबलि की निंदा की गई है ?
– पहला शिलालेख
1279. अशोक ने मनुष्य एवं पशु दोनों की चिकित्सा व्यवस्था का उल्लेख किस शिलालेख में किया है ?
– दूसरा शिलालेख
1280. अशोक के किस शिलालेख में कुछ धार्मिक नियमों के उल्लेख होने के साथ ही राजकीय अधिकारियों को यह आदेश दिया गया है कि वे हर पाँचवें वर्ष के उपरांत दौरे पर जाएं ?
– तीसरा शिलालेख
1281. अशोक के किस शिलालेख में भेरीघोष की जगह धम्मघोष की घोषणा की गयी है ?
– चौथा शिलालेख
1282. अशोक के किस शिलालेख में धर्म महामात्रों की नियुक्ति के विषय में जानकारी मिलती है ?
– पाँचवाँ शिलालेख
1283. अशोक के किस शिलालेख में आत्म नियंत्रण की शिक्षा दी गयी है ?
– छठा शिलालेख
1284. अशोक के किन शिलालेखों में अशोक की तीर्थ यात्राओं का उल्लेख किया गया है ?
– सातवाँ एवं आठवाँ शिलालेख
1285. अशोक के किस शिलालेख में सच्ची भेंट तथा सच्चे शिष्टाचार का उल्लेख किया गया है ?
– नौवाँ शिलालेख
1286. अशोक के किस शिलालेख में उसने आदेश दिया है कि राजा तथा उच्च अधिकारी हमेशा प्रजा के हित में सोचें ?
– दसवाँ शिलालेख
1287. अशोक के किस शिलालेख में धम्म की व्याख्या की गई है ?
– ग्यारहवें शिलालेख में
1288. अशोक के किस शिलालेख में स्त्री महामात्रों की नियुक्ति एवं सभी प्रकार के विचारों के सम्मान की बात कही गयी है ?
– बारहवें शिलालेख में
1289. अशोक के किस शिलालेख में कलिंग युद्ध का वर्णन एवं अशोक के हृदय परिवर्तन की बात कही गयी है तथा इसी में पड़ौसी राजाओं का भी वर्णन किया गया है ?
– तेरहवें शिलालेख में
1290. अशोक के किस शिलालेख में जनता को धार्मिक जीवन बिताने के लिए प्रेरित किया ?
– चौदहवें शिलालेख में
1291. अशोक के प्रथम पृथक् शिलालेख में क्या घोषणा की गई है ?
– सभी मनुष्य मेरे बच्चे हैं
1292. अशोक का कौनसा अभिलेख सबसे लम्बा है ?
– सातवाँ अभिलेख
1293. अशोक के स्तम्भ लेखों की संख्या कितनी है ?
– सात
1294. अशोक के सभी सातों स्तम्भ लेख किस लिपि में लिखे गये हैं ?
– ब्राह्मी लिपि में
1295. किस शासक द्वारा अशोक के दिल्ली–टोपरा स्तम्भ लेख को टोपरा से दिल्ली लाया गया था ?
– फिरोजशाह तुगलक
1296. अशोक का प्रयाग स्तम्भ लेख पहले कौशाम्बी में स्थित था, जिसे मुगल शासक अकबर ने कहाँ स्थापित करवाया ?
– इलाहाबाद के किले में
1297. किस शासक द्वारा अशोक के दिल्ली–मेरठ स्तम्भ लेख को मेरठ से दिल्ली लाया गया ?
– फिरोजशाह तुगलक
1298. चम्पारण (बिहार) में स्थापित अशोक के रामपुरवा स्तम्भ लेख की खोज 1872 ई. में किसने की थी ?
– कारलायल ने
1299. अशोक का लौरिया अरेराज स्तम्भ लेख किस स्थान पर स्थित है ?
– चम्पारण (बिहार) में
1300. चम्पारण (बिहार) में स्थित अशोक के किस स्तम्भ लेख पर मोर का चित्र बना हुआ है ?
– लौरिया नन्दनगढ़
1301. किस अभिलेख को रानी का अभिलेख भी कहा जाता है ?
– कौशाम्बी अभिलेख
1302. अशोक का सबसे छोटा स्तम्भ लेख है–
– रुम्मिदेई
1303. अशोक के किस स्तम्भ लेख में उल्लेख किया है कि लुम्बिनी में धम्म यात्रा के दौरान अशोक द्वारा भू–राजस्व की दर घटा देने की घोषणा की गई ?
– रुम्मिदेई स्तम्भ लेख
1304. अशोक का शार–ए–कुना (कंदहार) अभिलेख में किन लिपियों का प्रयोग किया गया है ?
– ग्रीक एवं अरमाइक
1305. अशोक के समय मौर्य साम्राज्य कितने प्रांतों में बँटा हुआ था ?
– पाँच
1306. अशोक के समय जनपदीय न्यायालय के न्यायाधीश को क्या कहा जाता था ?
– राजुक
1307. मौर्य वंश का अंतिम शासक कौन था ?
– बृहद्रथ
1308. मौर्य वंश का शासन कितने वर्षों तक रहा ?
– 137 वर्ष

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1309. मौर्य वंश के अंतिम शासक बृहद्रथ की हत्या किसने की थी ?
– उसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने
1310. मौर्य प्रांत 'उत्तरापथ' की राजधानी थी–
– तक्षशिला
1311. मौर्य प्रांत 'अवन्ति राष्ट्र' की राजधानी थी–
– उज्जयिनी
1312. मौर्य प्रांत 'कलिंगा' की राजधानी थी–
– तोसली
1313. मौर्य प्रांत 'दक्षिणापथ' की राजधानी थी–
– सुवर्णगिरी
1314. मौर्य प्रांत 'प्राशी (पूर्वी प्रांत)' की राजधानी थी–
– पाटलिपुत्र
1315. मौर्य साम्राज्य में प्रांतों को कहा जाता था–
– चक्र
1316. मौर्य साम्राज्य में प्रांतों के प्रशासक को कहते थे–
– कुमार/आर्यपुत्र/राष्ट्रिक
1317. मौर्य साम्राज्य में प्रांतों का विभाजन विषय में किया गया, जिसका प्रधान होता था–
– विषयपति
1318. मौर्य साम्राज्य में प्रशासन की सबसे छोटी इकाई ग्राम थी, जिसका मुखिया कहलाता था–
– ग्रामिक
1319. मौर्य साम्राज्य में प्रशासकों में सबसे छोटा, जो दस ग्रामों का शासन संभालता था, को कहते थे–
– गोप
1320. मौर्य साम्राज्य में युद्ध क्षेत्र में सेना का नेतृत्व करने वाला अधिकारी को कहते थे–
– नायक
1321. मौर्य साम्राज्य में सैन्य विभाग का सबसे बड़ा अधिकारी होता था–
– सेनापति
1322. मौर्य प्रशासन में गुप्तचर विभाग किसके अधीन होता था ?
– महामात्य सर्प
1323. मौर्य साम्राज्य में बिक्री कर के रूप में मूल्य का कितना भाग वसूला जाता था और जिसे बचाने वालों को मृत्युदंड दिये जाने का प्रावधान था ?
– 1/10 भाग (दसवाँ भाग)
1324. मौर्य प्रशासन में बिना वर्षा के अच्छी खेती होने वाली भूमि को कहा जाता था–
– अदेवमातृक
1325. मौर्य प्रशासन में सरकारी भूमि को क्या कहा जाता था ?
– सीता
1326. अर्थशास्त्र में गुप्तचर को कहा जाता था–
– गूढ़ पुरुष
1327. अर्थशास्त्र में चर किसे कहा गया है ?
– जासूस को
1328. मौर्य प्रांत 'उत्तरापथ' की राजधानी थी–
– तक्षशिला
1329. मौर्य प्रशासन में एक ही स्थान पर रहकर कार्य करने वाले गुप्तचर को क्या कहा जाता था ?
– संचार
1330. मौर्य साम्राज्य में मुख्यमंत्री एवं पुरोहित की नियुक्ति के पूर्व इनके चरित्र को काफी जाँचा–परखा जाता था, जिसे कहते थे–
– उपधा परीक्षण
1331. मौर्य काल में स्वतंत्र वैश्यावृत्ति को अपनाने वाली महिला को कहा जाता था–
– रूपाजीवा
1332. मौर्य साम्राज्य में सम्राट की सहायता के लिए एक समिति होती थी, जिसमें 12, 16 या 20 सदस्य होते थे। इस समिति को कहा जाता था–
– मंत्रिपरिषद्
1333. चाणक्य द्वारा रचित अर्थशास्त्र में शीर्षस्थ अधिकारी के रूप में तीर्थ का उल्लेख मिलता है, जिसे अन्य किस नाम से जाना जाता था–
– महामात्र
1334. अर्थशास्त्र में शीर्षस्थ अधिकारी के रूप में तीर्थ का उल्लेख मिलता है, जिसे महामात्र भी कहा जाता था। इन महामात्रों की संख्या कितनी होती थी ?
– 18
1335. मेगस्थनीज के अनुसार 'एग्रोनोमोई' होता था–
– मार्ग निर्माण अधिकारी
1336. मेगस्थनीज ने भारतीय समाज को किन सात वर्गों में विभाजित किया है ?
–1.दार्शनिक 2.किसान 3.अहीर 4.कारीगर 5.सैनिक 6.निरीक्षक 7.सभासद्
1337. मेगस्थनीज के अनुसार मौर्य शासन में नगर का प्रशासन कितने सदस्यों का एक मंडल करता था ?
– 30
1338. मेगस्थनीज के अनुसार नगर का प्रशासन 30 सदस्यों का एक मंडल करता था, जो कितनी समितियों में विभाजित था ?
– 6
1339. मेगस्थनीज के अनुसार नगर का प्रशासन 30 सदस्यों का एक मंडल करता था, जो 6 समितियों में विभाजित था। प्रत्येक समिति में सदस्यों की संख्या कितनी होती थी ?
– 5
1340. मेगस्थनीज के अनुसार मौर्य सेना का रखरखाव करने वाली 6 समितियाँ थीं। प्रत्येक समिति में कितने सदस्य होते थे ?
– 5
1341. मौर्य शासन में प्रशासनिक समितियों की संख्या कितनी थी ?
– 6
1342. मौर्य शासन में सैन्य समितियों की संख्या थीं–
– 6

13.ब्राह्मण साम्राज्य

1343. मगध पर शुंग वंश की नींव किसने डाली थी ?
– पुष्यमित्र शुंग ने

1344. शुंग वंश के संस्थापक पुष्यमित्र शुंग किस जाति के थे ?
– ब्राह्मण

1345. शुंग शासकों ने अपनी राजधानी कहाँ स्थापित की थी ?
– विदिशा में

1346. किस इण्डो–यूनानी शासक को पुष्यमित्र शुंग ने पराजित किया था ?
– मिनांडर को

1347. भरहूत स्तूप का निर्माण किस शासक ने करवाया था ?
– पुष्यमित्र शुंग ने

1348. शुंग वंश का अंतिम शासक कौन था ?
– देवभूति

1349. शुंग वंश के अंतिम शासक देवभूति की हत्या किसने की थी ?
– वासुदेव ने (73 ई.पू. में)

1350. मगध पर कण्व वंश की स्थापना किसने की थी ?
– वासुदेव ने

1351. कण्व वंश का अंतिम राजा कौन था ?
– सुशर्मा

1352. कण्व वंश के अंतिम शासक सुशर्मा की हत्या किसने की थी ?
– शिमुक ने

1353. शिमुक ने 60 ई.पू. में कण्व वंश के अंतिम शासक सुशर्मा की हत्या कर किस वंश की स्थापना की ?
– सातवाहन वंश

1354. सातवाहन (आन्ध्र वंश) शासकों ने अपनी राजधानी कहाँ स्थापित की थी ?
– प्रतिष्ठान

1355. सातवाहन (आन्ध्र वंश) शासकों की राजधानी प्रतिष्ठान किस नदी के किनारे स्थित थी ?
– गोदावरी नदी

1356. सातवाहन (आन्ध्र वंश) शासकों की राजधानी कहाँ स्थित थी ?
– महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में

1357. सातवाहन वंश के किस शासक ने दो अश्वमेध यज्ञ तथा एक राजसूय यज्ञ करवाया था ?
– शातकर्णी

1358. सातवाहन शासकों के समय के प्रसिद्ध साहित्यकार थे–
– हाल एवं गुणाढ्य

1359. सातवाहन शासकों के समय के प्रसिद्ध साहित्यकार हाल ने किस पुस्तक की रचना की थी ?
– गाथासप्तशती

1360. 'गाथासप्तशती' के रचनाकार हैं–
– हाल

1361. सातवाहन शासकों के समय के प्रसिद्ध साहित्यकार गुणाढ्य ने किस पुस्तक की रचना की थी ?
– बृहत्कथा

1362. 'बृहतकथा' के रचनाकार हैं–
– गुणाढ्य

1363. सतवाहन शासकों ने किन धातुओं की मुद्राओं का प्रचलन किया था ?
– चाँदी, ताँबा, सीसा, पोटीन और काँसा

1364. सातवाहन शासकों ने सर्वाधिक किस धातु की मुद्राओं का प्रचलन किया ?
– सीसा

1365. सातवाहन शासक अपना सिक्का ढालने में जिसे सीसे का इस्तेमाल करते थे, उसे कहाँ से मंगाया जाता था ?
– रोम से

1366. ब्राह्मणों को भूमि अनुदान देने की प्रथा का आरंभ सर्वप्रथम किसने किया था ?
– सातवाहन शासकों ने

1367. भूमिदान का सर्वप्राचीन पुरालेखीय प्रमाण किसमें मिलता है ?
– सातवाहनों के नानाघाट अभिलेख में

1368. सातवाहन शासकों किस अभिलेख में अश्वमेध यज्ञ में एक गाँव देने का उल्लेख मिलता है ?
– नानाघाट अभिलेख

1369. सातवाहनों की राजकीय भाषा एवं लिपि थी–
– राजकीय भाषा प्राकृत एवं लिपि ब्राह्मी

1370. किस वंश के शासकों के नाम उनकी माताओं के नाम पर रखने की प्रथा थी, जिससे मातृतंत्रात्मक ढाँचे का आभास मिलता है ?
– सातवाहन

1371. सातवाहन राजकुल पितृतंत्रात्मक था, क्योंकि–
– राजसिंहासन का उत्तराधिकारी पुत्र ही होता था

1372. सातवाहन शासकों ने ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासन का कार्य किसे सौंप रखा था ?
– गौल्मिक को

1373. सातवाहन वंश के शासनकाल में गौल्मिक एक सैनिक टुकड़ी का प्रधान होता था, जिसमें नौ रथ, नौ हाथी, पच्चीस घोड़े और पैंतालीस पैदल सैनिक होते थे। गौल्मिक का कार्य होता था–
– ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासन का

1374. कार्ले का चैत्य किस राजवंश की महत्वपूर्ण स्थापत्य कृति है ?
– सातवाहन

1375. अजंता एवं एलोरा की गुफाओं का निर्माण किस राजवंश की महत्वपूर्ण स्थापत्य कृति है ?
– सातवाहन

1376. अमरावती कला का विकास किस राजवंश के समय हुआ था ?
– सातवाहन

1377. उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सेतु का निर्माण किस प्राचीन राजवंश ने किया था ?
– सातवाहन

1378. सातवाहन शासक शातकर्णी को किसका स्वामी कहा जाता था ?
– दक्षिणापथ

1379. अशोक की मृत्यु के पश्चात् प्रथम शताब्दी ई.पू. में कलिंग में किस राजवंश का उदय हुआ ?
– चेदि राजवंश (कलिंग)
1380. अशोक की मृत्यु के उपरांत कलिंग में चेदि राजवंश का उदय हुआ, इसकी जानकारी हमें किस अभिलेख में मिलती है ?
– हाथी गुम्फा अभिलेख (भुवनेश्वर, उड़ीसा)
1381. खारवेल किस वंश का प्रतापी राजा था ?
– चेदि राजवंश (कलिंग राजवंश)
1382. किस शासक ने जैन मुनियों के लिए उदयगिरि की पहाड़ी में गुफा का निर्माण करवाया था ?
– कलिंग शासक खारवेल
1383. कलिंग शासक खारवेल किस धर्म का अनुयायी था ?
– जैन धर्म
1384. शातकर्णी किस वंश का शासक था ?
– सातवाहन
1385. गौतमीपुत्र शातकर्णी किस वंश का शासक था ?
– सातवाहन
1386. वशिष्ठीपुत्र किस वंश का शासक था ?
– सातवाहन
1387. पुलुमावी किस वंश का शासक था ?
– सातवाहन
1388. यज्ञश्री शातकर्णी किस वंश का शासक था ?
– सातवाहन

14.भारत के यवन राज्य

1389. भारत पर आक्रमण करने वाले सर्वप्रथम विदेशी आक्रमणकारी थे–
– हिन्द–यूनानी (इण्डो–ग्रीक)
1390. भारत पर आक्रमण करने वाले विदेशी आक्रमणकारी हिन्द–यूनानी (इण्डो–ग्रीक), शक, पहल्व एवं कुषाण का सही क्रम है–
– हिन्द–यूनानी, शक, पहल्व और कुषाण
1391. सेल्यूकस के द्वारा स्थापित पश्चिमी तथा मध्य एशिया के विशाल साम्राज्य को इसके उत्तराधिकारी ने अक्षुण्ण बनाए रखा, जिसका नाम था–
– एन्टिओकस प्रथम
1392. किस हिन्द–यूनानी शासक के समय विद्रोह के फलस्वरूप उसके अनेक प्रांत स्वतंत्र हो गए ?
– एन्टिओकस द्वितीय
1393. बैक्ट्रिया के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था ?
– डियोडोट्स प्रथम ने
1394. डियोडोट्स द्वितीय कहाँ के शासक थे ?
– बैक्ट्रिया के
1395. यूथिडेमस् कहाँ के शासक थे ?
– बैक्ट्रिया के
1396. डेमिट्रियस कहाँ के शासक थे ?
– बैक्ट्रिया के
1397. मिनान्डर कहाँ के शासक थे ?
– बैक्ट्रिया के
1398. युक्रेटाइडस कहाँ के शासक थे ?
– बैक्ट्रिया के
1399. एण्टी आलकीडस कहाँ के शासक थे ?
– बैक्ट्रिया के
1400. हर्मिक्स कहाँ के शासक थे ?
– बैक्ट्रिया के
1401. बैक्ट्रिया के शासक डेमिट्रियस ने भारत पर आक्रमण कर किस पर अधिकार किया था ?
– अफगानिस्तान, पंजाब एवं सिन्ध के बहुत बड़े भाग पर
1402. भारत पर सबसे पहले किस यूनानी शासक ने आक्रमण किया था ?
– बैक्ट्रिया के शासक डेमिट्रियस ने
1403. बैक्ट्रिया के शासक डेमिट्रियस ने 190 ई.पू. में भारत पर आक्रमण कर अफगानिस्तान, पंजाब एवं सिन्ध के बहुत बड़े भाग पर अधिकार कर किसे अपनी राजधानी बनाया ?
– शाकल (आधुनिक सियालकोट)
1404. हिन्द–यूनानी शासकों में सबसे अधिक विख्यात शासक था ?
– मिनान्डर
1405. हिन्द–यूनानी शासक मिनान्डर की राजधानी थी–
– शाकल (आधुनिक सियालकोट)
1406. मिनान्डर ने किससे बौद्ध धर्म की दीक्षा ली थी ?
– नागसेन (नागार्जुन)
1407. हिन्द–यूनानी शासक मिनान्डर के समय शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था–
– शाकल (आधुनिक सियालकोट)

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1408. मिनान्डर के प्रश्न एवं नागसेन द्वारा दिए गए उत्तर किस पुस्तक में संगृहीत है ?
– मिलिन्दपन्हो

1409. भारत के पहले शासक, जिनके द्वारा जारी किये सिक्के के बारे में निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि सिक्के किन–किन राजाओं के हैं, थे–
– हिन्द–यूनानी शासक

1410. भारत में सबसे पहले किन शासकों ने सोने के सिक्के जारी किये ?
– हिन्द–यूनानियों ने

1411. हिन्द–यूनानी शासकों ने भारत के पश्चिमोत्तर सीमा प्रांत में यूनान की प्राचीन कला चलाई, जिसे कहते हैं–
– हेलेनिस्टिक आर्ट

1412. भारत की कौनसी कला यूनान की प्राचीन कला हेलेनिस्टि आर्ट का उत्तम उदाहरण है ?
– गान्धार कला

1413. यूनानियों ने परदे का प्रचलन आरंभ कर भारतीय नाट्यकला के विकास में योगदान किया। परदे यूनानियों की देन होने के कारण किस नाम से प्रसिद्ध है ?
– यवनिका

15.शक

1414. यूनानियों के बाद भारत पर आक्रमण करने वाले विदेशी आक्रमणकारी थे–
– शक

1415. शकों की कितनी शाखाएँ थीं ?
– पाँच

1416. शकों की पहली शाखा ने अपना प्रभुत्व स्थापित किया–
– अफगानिस्तान में

1417. शकों की दूसरी शाखा ने अपना प्रभुत्व स्थापित किया–
– पंजाब (राजधानी तक्षशिला) में

1418. शकों की तीसरी शाखा ने अपना प्रभुत्व स्थापित किया–
– मथुरा में

1419. शकों की चौथी शाखा ने अपना प्रभुत्व स्थापित किया–
– पश्चिमी भारत में

1420. शकों की पाँचवीं शाखा ने अपना प्रभुत्व स्थापित किया–
– ऊपरी दक्कन में

1421. प्रथम शक राजा कौन थे ?
– मोअ

1422. शक मूलतः कहाँ के निवासी थे ?
– मध्य एशिया के

1423. शकों के भारत आने का कारण क्या था ?
– चरागाह की खोज में भारत आए

1424. 58 ई.पू. में उज्जैन के एक स्थानीय राजा ने शकों को पराजित करके बाहर खदेड़ दिया और उपाधि धारण की–
– विक्रमादित्य की

1425. शकों पर विजय के उपलक्ष्य में 58 ई.पू. में एक नया संवत् किस नाम से प्रारंभ हुआ ?
– विक्रम संवत्

1426. शकों पर विजय के उपलक्ष्य में 58 ई.पू. में एक नया संवत् 'विक्रम संवत्' के नाम से प्रारंभ हुआ और उसी समय से एक उपाधि लोकप्रिय हो गयी, जिसका नाम था–
– विक्रमादित्य

1427. भारतीय इतिहास में विक्रमादित्य उपाधियों की संख्या कितनी हो गयी थी ?
– 14

1428. सबसे अधिक विख्यात विक्रमादित्य किस शासक को कहा जाता है ?
– गुप्त सम्राट् चन्द्रगुप्त द्वितीय

1429. शकों की अन्य शाखाओं की तुलना में किस शाखा ने सबसे लम्बे समय तक शासन किया था ?
– पश्चिम भारत में प्रभुत्व स्थापित करने वाली

1430. गुजरात में चल रहे समुद्री व्यापार से शकों की कौनसी शाखा काफी लाभान्वित हुई ?
– पश्चिम भारत में प्रभुत्व स्थापित करने वाली

1431. शकों का सबसे प्रतापी शासक था–
– रुद्रदामन प्रथम

RAJ STUDIES CENTER FOR COMPETITION

1432. शकों की कौनसी शाखा ने भारी संख्या में चाँदी के सिक्के जारी किए ?
– पश्चिम भारत में प्रभुत्व स्थापित करने वाली

1433. शकों के सबसे प्रतापी शासक रुद्रदामन का शासन भारत के किस भू–भाग पर था ?
– गुजरात का अधिकांश क्षेत्र

1434. शकों के किस शासक ने काठियावाड़ की अर्धशुष्क सुदर्शन झील (मौर्यों द्वारा निर्मित) का जीर्णोद्धार किया ?
– रुद्रदामन ने

1435. कौन शक शासक संस्कृत का बड़ा प्रेमी था ?
– रुद्रदामन

1436. शकों के किस शासक ने सबसे पहले विशुद्ध संस्कृत भाषा में लम्बा अभिलेख (गिरिनार अभिलेख) जारी किया ?
– रुद्रदामन

1437. पश्चिमोत्तर भारत में शकों के आधिपत्य के बाद किनका आधिपत्य हुआ ?
– पार्थियाई (पहल्व) लोगों का

1438. सबसे प्रसिद्ध पार्थियाई (पहल्व) राजा थे–
– गोंडोफनिर्स

1439. पश्चिमोत्तर भारत के पार्थियाई (पहल्व) शासक गोंडोफनिर्स के शासन काल में ईसाई धर्म का प्रचार करने के लिए कौन भारत आया था ?
– सेंट टामस

1440. पार्थियाई (पहल्व) लोगों का मूल स्थान था–
– ईरान

16.कुषाण

1441. पहल्वों के बाद भारत पर आक्रमण करने वाले विदेशी आक्रमणकारी थे–
– कुषाण

1442. यूची एवं तोखरी कहलाते थे–
– कुषाण

1443. कुषाण वंश का सम्बन्ध किस जाति से है ?
– यूची नामक कबीले से, जो पाँच कुलों में बँटा और इसमें से एक कुल कुषाण था

1444. कुषाण वंश के संस्थापक थे–
– कुजुल कडफिसेस

1445. कुषाण वंश का सबसे प्रतापी शासक था–
– कनिष्क

1446. कुषाणों की राजधानी थी–
– पुरुषपुर (पेशावर)

1447. कुषाणों की द्वितीय राजधानी थी–
– मथुरा

1448. कनिष्क राजगद्दी पर कब बैठा था ?
– 78 ई. में

1449. कनिष्क 78 ई. में (गद्दी पर बैठने के समय) एक संवत् चलाया, जो कहलाता है–
– शक संवत्

1450. भारत सरकार द्वारा प्रयोग में लाया जाने वाला संवत् है–
– शक संवत् (कनिष्क द्वारा प्रचलित)

1451. कनिष्क के शासककाल में बौद्ध धर्म की कौनसी संगीति सम्पन्न हुई ?
– चौथी बौद्ध संगीति

1452. कनिष्क के शासनकाल में बौद्ध धर्म की चौथी बौद्ध संगीति कहाँ आयोजित हुई थी ?
– कुण्डवलन (कश्मीर)

1453. कनिष्क के समय कुण्डलवन (कश्मीर) में आयोजित चौथी बौद्ध संगीति की अध्यक्षता किसने की ?
– वसुमित्र

1454. कनिष्क बौद्ध धर्म के किस सम्प्रदाय का अनुयायी था ?
– महायान सम्प्रदाय

1455. आरंभिक कुषाण शासकों ने भारी संख्या में स्वर्ण मुद्राएँ जारी कीं, जिनकी शुद्धता किस काल की स्वर्ण मुद्राओं से उत्कृष्ट है ?
– गुप्तकाल

1456. कुषाणों ने उत्तरी तथा उत्तरी–पश्चिमी भारत में सर्वाधिक संख्या में किस धातु के सिक्कों को जारी किया था ?
– ताँबा

1457. सोने के सर्वाधिक शुद्ध सिक्के जारी किए थे–
– कुषाणों ने

1458. कुषाण शासक कनिष्क का राजवैद्य था–
– चरक

1459. 'चरक संहिता' की रचना किसने की थी ?
– चरक ने

1460. भारतीय चिकित्साशास्त्र का विश्वकोष कहलाता है–
– चरक संहिता

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1461. 'चरक संहिता' के रचनाकार चरक किस शासक के राजवैद्य थे ?
— कनिष्क के
1462. 'महाविभाष सूत्र' के रचनाकार हैं–
— वसुमित्र
1463. 'महाविभास सूत्र' के रचनाकार वसुमित्र किस शासक के दरबार की विभूति थे ?
— कनिष्क
1464. बौद्ध धर्म का विश्वकोष कहा जाता है–
— महाविभाष सूत्र को
1465. बौद्धों का रामायण कहलाता है–
— बुद्धचरित
1466. बौद्धों का रामायण 'बुद्धचरित' के लेखक हैं–
— अश्वघोष
1467. 'बुद्धचरित' के लेखक अश्वघोष किस शासक के राजकवि थे ?
— कनिष्क के
1468. वसुमित्र, पार्श्व, नागार्जुन, महाचेत और संघरक्ष किस शासक के दरबार की विभूति थे ?
— कनिष्क
1469. भारत का आइन्सटीन किसे कहा जाता है ?
— नागार्जुन को
1470. 'माध्यमिक सूत्र' पुस्तक के लेखक हैं–
— नागार्जुन
1471. नागार्जुन के सापेक्षता का सिद्धान्त किस पुस्तक में दिया है ?
— माध्यमिक सूत्र में
1472. नागार्जुन द्वारा रचित पुस्तक 'माध्यमिक सूत्र' में कौनसा सिद्धांत उल्लेखित है ?
— सापेक्षता का सिद्धांत
1473. कनिष्क की मृत्यु कब हुई थी ?
— 102 ई. में
1474. कुषाण वंश का अंतिम शासक था–
— वासुदेव
1475. कुषाण राजा कहलाते थे–
— देवपुत्र
1476. कुषाण राजा देवपुत्र कहलाते थे और यह उपाधि कुषाणों ने किनसे ली थी ?
— चीनियों से
1477. गांधार एवं मथुरा शैली का विकास किसके शासनकाल में हुआ था ?
— कनिष्क
1478. गांधार कला के लिए कौनसा स्थान प्रसिद्ध है ?
— तक्षशिला
1479. कुषाणकालीन मूर्तियों का संग्रह अधिक मात्रा में किस संग्रहालय में है ?
— मथुरा संग्रहालय
1480. रेशम मार्ग पर नियंत्रण रखने वाले शासकों में सबसे प्रसिद्ध शासक था–
— कनिष्क
1481. रेशम मार्ग का आरंभ किस शासक ने करवाया ?
— कनिष्क
1482. क्या कुषाण साम्राज्य में मार्गों पर सुरक्षा का प्रबंध था ?
— हाँ
1483. कुषाण काल में सबसे अधिक विकास किस क्षेत्र में हुआ ?
— वास्तुकला
1484. किस शासनकाल में बुद्ध की खड़ी प्रतिमा का निर्माण हुआ ?
— कुषाण काल
1485. कुषाण काल में शाटक नामक विशेष प्रकार के वस्त्र का निर्माण केन्द्र था–
— मथुरा
1486. किस चीनी जनरल ने कनिष्क को हराया था ?
— पेग चौआ

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

17.संगम युग

1487. ऐतिहासिक युग के प्रारंभ में दक्षिण भारत का क्रमबद्ध इतिहास हमें जिस साहित्य से ज्ञात होता है, उसे कहा जाता है–
– संगम साहित्य

1488. 'संगम' शब्द का अर्थ है–
– परिषद्/गोष्ठी/सम्मेलन

1489. संगम में कौन शामिल होते थे ?
– तमिल कवि एवं विद्वान

1490. संगम युग में प्रत्येक कवि अथवा लेखक अपनी रचनाओं को किसके समक्ष प्रस्तुत करता था तथा इसकी स्वीकृति प्राप्त हो जाने के बाद ही किसी भी रचना का प्रकाशन संभव था ?
– संगम के समक्ष

1491. परम्परा के अनुसार अति प्राचीन समय में किन राजाओं के संरक्षण में कुल तीन संगम आयोजित किए गए ?
– पाण्ड्य राजाओं के

1492. पाण्ड्य राजाओं के संरक्षण में कुल कितने संगम आयोजित किए गए थे ?
– तीन

1493. पाण्ड्य राजाओं के संरक्षण में आयोजित तीन संगमों में संकलित साहित्य को कहा जाता है–
– संगम साहित्य

1494. संगम साहित्य का संग्रह लगभग 300 ई.पू. से 300 ई. तक तमिलों द्वारा विविध सामाजिक पृष्ठभूमि में किया गया था। उपलब्ध संगम साहित्य का विभाजन कितने भागों में किया जाता है ?
– 1.पत्थुप्पपातु 3.इत्थुथोकै 3.पादिनेन कालकन्क्कु

1495. तमिल साहित्य के एक आधारभूत ग्रंथ 'कुराल' के रचनाकार हैं–
– तिरूवल्लुवर

1496. तमिल साहित्य के आधारभूत ग्रंथ तिरूवल्लुवर द्वारा रचित 'कुराल' के विषय हैं–
– आधारशास्त्र, राजनीति, आर्थिक जीवन एवं प्रणय से संबंधित

1497. तमिल जनता में राष्ट्रीय काव्य के रूप में जानी जाने वाली एक उत्कृष्ट रचना 'शिल्पादिकारम् (पायलों का गीत) के रचनाकार हैं–
– इलांगो

1498. इलांगो कृत शिल्पादिकारम् (पायलों का गीत) में 30 सर्ग हैं, जिन्हें तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। यह बौद्ध रुझान वाला महाकाव्य है। इसमें किनकी प्रेम कहानी वर्णित है ?
– कावेरीपट्टन के कोवलन, उसकी पत्नी कण्णगि एवं नर्तकी माधवी की प्रेम कहानी

1499. संगम युग की प्रसिद्ध रचना 'मणिमेकलै' किसकी कृति है ?
– सीतलैसत्तनार की

1500. मदुरा के बौद्ध धर्मावलम्बी व्यापारी सीतलैसत्तनार ने किसकी रचना की ?
– मणिमेकलै की

1501. सीतलैसत्तनार की कृति 'मणिमेकलै' में 30 सर्गों के अतिरिक्त एक प्रस्तावना भी है। इसमें किस धर्म का प्रभाव है ?
– जैन

1502. संगम युग में सीतलैसत्तनार की कृति 'मणिमेकलै' में किनकी प्रेम कहानी वर्णित है ?
– राजकुमार उदयकुमारम् एवं मणिमेकलै (कोवलन एवं नर्तकी माधवी की पुत्री)

1503. 'मणिमेकलै' ग्रंथ की कहानी किस उद्देश्य से बनाई गई है ?
– दार्शनिक एवं शास्त्रार्थ बातों के लिए

1504. 'मणिमेकलै' ग्रंथ की कहानी का महत्व मुख्यतः है–
– धार्मिक

1505. किस इतिहासकार के अनुसार 'मणिमेकलै' ग्रंथ बौद्ध लेखक दिङ्नाग (5वीं शती) की कृति 'न्याय प्रवेश' पर आधारित है ?
– नीलकण्ठ शास्त्री

1506. 'मणिमेकलै' में 30 सर्गों के अतिरिक्त एक प्रस्तावना भी है। इस ग्रंथ में किस धर्म का प्रभाव है ?
– जैन धर्म

1507. 'मणिमेकलै' ग्रंथ में किनकी प्रेम कहानी वर्णित है ?
– राजकुमार उदयकुमारन् एवं मणिमेकलै (कोवलन एवं नर्तकी माधवी की पुत्री)

1508. संगम काल के बहुत बाद की रचना है–
– जीवकचिन्तामणि

1509. 'जीवकचिन्तामणि' के रचनाकार हैं–
– जैन भिक्षु तिरुत्क्क देवर

1510. 'जीवकचिन्तामणि' के रचनाकार तिरुत्तक्क देवर जैन भिक्षु बनने से पहले क्या थे ?
– चोल राजकुमार

1511. 'तोल्काप्पियम' किस विषय से संबंधित पुस्तक है ?
– तमिल व्याकरण

1512. पाँचवीं सदी के बाद बहुत सी प्रसिद्ध तमिल रचनाएँ नैतिक एवं दार्शनिक उद्देश्यों से लिखी गयीं, इनमें सबसे प्रसिद्ध रचना है–
– तिरुकुरल (तिरुवल्लुवार की कृति)

1513. 'तिरुकुरल' के रचनाकार हैं–
– तिरुवल्लुवार

1514. रामकथा के अनेक तमिल संस्करणों में से सबसे प्रसिद्ध रचना है–
– इरामावतारम (कंबन की कृति)

1515. 'इरामावतारम' के लेखक हैं–
– कंबन

1516. संगम साहित्य के काव्य को किन दो श्रेणियों में बाँटा गया है ?
– 1. अकम 2.पुरम

1517. अकम काव्यों का मूल विषय है–
– प्रेम प्रसंग

1518. पुरम काव्यों का मूल विषय है–
– युद्ध

1519. संगम साहित्य में किन तमिल प्रदेशों का विवरण प्राप्त होता है ?
– चोल, चेर तथा पाण्ड्य

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1520. संगम साहित्य के अनुसार चोल राज्य भारत के किस भाग पर स्थित था ?
– उत्तर–पूर्व
1521. संगम साहित्य के अनुसार चेर राज्य भारत के किस भाग पर स्थित था ?
– दक्षिण–पश्चिम
1522. संगम साहित्य के अनुसार पाण्ड्य राज्य भारत के किस भाग पर स्थित था ?
– दक्षिण–पूर्व
1523. संगम युगीन राज्यों में सर्वाधिक शक्तिशाली था–
– चोल
1524. संगम युगीन सर्वाधिक शक्तिशाली चोल राज्य किन नदियों के बीच स्थित था ?
– पेन्नार तथा दक्षिणी वेल्लारू
1525. संगीम युगीन सर्वाधिक शक्तिशाली चोल राज्य का सबसे प्रतापी राजा था–
– करिकाल
1526. चोल शासक करिकाल किस धर्म का अनुयायी था ?
– ब्राह्मण धर्म
1527. चोल शासक करिकाल ने किस धर्म को राजकीय संरक्षण प्रदान किया ?
– ब्राह्मण धर्म
1528. पुहार पत्तन का निर्माण किस चोल शासक के समय हुआ था ?
– करिकाल
1529. किस चोल शासक ने कावेरी नदी के मुहाने पर बाँध बनवाया तथा सिंचाई करने के लिए नहरों का निर्माण करवाया ?
– करिकाल
1530. किस ग्रंथ में चोल शासक करिकाल को संगीत के सप्तस्वरों का विशेषज्ञ बताया गया है ?
– पेरूनानुन्नुपादे
1531. संगम युगीन चोल राज्य के बाद दूसरा राज्य चेरों का था, जो भारत में कहाँ स्थित था ?
– आधुनिक केरल प्रान्त में
1532. उदियंजीरल किस राज्य के शासक थे ?
– चेर
1533. नेदुंजीरल आदन किस राज्य के शासक थे ?
– चेर
1534. सेनगुट्टुवन किस राज्य के शासक थे ?
– चेर
1535. चेर राज्य के किस शासक ने अधिराज की उपाधि ग्रहण की थी ?
– सेनगुट्टुवन ने
1536. संगम युगीन चेर राज्य के किस शासक ने पत्तिनी नामक धार्मिक सम्प्रदाय को समाज में प्रतिष्ठित किया ?
– सेनगुट्टुवन ने
1537. संगम युग का तीसरा राज्य पाण्ड्यों का था, जो भारत में कहाँ स्थित था ?
– कावेरी नदी के दक्षिण में
1538. पाण्ड्यों की राजधानी थी–
– मदुरा
1539. पाण्ड्य राजाओं में सबसे शक्तिशाली था–
– नेडुजेलियन
1540. संगम युग में मंत्रियों को कहा जाता था–
– अमाइच्चान या अमाइच्चार
1541. संगम युग में राजधानी में एक राजसभा होती थी, जिसे कहा जाता था–
– नालवै
1542. संगम युग में राजधानी में एक राजसभा होती थी, जिसे नालवै कहा जाता था और जिसका कार्य होता था–
– राजा के साथ न्याय का कार्य करना
1543. संगम युग में राजा के न्यायालय को क्या कहा जाता था ?
– मन्रम
1544. संगम युग में देश का प्रधान न्यायाधीश तथा सभी प्रकार के मामलों की सुनवाई की अंतिम अदालत होता था–
– राजा
1545. संगम युग में चोरी तथा व्यभिचार के अपराध के लिए दण्ड की क्या व्यवस्था थी ?
– मृत्युदण्ड
1546. संगम युग में झूठी गवाही देने पर दण्ड की क्या व्यवस्था थी ?
– जीभ काट ली जाती थी
1547. संगम युग में व्यापारियों से कौनसे शुल्क वसूले जाते थे ?
– सीमा शुल्क एवं चुगीं कर
1548. संगम युग में किन दो रूपों में भूमिकर अदा किया जाता था ?
– नकद तथा अनाज
1549. संगम युग में भूमिकर नकद तथा अनाज दोनों रूपों में अदा किया जाता था, जो संभवतः उपज का कितना भाग होता था और कभी–कभी इसे बढ़ाया भी जाता था ?
– 1/6 भाग
1550. संगम युग में सेना चतुरंगिणी होती थी, जिसमें सम्मिलित थे–
– अश्व, गज, रथ तथा पैदल सिपाही
1551. संगम युग में किस वाद्य यंत्र को बजाकर सैनिकों को बुलाया जाता था ?
– नगाड़ा और शंख
1552. युद्ध भूमि में वीरगति पाने वाले सैनिकों के सम्मान में पत्थर की मूर्ति बनवाए जाने की प्रथा किस युग से प्रारम्भ हुई ?
– संगम युग
1553. संगम युग में राजा अपने आवास की रक्षा के लिए तैनात करता था–
– सशस्त्र महिलाओं को
1554. संगम काल में समय जानने के लिए किस यंत्र का प्रयोग किया जाता था ?
– जल घड़ी
1555. क्या संगम साहित्य में दास प्रथा के अस्तित्व का प्रमाण मिलता है ?
– नहीं

RAS STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1556. ब्राह्मणों के पश्चात् संगम युगीन समाज में किस वर्ग का स्थान था ?
– वेल्लार वर्ग

1557. तमिल प्रदेश में ब्राह्मणों का उदय सर्वप्रथम किस काल में हुआ, जो उस समय का सबसे प्रतिष्ठित वर्ग था ?
– संगम काल

1558. ब्राह्मणों के पश्चात् संगम युगीन समाज में वेल्लार वर्ग का स्थान था, जिसका मुख्य पेशा था–
– कृषि कार्य

1559. संगम साहित्य में व्यापारी वर्ग को कहा गया है–
– वेनिगर

1560. संगम काल में चावल को दूध में मिलाकर तैयार किए गए खाद्यान्न को कहा जाता था–
– सांभर

1561. संगम काल में मुख्य खाद्यान्न था–
– चावल

1562. किस तमिल साहित्य में हिन्दू धर्मशास्त्रों में वर्णित विवाह के आठ प्रकारों (ब्रह्म, दैव, आर्ष, प्रजापत्य, असुर, गन्धर्व, राक्षस तथा पैशाच) का उल्लेख मिलता है ?
– तोल्काप्पियम

1563. किस तमिल रचना से ज्ञात होता है कि संगम काल में विवाह को संस्कार के रूप में मान्यता प्रदान की गयी थी ?
– तोल्काप्पियम

1564. संगम युग में प्रणय विवाह को मान्यता दी गई थी, जिसे कहा गया है–
– पंचतिणै

1565. संगम युग में एक पक्षीय विवाह को कहा गया है–
– कैक्किणै

1566. संगम युग में अनुचित प्रणय को कहा गया है–
– पेरून्दिणैं

1567. संगम काल में नर्तक, नर्तकियों व गायकों के दल घूम–घूमकर लोगों का मनोरंजन किया करते थे, जिन्हें संगम साहित्य में कहा गया है–
– पाणर व विडैलियर

1568. तमिल साहित्य में किन कवियित्रियों की चर्चा हुई है जिससे स्पष्ट है कि उस काल में स्त्रियाँ सुशिक्षिता होती थीं ?
– मच्चेलियर तथा ओवैयर

1569. संगम काल में किस पक्षी को शुभ मानते थे, जो अतिथियों के आगमन की सूचना देता था ?
– कौवा

1570. संगम काल में कौनसा पक्षी नाविकों को सही दिशा का बोध कराते थे और सागर के मध्य चलने वाले जहाजों के साथ उन्हें ले जाया जाता था ?
– कौवा

1571. संगम काल में समाधियों के स्थान पर पत्थर गाड़ने की प्रथा थी। प्रायः युद्ध में वीरगति प्राप्त सैनिकों के सम्मान में पत्थर खड़े किए जाते थे और इनकी पूजा भी होती है। इन्हें कहा जाता था–
– वीरगल अथवा वीरप्रस्तर

1572. संगम साहित्य के अनुसार समाज के निम्न वर्ग की महिलाएँ ही मुख्यतः खेती का कार्य किया करती थी, जिन्हें कहा जाता था–
– कडैसिवर

1573. संगम काल में किसानों को कहा जाता था–
– वेल्लार

1574. संगम काल में किसानों के मुखिया को कहते थे–
– वेलिर

1575. संगम काल में चोलों की समृद्धि का मुख्य कारण था–
– उनका सुविकसित वस्त्र उद्योग

1576. संगम काल में 'कोर्कई' किस राज्य का प्रमुख बन्दरगाह था ?
– पाण्ड्य राज्य

1577. संगम काल में 'शालियूर' किस राज्य का प्रमुख बन्दरगाह था ?
– पाण्ड्य राज्य

1578. संगम काल में 'बन्दर' किस राज्य का प्रमुख बन्दरगाह था ?
– चेर राज्य

1579. संगम काल में पाण्ड्य राज्य का कौनसा बन्दरगाह (पत्तन) मोती खोजने का प्रमुख पत्तन था ?
– कोर्कई

1580. कोरोमण्डल समुद्रतट पर पुदुचेरी के निकट चोल वंश का प्रमुख बन्दरगाह था–
– अरिकमेडु

1581. चोल वंश के प्रमुख बन्दरगाह अरिकमेडु से किस देश के साथ व्यापर होता था ?
– रोम

1582. 1945 ई. में संगम काल के किस स्थान की खुदाई से एक विशाल रोमन बस्ती का पता चला है ?
– अरिकमेडु

1583. संगम काल के किस स्थान पर मनकों के निर्माण का कारखाना भी था ?
– अरिकमेडु

1584. 'पेरिप्लस ऑफ द इरिथ्रियन सी' पुस्तक में संगम काल के किस स्थान को पेडोक कहा गया है ?
– अरिकमेडु

1585. संगम काल में मिस्र के एक नाविक ने मानसूनी हवाओं के सहारे बड़े जहाजों से सीधे समुद्र पार कर सकने की विधि खोजी थी, उसका नाम था–
– हिप्पोलस

1586. तमिल देश का प्राचीन देवता था–
– मुरुगन

1587. मुरुगन का प्रतीक माना जाता था–
– मुर्गा

1588. तमिल भाषा में मुरुगन का अर्थ होता है–
– कुमार (स्कन्द का एक नाम)

1589. संगम काल में तमिल देश के किस देवता के विषय में यह मान्यता प्रचलित थी कि उसे पर्वत पर क्रीड़ा करना अत्यधिक प्रिय है ?
– मुरुगन

1590. तमिल देश के देवता मुरुगन का अस्त्र था–
– बर्छा

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1591. तमिल देश का प्राचीन देवता मुरुगन था, जिसका कालान्तर में नाम हो गया–
– सुब्रह्मण्य
1592. तमिल देश का प्राचीन देवता मुरुगन था, जिसका कालान्तर में नाम सुब्रह्मण्य हो गया। सुब्रह्मण्य को किस देवता के साथ तादात्म्य स्थापित किया गया था ?
– स्कन्द–कार्तिकेय (शिव–पार्वती के पुत्र)
1593. कुरवस नामक एक पर्वतीय जनजाति की स्त्री को किस देवता की पत्नियों में माना गया है ?
– मुरुगन
1594. संगम काल में वर्ग का सामाजिक वर्गीकरण किन्हें ज्ञात था ?
– संगम कवियों को
1595. संगम साहित्य में पवित्र या जादुई शक्तियों में विश्वास जताया गया है जिसे कहा जाता है–
– अनकू
1596. संगम काल में दस्तकारों का एक वर्ग जो रस्सी तथा पशुचर्म की सहायता से चारपाई एवं चटाई बनाने का कार्य करते थे–
– पुलैयन
1597. कवियों और विद्वानों की परिषद् के लिए संगम नाम का प्रयोग सर्वप्रथम सातवीं शती के प्रारम्भ में किस शैव सन्त (नायनार) ने किया था ?
– तिरूनाबुक्क रशु (अप्पार) ने
1598. संगम काल में शिकारियों की जाति को कहा जाता था–
– एनियर
1599. संगम काल में लूट–पाट करने वाली जाति को कहा जाता था–
– मलवर
1600. प्रथम संगम का आयोजन कब हुआ ?
– 4440 ई.पू.
1601. प्रथम संगम का आयोजन कहाँ हुआ था ?
– मदुरा (समुद्र में विलीन)
1602. प्रथम संगम के अध्यक्ष थे–
– अगस्त्य
1603. प्रथम संगम में संकलित महत्वपूर्ण ग्रंथ हैं–
– अकट्टियम परिपदाल, मदुनारै, मुदुकुरूकु तथा कलारि आविरै (कोई भी उपलब्ध नहीं)
1604. द्वितीय संगम का आयोजन कब हुआ ?
– 3700 ई.पू.
1605. द्वितीय संगम का आयोजन कहाँ हुआ था ?
– कपाटपुरम/अलैवाई (समुद्र में विलीन)
1606. द्वितीय संगम के अध्यक्ष थे–
– अगस्त्य
1607. द्वितीय संगम में संकलित महत्वपूर्ण ग्रंथ हैं–
– तोल्काप्पियम
1608. द्वितीय संगम काल में संकलित तमिल व्याकरण की पुस्तक 'तोल्काप्पियम' के रचनाकार हैं––
– तोल्काप्पियर
1609. तीसरा संगम का आयोजन कब हुआ ?
– 1850 ई.पू.
1610. तीसरा संगम का आयोजन कहाँ हुआ था ?
– मदुरा (समुद्र में विलीन)
1611. तीसर संगम के अध्यक्ष थे–
– नक्कीरर
1612. तीसरे संगम में संकलित महत्वपूर्ण ग्रंथ हैं–
– नेदुन्थोकै, कुरुन्थोकै, नत्रिनई, एन्कुरु भूरू, परिपादल, कूथु, वरि, पेरिसै तथा सित्रिसै आदि

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

18.गुप्त साम्राज्य

1613. गुप्त साम्राज्य का उदय तीसरी शताब्दी के अन्त में कहाँ हुआ था ?
– प्रयाग के निकट कौशाम्बी में
1614. गुप्त लोग किसके सामंत थे ?
– कुषाणों के
1615. गुप्त वंश का संस्थापक कौन था ?
– श्रीगुप्त (240–280 ई.)
1616. गुप्त वंश के संस्थापक श्रीगुप्त के उत्तराधिकारी थे–
– घटोत्कच (280–320 ई.)
1617. गुप्त वंश का प्रथम महान् सम्राट् था–
– चन्द्रगुप्त प्रथम
1618. गुप्त वंश के प्रथम महान सम्राट चन्द्रगुप्त प्रथम गद्दी पर कब बैठा ?
– 320 ई. में
1619. चन्द्रगुप्त प्रथम का विवाह किसके साथ हुआ ?
– लिच्छवी राजकुमारी कुमार देवी से
1620. चन्द्रगुप्त प्रथम ने कौनसी उपाधि धारण की थी ?
– महाराजाधिराज
1621. गुप्त संवत् (319–320 ई.) की शुरुआत किस गुप्त शासक ने की थी ?
– चन्द्रगुप्त प्रथम ने
1622. चन्द्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी कौन था ?
– समुद्रगुप्त
1623. चन्द्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी समुद्रगुप्त राजगद्दी पर कब बैठा ?
– 335 ई. में
1624. किस गुप्त शासक ने आर्यावर्त के 9 शासकों और दक्षिणावर्त के 12 शासकों को पराजित किया ?
– समुद्रगुप्त
1625. किस गुप्त शासक को भारत का नेपालियन कहा जाता है ?
– समुद्रगुप्त को
1626. समुद्रगुप्त को भारत का नेपालियन क्यों कहा जाता है ?
– आर्यावर्त के 9 शासकों एवं दक्षिणावर्त के 12 शासकों को पराजित करने के लिए
1627. समुद्रगुप्त ने किन उपाधियों का धारण किया ?
– अश्वमेधकर्ता, विक्रमंक एवं परमभगवत
1628. किस गुप्त शासक को कविराज कहा जाता है ?
– समुद्रगुप्त को
1629. समुद्रगुप्त किस भगवान के उपासक थे ?
– विष्णु
1630. समुद्रगुप्त को उसके सिक्कों पर वीणा–वादन करते हुए दिखाया जाना प्रमाणित करता है कि वह–
– संगीत प्रेमी था
1631. समुद्रगुप्त के संगीत प्रेमी होने का साक्ष्य है–
– समुद्रगुप्त को उसके सिक्कों पर वीणा–वादन करते हुए दिखाया जाना
1632. इलाहाबाद प्रशस्ति लेख की रचना किसने की ?
– समुद्रगुप्त ने
1633. समुद्रगुप्त का दरबारी कवि था–
– हरिषेण
1634. इलाहाबाद प्रशस्ति लेख के रचनाकार हरिषेण किस शासक के दरबारी कवि थे ?
– समुद्रगुप्त के
1635. परमभागवत की उपाधि धारण करने वाला प्रथम गुप्त शासक था–
– समुद्रगुप्त
1636. समुद्रगुप्त को परमभागवत किस शिलालेख में कहा गया है ?
– गया एवं नालंदा से मिले दो ताम्रलेखों में
1637. समुद्रगुप्त का उत्तराधिकारी था–
– चन्द्रगुप्त द्वितीय
1638. समुद्रगुप्त का उत्तराधिकारी चन्द्रगुप्त द्वितीय गद्दी पर कब बैठा था ?
– 380 ई.
1639. चीनी यात्री फाहियान किस शासक के शासनकाल में भारत आया ?
– चन्द्रगुप्त द्वितीय
1640. चन्द्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में कौन चीनी यात्री भारत आया था ?
– फाहियान
1641. किस विजय के उपलक्ष्य में चन्द्रगुप्त द्वितीय ने चाँदी के सिक्के चलाए ?
– शकों पर विजय के उपलक्ष्य में
1642. शकों पर विजय के उपलक्ष्य में चन्द्रगुप्त द्वितीय ने किस धातु के सिक्के चलाए थे ?
– चाँदी
1643. चन्द्रगुप्त द्वितीय ने कौनसी उपाधि धारण की ?
– विक्रमादित्य
1644. शाब किस गुप्त शासक का राजकवि था ?
– चन्द्रगुप्त द्वितीय
1645. चन्द्रगुप्त द्वितीय के समय में विद्या के प्रमुख केन्द्र थे–
– पाटलिपुत्र और उज्जयिनी
1646. किस गुप्त शासक के दरबार में नौ विद्वानों की एक मंडली निवास करती थी, जिसे कहा गया है–
– नवरत्न
1647. कालिदास किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– चन्द्रगुप्त द्वितीय
1648. धनवंतरि (आयुर्वेद चिकित्सक) किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– चन्द्रगुप्त द्वितीय
1649. क्षपणक (फलित ज्योतिष के विद्वान) किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– चन्द्रगुप्त द्वितीय
1650. अमरसिंह (कोशकार) किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– चन्द्रगुप्त द्वितीय
1651. शंकु (वास्तुकार) किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– चन्द्रगुप्त द्वितीय
1652. वेतालभट्ट किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– चन्द्रगुप्त द्वितीय
1653. घटकर्पर किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– चन्द्रगुप्त द्वितीय

1654. वराहमिहिर (खगोल विज्ञानी) किस राजा के दरबार में रहते थे ?
– चन्द्रगुप्त द्वितीय

1655. वररूचि किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– चन्द्रगुप्त द्वितीय

1656. चन्द्रगुप्त द्वितीय का संधिविग्रहिक सचिव था–
– वीरसेन

1657. चन्द्रगुप्त द्वितीय का संधिविग्रहिक सचिव वीरसेन किस धर्म का मतावलंबी था ?
– शैव धर्म

1658. चन्द्रगुप्त द्वितीय के समय शिव की पूजा के लिए उदयगिरि पहाड़ी पर एक गुफा का निर्माण किसने करवाया था ?
– वीरसेन

1659. चन्द्रगुप्त द्वितीय के समय का वह विद्वान, जो व्याकरण, न्यायमीमांसा एवं शब्द का प्रकाण्ड पंडित तथा एक कवि भी था।
– वीरसेन

1660. चन्द्रगुप्त द्वितीय का उत्तराधिकारी था–
– कुमारगुप्त प्रथम या गोविन्दगुप्त (415–454 ई.)

1661. नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना किस शासक ने की थी ?
– कुमारगुप्त प्रथम ने

1662. कुमारगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी था–
– स्कन्दगुप्त (455–467 ई.)

1663. किस गुप्त शासक ने गिरनार पर्वत पर सुदर्शन झील का निर्माण करवाया ?
– स्कन्दगुप्त

1664. गुप्त शासक स्कन्दगुप्त ने किसे सौराष्ट्र का गवर्नर नियुक्त किया था ?
– पर्णदत्त

1665. किस गुप्त शासक के शासनकाल में हूणों का आक्रमण हुआ ?
– स्कन्दगुप्त

1666. गुप्त वंश का अंतिम शासक कौन था ?
– विष्णुगुप्त

1667. गुप्त साम्राज्य की प्रादेशिक इकाईयों का अवरोही क्रम है–
– देश–भूक्ति या प्रांत–विषय या जिला–ग्राम

1668. गुप्त साम्राज्य की सबसे बड़ी इकाई थी–
– देश

1669. गुप्त साम्राज्य के सबसे बड़ी प्रादेशिक इकाई 'देश' के शासक को कहा जाता था–
– गोप्ता

1670. गुप्त साम्राज्य की दूसरी बड़ी प्रादेशिक इकाई (देश से छोटी) थी–
– भूक्ति या प्रांत

1671. गुप्त साम्राज्य की दूसरी बड़ी प्रादेशिक इकाई (देश से छोटी) 'भूक्ति या प्रांत' थी, जिसके शासक को कहा जाता था–
– उपरिक

1672. गुप्त साम्राज्य में भूक्ति या प्रांत से छोटी प्रादेशिक इकाई थी–
– विषय या जिला

1673. गुप्त साम्राज्य में भूक्ति या प्रांत से छोटी प्रादेशिक इकाई 'विषय या जिला' होती थी, जिसके प्रमुख को कहा जाता था–
– विषयापति

1674. गुप्त प्रशासन की सबसे छोटी इकाई थी–
– ग्राम

1675. गुप्तकाल में ग्राम का प्रशासन किसके द्वारा संचालित होता था ?
– ग्राम सभा

1676. ग्राम सभा का मुखिया कहलाता था–
– ग्रामिक

1677. ग्राम सभा का मुखिया ग्रामिक कहलाता था, जबकि अन्य सदस्य कहलाते थे–
– महत्तर

1678. ग्राम–समूहों की छोटी इकाई को कहा जाता था–
– पेठ

1679. गुप्तकाल के किस शासक के अभिलेख में भूमि बिक्री सम्बन्धी अधिकारियों के क्रियाकलापों का उल्लेख मिलता है ?
– कुमारगुप्त के दामोदरपुर ताम्रपत्र में

1680. गुप्त प्रशासन में भू–राजस्व कुल उत्पादन का कितना भाग होता था ?
– 1/4 भाग से 1/6 भाग तक

1681. गुप्तकाल में किसे राज्य के लिए आय का एक स्रोत माना जाता था और इसे जनता द्वारा दिया जाने वाला कर भी माना जाता था–
– बलात् श्रम (विष्टि)

1682. गुप्तकाल में कृषि करने योग्य भूमि को कहा जाता था–
– क्षेत्र

1683. गुप्तकाल में वास करने योग्य भूमि को कहा जाता था–
– वास्तु

1684. गुप्तकाल में पशुओं के चारा योग्य भूमि को कहा जाता था–
– चरागाह भूमि

1685. गुप्तकाल में ऐसी भूमि जो जोतने योग्य नहीं होती थी, को कहा जाता था–
– सिल

1686. गुप्तकाल में ऐसी भूमि जो जंगली होती थी, को कहा जाता था–
– अप्रहत

1687. गुप्तकाल में सिंचाई के लिए प्रयोग होता था–
– रहट या घंटी यंत्र

1688. गुप्तकाल में श्रेणी (व्यापारियों का संघ) के प्रधान को कहा जाता था–
– ज्येष्ठक

1689. गुप्तकाल में सर्वाधिक महत्वपूर्ण व्यापारिक केन्द्र था–
– उज्जैन

1690. सर्वाधिक स्वर्ण मुद्राएँ किस राजवंश के राजाओं ने ने जारी की थी ?
– गुप्त राजाओं ने

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1691. गुप्त राजाओं द्वारा जारी स्वर्ण मुद्राओं को अभिलेखों में कहा गया है–
– दीनार
1692. गुजरात के बाद गुप्त राजाओं ने बड़ी संख्या में चाँदी के सिक्के जारी किए जो प्रचलित थे–
– केवल स्थानीय लेन–देन में
1693. कायस्थों का सर्वप्रथम वर्णन किसमें मिलता है ?
– याज्ञवल्क्य स्मृति में
1694. जाति के रूप में कायस्थों का सर्वप्रथम वर्णन किस ग्रंथ में मिलता है ?
– ओशनम् स्मृति
1695. पहली बार किसी के सती होने का प्रमाण 510 ई. के भानुगुप्त के एरण अभिलेख में मिलता है, जिसमें किसी व्यक्ति की मृत्यु पर उसकी पत्नी के सती होने का साक्ष्य है, उस व्यक्ति का नाम था–
– भोजराज
1696. पहली बार किसी के सती होने का प्रमाण किस अभिलेख में मिलता है ?
– एरण अभिलेख में
1697. सती होने का सर्वप्रथम साक्ष्य देने वाले एरण अभिलेख का संबंध किस शासक से है ?
– भानुगुप्त
1698. गुप्तकाल में वृद्ध वेश्याओं को कहा जाता था–
– कुट्टनी
1699. गुप्तकाल में वेश्यावृत्ति करने वाली महिलाओं को कहा जाता था–
– गणिका
1700. गुप्त सम्राट् किस धर्म के अनुयायी थे ?
– वैष्णव धर्म
1701. गुप्त सम्राटों ने किस धर्म को राजधर्म बनाया ?
– वैष्णव धर्म
1702. गुप्त सम्राटों का राजचिन्ह था–
– विष्णु भगवान का वाहन गरुड़
1703. गुप्तकाल में वैष्णव धर्म संबंधी महत्वपूर्ण अवशेष है–
– देवगढ़ का दशावतार मंदिर
1704. गुप्तकाल में वैष्णव धर्म संबंधी महत्वपूर्ण अवशेष देवगढ़ का दशावतार मंदिर है, जो किस नदी के किनारे स्थित है ?
– बेतवा नदी
1705. अजन्ता में निर्मित कुल 29 गुफाओं में वर्तमान में केवल कितनी शेष हैं ?
– 6
1706. अजन्ता में निर्मित कुल 29 गुफाओं में कौनसी गुप्तकालीन गुफाएँ हैं ?
– गुफा संख्या 16 एवं 17
1707. अजन्ता में निर्मित किस गुफा में उत्कीर्ण मरणासन्न राजकुमारी का चित्र प्रशंसनीय है ?
– गुफा संख्या 16
1708. अजन्ता में निर्मित गुप्तकालीन गुफा संख्या 16 में उत्कीर्ण चित्र है–
– मरणासन्न राजकुमारी
1709. अजन्ता में निर्मित किस गुफा को चित्रशाला कहा गया है ?
– गुफा संख्या 17
1710. अजन्ता में निर्मित गुफा संख्या 17 को कहा गया है–
– चित्रशाला
1711. अजन्ता में निर्मित गुप्तकालीन गुफा संख्या 17 को चित्रशाला कहा गया है, जिसमें किन घटनाओं से संबंधित चित्र उद्धृत किये गये हैं ?
– महात्मा बुद्ध के जन्म, जीवन, महाभिनिष्क्रमण एवं महापरिनिर्वाण की घटनाओं से
1712. अजन्ता की गुफाएँ बौद्ध धर्म की किस शाखा से संबंधित है ?
– महायान शाखा
1713. बाघ नामक स्थान (जिला–धार, मध्य प्रदेश) पर विंध्यपर्वत को काटकर बनाई गई बाघ की गुफा का निर्माण किस काल में कराया गया था ?
– गुप्तकाल
1714. अजन्ता की कौनसी गुफा सर्वाधिक प्राचीन है, जिसमें सौलह बौद्ध उपासकों को स्तूप की तरफ आगे बढ़ते हुए चित्रित किया गया है ?
– गुफा संख्या 9
1715. गुप्तकाल में विष्णु शर्मा द्वारा लिखित पंचतंत्र को संसार का सर्वाधिक प्रचलित ग्रंथ माना जाता है। यह किस भाषा में लिया गया ?
– संस्कृत
1716. गुप्तकाल में लिखित ग्रंथ पंचतंत्र के लेखक हैं–
– विष्णु शर्मा
1717. बाइबिल के बाद दूसरा स्थान किस ग्रंथ का है ?
– पंचतंत्र (लेखक–विष्णु शर्मा)
1718. विष्णु शर्मा द्वारा रचित पंचतंत्र को कितने भागों में बाँटा गया है ?
– 5 भागों में (1.मित्रभेद 2.मित्रलाभ 3.संधि–विग्रह 4.लब्ध–प्रणाशु 5.अपरीक्षाकारित्व)
1719. 'आर्यभट्टीयम' नामक ग्रंथ के लेखक हैं–
– आर्यभट्ट
1720. 'सूर्यसिद्धांत' नामक ग्रंथ के लेखक हैं–
– आर्यभट्ट
1721. किस प्राचीन विद्वान ने सूर्यग्रहण एवं चन्द्रग्रहण के वास्तविक कारण बताए–
– आर्यभट्ट ने
1722. पहला भारतीय नक्षत्र वैज्ञानिक, जिसने घोषणा की कि पृथ्वी अपनी धूरी पर घूमती है, कौन थे ?
– आर्यभट्ट
1723. 'वृहत् संहिता' के लेखक हैं–
– वराहमिहिर
1724. 'पंचसिद्धांत वृहज्जाक' के लेखक हैं–
– वराहमिहिर
1725. 'लघुजातक' के लेखक हैं–
– वराहमिहिर
1726. वराहमिहिर की कृति 'वृहत् संहिता' में किन विषयों पर चर्चा की गई है ?
– नक्षत्र विद्या, वनस्पतिशास्त्र, प्राकृतिक इतिहास और भौतिक भूगोल
1727. ब्रह्मगुप्त किस युग के महान नक्षत्र वैज्ञानिक एवं गणितज्ञ थे ?
– गुप्तकाल

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1728. न्यूटन के सिद्धांत की पूर्व कल्पना करने वाले गुप्तकाल के महान नक्षत्र वैज्ञानिक एवं गणितज्ञ थे–
– ब्रह्मगुप्त
1729. किसने यह घोषणा करके न्यूटन के सिद्धांत की पूर्व कल्पना कर ली–''प्रकृति के एक नियम के अनुसार सभी वस्तुएँ पृथ्वी पर गिरती हैं, क्योंकि पृथ्वी स्वभाव से ही सभी वस्तुओं को अपनी ओर आकर्षित करती हैं ?''
– ब्रह्मगुप्त
1730. गुप्तकाल में पशु–चिकित्सा पर लिखी गई पुस्तक 'हस्त्यायुर्वेद' के लेखक हैं–
– पलकाप्व
1731. गुप्तकाल में रचित पुस्तक 'नवनीतकम्' में किन विषयों का वर्णन है ?
– नुस्खे, सूत्र और उपचार विधियाँ
1732. पुराणों की वर्तमान रूप में रचना किस काल में हुई ?
– गुप्तकाल में
1733. गुप्त राजाओं की शासकीय भाषा थी–
– संस्कृत
1734. गुप्तकाल में चाँदी के सिक्कों को कहा जाता था–
– रूप्यका
1735. याज्ञवल्क्य स्मृति की रचना किस काल में हुई ?
– गुप्तकाल में
1736. नारद स्मृति की रचना किस काल में हुई ?
– गुप्तकाल में
1737. बृहस्पति स्मृति की रचना किस काल में हुई ?
– गुप्तकाल में
1738. मंदिर बनाने की कला का जन्म किस काल में हुआ ?
– गुप्तकाल में
1739. त्रिमूर्ति की अवधारणा का विकास किस काल में हुआ ?
– गुप्तकाल में
1740. गुप्त वंश के शासकों ने मंदिरों एवं ब्राह्मणों को सबसे अधिक किसका अनुदान किया ?
– ग्राम का
1741. लौकिक साहित्य की सर्जना के लिए कौनसा काल स्मरणीय है ?
– गुप्तकाल
1742. भास के तेरह नाटक किस काल के हैं ?
– गुप्तकाल
1743. 'मृच्छकटिकम्' के लेखक हैं–
– शूद्रक
1744. 'मृच्छकटिकम्' का शाब्दिक अर्थ है–
– खिलौनागाड़ी
1745. शूद्रक की रचना 'मृच्छकटिकम्' में बृहस्पति स्मृति की रचना किस काल में हुई ?
– गुप्तकाल
1746. शूद्रक की कृति 'मृच्छकटिकम्' को प्राचीन नाटकों में सर्वोत्कृष्ट माना जाता है, इसमें क्या वर्णित है ?
– एक निर्धन ब्राह्मण के साथ वेश्या का प्रेम
1747. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के लेखक हैं–
– कालिदास
1748. कालिदास की कृति 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' में क्या वर्णित है ?
– राजा दुष्यंत एवं शकुंतला की प्रेम कथा
1749. कालिदास किसके शासनकाल में थे ?
– चन्द्रगुप्त द्वितीय
1750. भगवद्गीता के बाद द्वितीय भारतीय रचना, जिसका अनुवाद यूरोपीय भाषाओं में हुआ–
– अभिज्ञानशाकुन्तलम् (लेखक–कालिदास)
1751. गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग क्यों कहा जाता है ?
– सांस्कृतिक उपलब्धियों के कारण
1752. सांस्कृतिक उपलब्धियों के कारण गुप्तकाल को कहा जाता है–
– स्वर्ण युग
1753. नगरों का क्रमिक पतन किस काल की महत्वूपर्ण विशेषता थी ?
– गुप्तकाल
1754. गुप्तकालीन प्रसिद्ध विष्णु मंदिर कहाँ स्थित है ?
– तिगवा (जबलपुर, मध्य प्रदेश)
1755. गुप्तकालीन प्रसिद्ध शिव मंदिर कहाँ स्थित है ?
– भूमरा एवं खोह (नागौद, मध्य प्रदेश)
1756. गुप्तकालीन प्रसिद्ध पार्वती मंदिर कहाँ स्थित है ?
– नयना कुठार (मध्य प्रदेश)
1757. दशावतार मंदिर (ईंटों द्वारा निर्मित) स्थित है–
– देवगढ़ (ललितपुर, उत्तर प्रदेश)
1758. लक्ष्मण मंदिर (ईंटों द्वारा निर्मित) स्थित है–
– भीतर गाँव (कानपुर, उत्तर प्रदेश)
1759. पुलिस विभाग का मुख्य अधिकारी कहलाता था–
– दण्डपाशिक
1760. पुलिस विभाग के साधारण कर्मचारियों को कहा जाता था–
– चाट एवं भाट
1761. पुलिस विभाग का मुख्य अधिकारी कहलाता था–
– दण्डपाशिक
1762. विख्यात चिकित्सक धनवन्तरि किस शासक के दरबार में थे ?
– चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य)
1763. गंगा और सोन नदियों के संगम पर 'पाटलिपुत्र' नामक नगर की स्थापना किस शासक ने की थी ?
– उदयिन
1764. अजन्ता के अधिकतम चित्र किस शासनकाल से संबंधित है ?
– गुप्तकाल से
1765. गुप्तकाल में भारत की यात्रा करने वाला चीनी यात्री कौन था ?
– फाहियान
1766. अजन्ता के अधिकतम चित्र किस शासनकाल से सम्बन्धित है ?
– गुप्तकाल से
1767. हरिसेन द्वारा रचित 'प्रयाग प्रशस्ति' में किस शासक के विजय अभियानों का वर्णन है ?
– समुद्रगुप्त

1768. किस गुप्त शासक ने हुणों को परास्त किया ?
– स्कन्दगुप्त ने

1769. गुप्तकाल में 'कुल्यावाप' है–
– भूमि माप की एक इकाई

1770. किस मंदिर में शिखर का सबसे पहला उदाहरण मिलता है ?
– देवगढ़ का दशावतार मंदिर (उत्तर प्रदेश)

1771. समुद्रगुप्त के दरबारी कवि हरिषेण ने उसकी सैन्य सफलताओं का वर्णन किस अभिलेख में किया ?
– इलाहाबाद अभिलेख में

1772. गुप्त वंश का कौनसा शासक देवराज तथा देवगुप्त के नाम से भी जाना जाता है ?
– चन्द्रगुप्त द्वितीय

1773. गुप्त प्रशासन में गजसेना के अध्यक्ष को कहा जाता था–
– महापीलुपति को

19.वाकाटक वंश

1774. वाकाटक राजवंश की स्थापना 255 ई. के लगभग किसने की थी ?
– विन्ध्यशक्ति ने

1775. वाकाटक राजवंश का राज्य किन राजवंशों के राज्यों के बीच स्थित था ?
– गुप्त एवं शक राज्यों के बीच

1776. वाकाटक राजवंश के संस्थापक विन्ध्यशक्ति के पूर्वज किसके अधीन स्थानीय शासक थे ?
– सातवाहनों के अधीन बरार (विदर्भ) के

1777. विन्ध्यशक्ति के पश्चात् वाकाटक वंश का शासक हुआ–
– प्रवरसेन (275–335 ई.)

1778. वाकाटक वंश का वह अकेला शासक कौन था, जिसने सम्राट की उपाधि धारण की ?
– प्रवरसेन प्रथम

1779. वाकाटक वंश के किस शासक ने चार अश्वमेध यज्ञ किये थे ?
– प्रवरसेन प्रथम

1780. किस ग्रथ से पता चलता है कि वाकाटक वंश के शासक प्रवरसेन ने चार अश्वमेध यज्ञ किये थे ?
– पुराणों से

1781. वाकाटक वंश के शासक प्रवरसेन प्रथम के पश्चात् वाकाटक साम्राज्य कितनी शाखाओं में विभक्त हो गया ?
– 1.प्रधान शाखा 2.बासीम (वरसगुल्म) शाखा

1782. रूद्रसेन प्रथम (335–360 ई.) वाकाटक साम्राज्य की किस शाखा के शासक थे ?
– प्रधान शाखा

1783. प्रभावती गुप्ता (390–410 ई.) वाकाटक साम्राज्य की किस शाखा की शासिका थी ?
– प्रधान शाखा

1784. प्रवरसेन द्वितीय (410–440 ई.) वाकाटक साम्राज्य की किस शाखा के शासक थे ?
– प्रधान शाखा (नंदीवर्धन–प्रवरपुर शाखा)

1785. नरेन्द्र सेन (440–460 ई.) वाकाटक साम्राज्य की किस शाखा के शासक थे ?
– प्रधान शाखा

1786. पृथ्वीसेन द्वितीय (460–480 ई.) वाकाटक साम्राज्य की किस शाखा के शासक थे ?
– प्रधान शाखा

1787. गुप्त शासक चन्द्रगुप्त द्वितीय ने अपनी पुत्री प्रभावतीगुप्ता का विवाह किस वाकाटक नरेश से किया ?
– रूद्रसेन द्वितीय

1788. चन्द्रगुप्त द्वितीय की पुत्री प्रभावतीगुप्ता से विवाह कुछ समय बाद रूद्रसेन द्वितीय की मृत्यु हो जाने पर वाकाटक राज्य का शासन उसकी पत्नी प्रभावती गुप्ता ने क्यों संभाला ?
– उसके दोनों पुत्र दिवाकर सेन एवं दामोदर सेन अवयस्क थे

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1789. प्रभावतीगुप्ता के संरक्षण काल के बाद उसका कनिष्ठ पुत्र दामोदर सेन किस नाम से वाकाटक राजवंश की गद्दी पर बैठा ?
– प्रवरसेन द्वितीय
1790. वाकाटकों की प्रधान शाखा का अंतिम शासक कौन था ?
– पृथ्वीसेन द्वितीय
1791. वाकाटक वंश की बासीम शाखा की स्थापना 330 ई. में किसके द्वारा की गई थी ?
– सर्वसेन (प्रवरसेन के छोटे पुत्र)
1792. 330 ई. में प्रवरसेन के छोटे पुत्र सर्वसेन ने किस स्थान पर एक स्वतंत्र राज्य (वाकाटक वंश की बासीम शखा) की स्थापना की थी ?
– वत्सगुल्म (बासीम, जिला–अकोला, महाराष्ट्र)
1793. सर्वसेन वाकाटक वंश की किस शाखा के राजा थे ?
– बासीम शाखा
1794. विन्ध्यशक्ति द्वितीय (350–400 ई.) वाकाटक वंश की किस शाखा के राजा थे ?
– बासीम शाखा
1795. हरिषेण (475–510 ई.) वाकाटक वंश की किस शाखा के राजा थे ?
– बासीम शाखा
1796. वाकाटक वंश की बासीम शाखा का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक था–
– हरिषेण
1797. वाकाटक वंश का अंतिम शासक था–
– हरिषेण
1798. वाकाटक वंश के किस राजा ने मराठी प्राकृतकाव्य 'सेतुबन्ध' की रचना की ?
– प्रवरसेन द्वितीय
1799. वाकाटक वंश के किस राजा ने 'हरिविजय' नामक प्राकृत काव्य–ग्रंथ लिखा ?
– सर्वसेन ने
1800. संस्कृत की किस शैली का विकास वाकाटक नरेशों के दरबार में हुआ ?
– वैदर्भी शैली
1801. चन्द्रगुप्त द्वितीय के राजकवि कालिदास ने कुछ समय तक वाकाटक वंश के किस शासक की राजसभा में निवास किया और वहाँ उन्होंने सेतुबन्ध का संशोधन किया ?
– प्रवरसेन द्वितीय
1802. चन्द्रगुप्त द्वितीय के राजकवि कालिदास ने कुछ समय तक वाकाटक वंश के किस शासक की राजसभा में निवास किया और वहाँ उन्होंने वैदर्भी शैली में अपना काव्य मेघदूत लिखा ?
– प्रवरसेन द्वितीय
1803. अजन्ता का सोलहवाँ तथा सत्रहवाँ गुहा विहार और उन्नीसवें गुहा चैत्य का निर्माण किस शासनकाल में हुआ ?
– वाकाटकों के शासनकाल में

20.पुष्यभूति वंश या वर्द्धन वंश

1804. गुप्त वंश के पतन के बाद जिन नये राजवंशों का उद्भव हुआ, उनमें प्रमुख राजवंश थे–
– मैत्रक, मौखरि, पुष्यभूति, परवर्ती गुप्त और गौड़
1805. पुष्यभूति वंश के संस्थापक थे–
– पुष्यभूति
1806. पुष्यभूति वंश की राजधानी थी–
– थानेश्वर (हरियाणा प्रांत के कुरुक्षेत्र जिले में)
1807. पुष्यभूति वंश या वर्द्धन वंश की स्वतंत्रता का जन्मदाता तथा इस वंश का प्रथम प्रभावशाली के शासक था–
– प्रभाकरवर्द्धन
1808. पुष्यभूति वंश (वर्द्धन वंश) के शासक प्रभाकरवर्द्धन ने कौनसी उपाधियाँ धारण की ?
– परमभट्टारक और महाराजाधिराज
1809. प्रभाकरवर्द्धन की पत्नी का नाम था–
– यशोमती
1810. प्रभाकरवर्द्धन की पत्नी यशोमती से दो पुत्र और एक कन्या पैदा हुई, जिनके नाम थे–
– राज्यवर्द्धन, हर्षवर्द्धन तथा राज्यश्री
1811. प्रभाकरवर्द्धन की पुत्री राज्यश्री का विवाह किसके साथ हुआ ?
– कन्नौज के मौखरि राजा ग्रहवर्मा के साथ
1812. किस शासक ने हर्षवर्द्धन के बहनोई ग्रहवर्मा की हत्या कर दी और बहिन राज्यश्री को बंदी बनाकर कारागार में डाल दिया ?
– मालवा के शासक देवगुप्त ने
1813. मालवा के शासक देवगुप्त की हत्या किसने की ?
– राज्यवर्द्धन ने
1814. मालवा नरेश देवगुप्त के उस मित्र का नाम क्या था, जिसने धोखे से राज्यवर्द्धन की हत्या की ?
– गौड़ नरेश शशांक
1815. गौड़ नरेश शशांक किस धर्म का अनुयायी था ?
– शैव धर्म
1816. किस शासक ने बोधिवृक्ष (बोधगया में स्थित) को कटवा दिया था ?
– गौड़ नरेश शशांक
1817. राज्यवर्द्धन की मृत्यु के बाद 606 ई. में 16 वर्ष की अवस्था में थानेश्वर की गद्दी पर कौन बैठा ?
– हर्षवर्द्धन
1818. हर्ष को अन्य किस नाम से जाना जाता है ?
– शिलादित्य
1819. हर्ष ने कौनसी उपाधि धारण की थी ?
– परमभट्टारक नरेश
1820. हर्ष और पुलकेशिन द्वितीय के बीच किस नदी के तट पर युद्ध हुआ, जिसमें हर्ष की पराजय हुई ?
– नर्मदा नदी
1821. हर्षवर्द्धन के शासनकाल में कौन चीनी यात्री भारत आया था ?
– हुएनसाँग
1822. चीनी यात्री हुएनसाँग किसके शासनकाल में भारत आया था ?
– हर्षवर्द्धन

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1823. किस चीनी यात्री को यात्रियों में राजकुमार, नीति का पंडित एवं वर्तमान शाक्यमुनि कहा जाता है ?
– हुएनसाँग को

1824. चीनी यात्री हुएनसाँग किस उद्देश्य से भारत आया था ?
– नालंदा विश्वविद्यालय में अध्ययन करने एवं बौद्ध ग्रंथ संग्रह करने के उद्देश्य से

1825. 641 ई. में अपने दूत चीन भेजने वाले वर्द्धन वंश के शासक थे–
– हर्षवर्द्धन

1826. 643 ई. एवं 645 ई. में दो चीनी दूत वर्द्धन वंश के किस शासक के दरबार में आये थे ?
– हर्षवर्द्धन

1827. हर्षवर्द्धन ने किस शासक से बुद्ध के दंत अवशेष बलपूर्वक प्राप्त किए ?
– कश्मीर के शासक से

1828. हर्षवर्द्धन के पूर्वज किस भगवान के अनन्य उपासक थे ?
– भगवान शिव और सूर्य

1829. प्रारंभ में हर्ष अपने कुलदेवता शिव का परम भक्त था, किंतु चीनी यात्री हुएनसाँग से मिलने के बाद उसने बौद्ध धर्म की किस शाखा को राज्याश्रय प्रदान किया तथा वह पूर्ण बौद्ध बन गया ?
– महायान शाखा

1830. हर्ष के समय में महायान बौद्ध धर्म की शिक्षा का प्रधान केन्द्र था–
– नालंदा महाविहार

1831. हर्षवर्द्धन के समय में प्रति पाँचवें वर्ष समारोह का आयोजन कहाँ होता था ?
– प्रयाग में

1832. हर्षवर्द्धन के समय में प्रयाग में प्रति पाँचवें वर्ष एक समारोह आयोजित किया जाता था। चीनी यात्री हुएनसाँग किस समारोह में सम्मिलित हुआ ?
– छठे समारोह में

1833. हर्षवर्द्धन के समय में प्रयाग में प्रति पाँचवें वर्ष एक समारोह आयोजित किया जाता था, जिसे कहा जाता था–
– महामोक्षपरिषद्

1834. बाणभट्ट किस शासक के दरबारी कवि थे ?
– हर्षवर्द्धन के

1835. 'हर्षचरित' की रचना किसने की ?
– बाणभट्ट ने

1836. 'कादम्बरी' की रचना किसने की ?
– बाणभट्ट ने

1837. 'प्रियदर्शिका' नामक संस्कृत नाटक की रचना किसने की थी ?
– हर्षवर्द्धन ने

1838. 'रत्नावली' नामक संस्कृत नाटक की रचना किसने की थी ?
– हर्षवर्द्धन ने

1839. 'नागानन्द' नामक संस्कृत नाटक की रचना किसने की ?
– हर्षवर्द्धन ने

1840. 'प्रियदर्शिका' की रचना किसने की ?
– हर्षवर्द्धन ने

1841. वर्द्धन वंश के किस शासक को भारत का अंतिम हिन्दू सम्राट् कहा गया है ?
– हर्षवर्द्धन

1842. कहा जाता है कि धावक नामक कवि ने हर्ष से पुरस्कार लेकर उसके नाम से तीन नाटक लिखे, जिनके नाम थे–
– प्रियदर्शिका, रत्नावली और नागानन्द

1843. हर्ष के अधीनस्थ शासक क्या कहे जाते थे ?
– महाराज अथवा महासामन्त

1844. हर्ष के मंत्रिपरिषद् के मंत्री को कहा जाता था–
– सचिव या आमात्य

1845. प्रशासन की सुविधा के लिए हर्ष का साम्राज्य कई प्रांतों में विभाजित था। प्रांत को कहा जाता था–
– भूक्ति

1846. प्रशासन की सुविधा के लिए हर्ष का साम्राज्य प्रांतों में विभाजित था। प्रांत को भूक्ति कहा जाता था, जिसका शासक कहलाता था–
– राजस्थानीय, उपरित अथवा राष्ट्रीय

1847. हर्ष के प्रशासन में भूक्ति (प्रांत) का विभाजन जिलों में होता था। जिले को कहा जाता था–
– विषय

1848. हर्ष के प्रशासन में भूक्ति (प्रांत) का विभाजन जिलों में होता था। जिले को विषय कहा जाता था, जिसका प्रधान कहलाता था–
– विषयपति

1849. हर्ष के प्रशासन में प्रांत (भूक्ति) का विभाजन जिलों (विषय) में तथा प्रत्येक जिला (विषय) किसमें विभाजित थे–
– पाठक (आधुनिक तहसील)

1850. हर्ष के समय शासन की सबसे छोटी इकाई थी–
– ग्राम

1851. हर्ष के समय ग्राम शासन का प्रधान कहलाता था–
– ग्रामाक्षपटलिक

1852. हर्षचरित में प्रान्तीय शासक के लिए कौनसा शब्द प्रयुक्त हुआ है ?
– लोकपाल

1853. हर्षचरित के अनुसार हर्ष की मंत्रिपरिषद् में भण्डि किसे कहा जाता था ?
– प्रधान सचिव को

1854. हर्षचरित के अनुसार हर्ष की मंत्रिपरिषद् में सिंहनाद किसे कहा जाता था ?
– प्रधान सेनापति को

1855. हर्षचरित के अनुसार हर्ष की मंत्रिपरिषद् में कुन्तल किसे कहा जाता था ?
– अश्व सेना का प्रमुख

1856. हर्षचरित के अनुसार हर्षवर्द्धन की मंत्रिपरिषद् में स्कन्दगुप्त किसे कहा जाता था ?
– गज सेना के प्रमुख को

1857. हर्ष के प्रशासन में दण्डपाशिक तथा दाण्डिक किस विभाग के अधिकारी होते थे ?
– पुलिस विभाग

RAS STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1858. हर्ष के प्रशासन में पुलिस कर्मियों को कहते थे–
– चाट या भाट
1859. हर्ष के प्रशासन में अश्व सेना के अधिकारियों को कहा जाता था–
– बृहदेश्वर
1860. हर्ष के प्रशासन में पैदल सेना के अधिकारियों को कहा जाता था–
– बलाधिकृत या महाबलाधिकृत
1861. हर्षचरित में सिंचाई के साधन के रूप में किसका उल्लेख मिलता है ?
– तुलायंत्र (जलपम्प)
1862. हर्ष के समय सूती वस्त्रों के निर्माण के लिए प्रसिद्ध केन्द्र था–
– मथुरा

21.दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश

पल्लव वंश

1863. पल्लव वंश का संस्थापक कौन था ?
– सिंहविष्णु (575–600 ई.)
1864. पल्लव वंश की राजधानी थी–
– काँची (तमिलनाडु में काँचीपुरम)
1865. पल्लव वंश के संस्थापक सिंहविष्णु किस धर्म का अनुयायी था ?
– वैष्णव धर्म
1866. पल्लव वंश के शासक सिंहविष्णु ने कौनसी उपाधि धारण की ?
– अवनि सिंह
1867. मामल्लपुरम में आदि वाराह के मंदिर का निर्माण किस शासक ने करवाया ?
– पल्लव वंश के शासक सिंहविष्णु ने
1868. 'किरातार्जुनीयम' के लेखक हैं–
– भारवि
1869. किरातार्जुनीयम के लेखक भारवि किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– पल्लव वंश के शासक सिंहविष्णु के
1870. महेन्द्र वर्मन प्रथम (600–630 ई.) किस वंश के शासक थे ?
– पल्लव वंश
1871. नरसिंह वर्मन प्रथम (630–668 ई.) किस वंश के शासक थे ?
– पल्लव वंश
1872. महेन्द्र वर्मन द्वितीय (668–670 ई.) किस वंश के शासक थे ?
– पल्लव वंश
1873. परमेश्वर वर्मन प्रथम (670–700 ई.) किस वंश के शासक थे ?
– पल्लव वंश
1874. नरसिंह वर्मन द्वितीय (700–728 ई.) किस वंश के शासक थे ?
– पल्लव वंश
1875. नंदिवर्मन द्वितीय (730–800 ई.) किस वंश के शासक थे ?
– पल्लव वंश
1876. 'मत्तविलास प्रहसन' की रचना किसने की थी ?
– महेन्द्रवर्मन ने
1877. महेन्द्र वर्मन प्रारम्भ में किस धर्म का अनुयायी था ?
– जैन धर्म
1878. महेन्द्र वर्मन प्रारम्भ में जैन धर्म का अनुयायी था, परन्तु बाद में कौनसा धर्म अपनाया ?
– शैव धर्म
1879. महेन्द्र वर्मन प्रारंभ में जैन–मतावलंबी था, जो किंतु बाद में किस संत के प्रभाव में आकर शैव बना ?
– तमिल संत अप्पर
1880. महेन्द्र वर्मन प्रारंभ में जैन–मतावलंबी था, परन्तु बाद में तमिल संत अप्पर के प्रभाव में आकर किस धर्म को अपनाया ?
– शैव धर्म

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1881. महाबलीपुरम् के एकाश्म मंदिर जिन्हें रथ कहा गया है, का निर्माण किस शासक के द्वारा करवाया गया था ?
– पल्लव राजा नरसिंह वर्मन प्रथम

1882. पल्लव राजा नरसिंह वर्मन प्रथम द्वारा महाबलीपुरम् में निर्माण गये एकाश्म मंदिर, जिन्हें रथ कहा जाता था। इन रथ मंदिरों की संख्या कितनी थी ?
– सात

1883. रथ मंदिरों में सबसे छोटा रथ मंदिर का क्या नाम था ?
– द्रोपदी रथ

1884. पल्लव काल के किस रथ मंदिर में किसी प्रकार का अलंकरण नहीं मिलता है ?
– द्रोपदी रथ

1885. वातपीकोण्ड व महामल्ल की उपाधि किस पल्लव शासक ने धारण की थी ?
– नरसिंह वर्मन प्रथम ने

1886. पल्लव वंश के किस शासक के समय चीनी यात्री हुएनसाँग काँची आया था ?
– नरसिंह वर्मन प्रथम के

1887. पल्लव शासक परमेश्वर वर्मन प्रथम किस धर्म का मतानुयायी था ?
– शैव धर्म

1888. पल्लव शासक परमेश्वर वर्मन प्रथम ने कौनसी उपाधियाँ धारण की थी ?
–लोकादित्य, एकमल्ल, रणंजय,उग्रदण्ड, गुणभाजन, अत्यन्तकाम, विद्याविनीत आदि

1889. किस पल्लव शासक ने मामल्लपुरम में गणेश मंदिर का निर्माण करवाया था ?
– परमेश्वर वर्मन प्रथम ने

1890. पल्लव शासक परमेश्वर वर्मन प्रथम विद्याप्रेमी होने के कारण कौनसी उपाधि ग्रहण की थी ?
– विद्याविनीत

1891. अरबों के आक्रमण के समय पल्लवों का शासक था–
– नरसिंहवर्मन द्वितीय

1892. किस पल्लव शासक ने काँची में कैलाशनाथ मंदिर का निर्माण करवाया ?
– नरसिंहवर्मन द्वितीय ने

1893. पल्लव शासक नरसिंहवर्मन द्वितीय द्वारा काँची में बनवाये गये कैलाशनाथ मंदिर को किस अन्य नाम से भी जाना जाता है ?
– राजसिद्धेश्वर मंदिर

1894. पल्लव शासक नरसिंहवर्मन द्वितीय द्वारा बनवाये गये किस मंदिर के निर्माण से द्रविड़ स्थापत्य कला की शुरूआत हुई ?
– काँची का कैलाशनाथ मंदिर

1895. पल्लव शासक नरसिंहवर्मन द्वितीय ने कौनसी उपाधियाँ धारण की थी ?
– राजासिंह (राजाओं में सिंह), आगमप्रिय (शास्त्रों का प्रेमी) और शंकरभक्त (शिव का उपासक)

1896. महाबलिपुरम् में शोर मंदिर का निर्माण किस पल्लव शासक ने करवाया था ?
– नरसिंहवर्मन द्वितीय ने

1897. पल्लव शासक नरसिंहवर्मन द्वितीय द्वारा बनवाये गये किस मंदिर में पल्लव राजाओं और रानियों की आदमकद तस्वीरें लगी हैं ?
– काँची के कैलाशनाथ मंदिर में

1898. 'दशकुमारचरित' के लेखक हैं–
– दण्डी

1899. 'भारतवेणवा' नामक ग्रंथ के रचयिता है ?
– संत पेरुन्देवनार

1900. 'दशकुमारचरित' के लेखक दण्डी किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– पल्लव शासक नरसिंहवर्मन द्वितीय के

1901. काँची के मुक्तेश्वर मंदिर का निर्माण किस शासक ने करवाया ?
– पल्लव शासक नन्दिवर्मन द्वितीय ने

1902. काँची के बैकुण्ठ पेरूमाल मंदिर का निर्माण किस शासक ने करवाया ?
– नन्दिवर्मन द्वितीय ने

1903. प्रसिद्ध वैष्णव संत तिरुमंगनई अलवार किस पल्लव शासक के समकालीन थे ?
– नन्दिवर्मन द्वितीय

1904. नन्दिवर्मन तृतीय किस धर्म का मतानुयायी था ?
– शैव धर्म

1905. तमिल भाषा का प्रसिद्ध कवि संत पेरुन्देवनार किस पल्लव शासक के यहाँ निवास करता था ?
– नन्दिवर्मन तृतीय

1906. पल्लव वंश का अंतिम शासक था–
– कम्प वर्मा (948–980 ई.)

चोल वंश

1907. 9वीं शताब्दी में किस वंश के पतन के बाद चोल वंश स्थापित हुआ ?
– पल्लव वंश

1908. चोल वंश के संस्थापक थे–
– विजयालय (850–887 ई.)

1909. चोल वंश की राजधानी थी–
– तंजौर या तंजावुर

1910. चोल वंश की राजधानी तंजावुर का वास्तुकार था–
– कुंजरमल्लन राजराज पेरूथच्चन

1911. चोल वंश के संस्थापक विजयालय ने कौनसी उपाधि धारण की ?
– नरकेसरी

1912. 'नरकेसरी' की उपाधि किस चोल शासक ने धारण की ?
– विजयालय

1913. किस चोल शासक ने निशुम्भसूदिनी देवी का मंदिर बनवाया था ?
– विजयालय

1914. चोलों का स्वतंत्र राज्य किसने स्थापित किया था ?
– आदित्य प्रथम ने

1915. पल्लवों पर विजय पाने के उपरान्त आदित्य प्रथम ने कौनसी उपाधि धारण की थी ?
– कोदण्डराम

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1916. तक्कोलम के युद्ध में राष्ट्रकूट नरेश कृष्ण तृतीय ने किसे पराजित किया ?
– परांतक प्रथम को

1917. किस युद्ध में राष्ट्रकूट नरेश कृष्ण तृतीय ने परांतक प्रथम को पराजित किया ?
– तक्कोलम युद्ध

1918. तक्कोलम के युद्ध में राष्ट्रकूट नरेश कृष्ण तृतीय ने परांतक प्रथम को पराजित किया। इस युद्ध में परातंक प्रथम का बड़ा लड़का मारा गया, जिसका नाम था–
– राजादित्य

1919. राजराज प्रथम ने श्रीलंका पर आक्रमण किया, तब श्रीलंका के राजा थे–
– महिम पंचम

1920. राजराज प्रथम ने श्रीलंका पर आक्रमण किया, तब वहाँ के राजा महिम पंचम को भागकर कहाँ शरण लेनी पड़ी ?
– श्रीलंका के दक्षिण जिला रोहण में

1921. राजराज प्रथम ने श्रीलंका के विजित प्रदेशों को चोल साम्राज्य का एक नया प्रांत बनाया, जिसका नाम था–
– मुक्तिचोलमंडलम

1922. राजराज प्रथम ने श्रीलंका के विजित प्रदेशों को चोल साम्राज्य का एक नया प्रांत मुक्तिचोलमंडलम बनाया, जिसकी राजधानी थी–
– पोलन्नरुवा

1923. राजराज प्रथम किस धर्म का अनुयायी था ?
– शैव धर्म

1924. तंजौर में राजराजेश्वर का शिव मंदिर किस शासक ने बनवाया ?
– राजराज प्रथम ने

1925. चोल साम्राज्य का सर्वाधिक विस्तार किस शासक के शासनकाल में हुआ ?
– राजेन्द्र प्रथम

1926. चोल शासक राजेन्द्र प्रथम ने बंगाल के किस शासक को पराजित किया ?
– पाल शासक महिपाल को

1927. बंगाल के पाल शासक महिपाल को पराजित करने के बाद राजेन्द्र प्रथम ने उपाधि धारण की–
– गंगैकोडचोल

1928. बंगाल के पाल शासक महिपाल को पराजित करने के बाद राजेन्द्र प्रथम ने नवीन राजधानी गंगैकोड चोलपुरम् के निकट एक विशाल तालाब का निर्माण करवाया, जिसका नाम था–
– चोलगंगम

1929. चोल शासक राजेन्द्र द्वितीय ने कौनसी उपाधि धारण की ?
– प्रकेसरी

1930. चोल शासक वीर राजेन्द्र ने कौनसी उपाधि धारण की ?
– राजकेसरी

1931. चोल वंश का अंतिम शासक था–
– राजेन्द्र तृतीय

1932. चोलों एवं पश्चिमी चालुक्य के बीच शांति स्थापित करने में किस शासक ने मध्यस्थ की भूमिका निभायी थी ?
– गोवा के कदम्ब शासक जयकेस प्रथम

1933. किस चोल शासक ने अभाव एवं अकाल से ग्रस्त गरीब जनता से राजस्व वसूल कर चिदंबरम् मंदिर का निर्माण करवाया था ?
– विक्रम चोल

1934. किस चोल शासक ने चिदम्बरम् मंदिर में स्थित गोविन्दराज (विष्णु) की मूर्ति को समुद्र में फेंकवा दिया ?
– कुलोतुंग द्वितीय

1935. कुलोतुंग द्वितीय ने चिदम्बरम् मंदिर में स्थित गोविन्दराज (विष्णु) की मूर्ति को समुद्र में फेंकवा दिया। कालांतर में किस संत ने उस मूर्ति का पुनरुद्धार कर तिरुपति के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठित किया ?
– वैष्णव आचार्य रामानुजाचार्य

1936. चोल प्रशासन में भाग लेने वाले निम्न श्रेणी के पदाधिकारियों को कहा जाता था–
– शेरुवन्दरन

1937. चोल प्रशासन में भाग लेने वाले निम्न श्रेणी के पदाधिकारियों को शेरुवन्दरम् कहा जाता था, जबकि उच्च पदाधिकारियों को कहा जाता था–
– पेरुन्दरम्

1938. चोल प्रशासन में पेरुन्दरम् कहा जाता था–
– उच्च श्रेणी के पदाधिकारियों को

1939. चोल प्रशासन में शेरुवन्दरम् कहा जाता था–
– निम्न श्रेणी के पदाधिकारियों को

1940. चोल प्रशासन में उड़नकूटम् कहा जाता था–
– राजा के पास रहने वाला अधिकारी

1941. सम्पूर्ण चोल साम्राज्य कितने मंडलमों (प्रांतों) में विभक्त था ?
– 6

1942. चोल प्रशासन में मंडलम् (प्रांत) किसमें विभक्त थे–
– कोट्टम् में

1943. चोल प्रशासन में कोट्टम किसमें विभक्त थे ?
– नाडू में

1944. चोल प्रशासन में नाडु किसमें विभक्त थे ?
– कुर्रमों में

1945. चोल प्रशासन में मंडलम् (प्रांत), कोट्टम्, नाडू और कुर्रम का अवरोही क्रम होगा–
– मंडलम् (प्रांत), कोट्टम्, नाडु और कुर्रम

1946. चोल प्रशासन में नाडु की स्थानीय सभा को कहा जाता था–
– नाटूर

1947. चोल प्रशासन में नगर की स्थानीय सभा को कहा जाता था–
– नगरतार

1948. चोल प्रशासन में किस जाति के धनी किसानों को केन्द्रीय सरकार की देख–रेख में नाडु के काम–काज में अच्छा–खासा नियंत्रण हासिल था ?
– वेल्लाल जाति के धनी किसानों को

1949. चोल प्रशासन में कई भू–स्वामियों को चोल राजाओं के सम्मान के रूप में कौनसी उपाधियाँ दी और उन्हें केन्द्र में महत्वपूर्ण राजकीय पद सौंपे ?
– मुवेदवेलन और अरइवार
1950. चोल राजाओं के सम्मान के रूप में भू–स्वामियों को दी जानी वाली उपाधि 'मुवेदवेलन' का अर्थ है–
– तीन राजाओं को अपनी सेवाएँ प्रदान करने वाला वेलन या किसान
1951. स्थानीय स्वशासन दक्षिण भारत के किस राजवंश की मुख्य विशेषता थी ?
– चोल
1952. चोल प्रशासन में उर नामक संस्था थी–
– सर्वसाधारण लोगों की समिति
1953. चोल प्रशासन 'उर' सर्वसाधारण लोगों की समिति थी, जिसका कार्य होता था–
–सार्वजनिक कल्याण के लिए तालाबों और बगीचों के निर्माण हेतु गाँव की भूमि का अधिग्रहण करना
1954. चोल प्रशासन सार्वजनिक कल्याण के लिए तालाबों और बगीचों के निर्माण हेतु गाँव की भूमि का अधिग्रहण करने का कार्य करने वाली समिति को कहा जाता था–
– उर
1955. चोल प्रशासन की मुख्य विशेषता थी–
– स्थानीय स्वशासन
1956. चोल प्रशासन में मूलतः अग्रहारों और ब्राह्मण बस्तियों की सभा को कहा जाता था–
– सभा या महासभा
1957. चोल प्रशासन में सभा या महासभा मूलतः अग्रहारों ओर ब्राह्मण बस्तियों की सभा थी, जिसके सदस्यों को कहा जाता था–
– पेरुमक्कल
1958. चोल प्रशासन में सभा अपने कार्य को किस संस्था के द्वारा संचालित करती थी ?
– वरियम नाम की समितियों द्वारा
1959. चोल प्रशासन में सभा की बैठक कहाँ होती थी ?
– गाँव में मंदिर के निकट वृक्ष के नीचे या तालाब के किनारे
1960. चोल प्रशासन में व्यापारियों की सभा को कहते थे–
– नगरम्
1961. चोल काल में भूमिकर उपज का कितना भाग हुआ करता था ?
– 1/3
1962. चोल काल में गाँव में कार्य समिति की सदस्यता के लिए जो वेतनभोगी कर्मचारी रखे जाते थे, उन्हें कहा जाता था–
– मध्यस्थ
1963. चोल काल में ब्राह्मणों को दी गई करमुक्त भूमि कहलाती थी–
– चतुर्वेदि मंगलम्
1964. चोल काल में ब्राह्मणों को दान दी गई भूमि कहलाती थी–
– ब्रह्मदेय
1965. चोल काल में गैर ब्राह्मण किसान स्वामी की भूमि कहलाती थी–
– वेल्लनवगाई
1966. चोल काल में ब्राह्मणों को उपहार में दी गई भूमि कहलाती थी–
– ब्रह्मदेय
1967. चोल काल में किसी विद्यालय के रख–रखाव की भूमि कहलाती थी–
– शालाभोग
1968. चोल काल में मंदिर को उपहार में दी गई भूमि कहलाती थी–
– देवदान या तिरुनमटड्क्कनी
1969. चोल काल में जैन संस्थाओं को दान दी गई भूमि कहलाती थी–
– पल्लिच्चंदम
1970. चोल काल में सबसे संगठित अंग था–
– पदाति सेना
1971. चोल काल में कंलजु कहते थे–
– सोने के सिक्कों को
1972. चोल काल में तमिल कवियों में प्रसिद्ध जयन्गोंदर की रचना है–
– कलिंगतुपर्णि
1973. तमिल कवियों में प्रसिद्ध जयन्गोंदर किस चोल शासक का राजकवि था ?
– कुलोतुँग प्रथम
1974. तमिल साहित्य के त्रिरत्न हैं–
– कंबन, औट्टक्कुट्टन और पुगलेंदि
1975. कन्नड़ साहित्य के त्रिरत्न हैं–
– पंप, पोन्न एवं रन्न
1976. तंजौर के बृहदेश्वर मंदिर के विमान को भारतीय वास्तुकला का निकष किसने माना है ?
– पर्सी ब्राऊन ने
1977. पर्सी बाऊन ने किस मंदिर के विमान को भारतीय वास्तुकला का निकष माना है ?
– तंजौर का बृहदेश्वर मंदिर
1978. चोलकालीन किस प्रतिमा या मूर्ति को चोल कला का सांस्कृतिक सार या निचोड़ कहा जाता है ?
– नटराज प्रतिमा
1979. दक्षिण भारत के किस राजवंश की कांस्य प्रतिमाएँ संसार की सबसे उत्कृष्ट कांस्य प्रतिमाओं में गिनी जाती है ?
– चोल
1980. शैव संत इसानशिव किस चोल शासक के गुरु थे ?
– राजेन्द्र प्रथम
1981. चोल शासक राजेन्द्र प्रथम के गुरु थे–
– शैव संत इसानशिव
1982. चोल काल का सबसे महत्वपूर्ण बन्दरगाह था–
– कावेरीपट्टनम
1983. बहुत बड़ा गाँव, जो एक इकाई के रूप में शासित किया जाता था, चोल प्रशासन में उसे कहा जाता था–
– तनियर

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

1984. उत्तरमेरूर शिलालेख, जो सभा–संस्था का विस्तृत वर्णन उपस्थित करता है, किस चोल शासक के शासनकाल से संबंधित है ?
– परांतक प्रथम

1985. चोलों की राजधानी कालक्रम के अनुसार थीं–
– उरैयूर, तंजौर, गंगैकोड, चोलपुरम् एवं काँची

1986. चोलकाल में सड़कों की देखभाल करने वाली समिति थी–
– बगान समिति

1987. चोल काल में सामान्य वस्तुओं के आदान–प्रदान का आधार क्या था ?
– धान

1988. चोल काल में वलंजियार, नानादैसी एवं मनिग्रामम् क्या थे ?
– विशाल व्यापारी समूह

1989. गजनी का शासक महमूद गजनी के समकालीन चोल शासक था–
– राजेन्द्र प्रथम

चालुक्य वंश (कल्याणी)

1990. कल्याणी के चालुक्य वंश की स्थापना किसने की थी ?
– तैलप द्वितीय

1991. कल्याणी के चालुक्य वंश की राजधानी थी–
– मान्यखेट

1992. सोमेश्वर प्रथम किस वंश के शासक थे ?
– कल्याणी के चालुक्य वंश

1993. चालुक्य वंश (कल्याणी) के शासक सोमेश्वर प्रथम ने मान्यखेट से राजधानी हटाकर किसे बनाया ?
– कल्याणी (कर्नाटक)

1994. चालुक्य वंश (कल्याणी) का सबसे प्रतापी शासक था–
– विक्रमादित्य षष्टम

1995. विक्रमांकदेवचरित की रचना किसने की थी ?
– विल्हण ने

1996. विल्हण ने अपनी कृति 'विक्रमांकदेवचरित' में किस चालुक्य शासक के जीवन पर प्रकाश डाला ?
– विक्रमादित्य षष्टम

1997. विल्हण चालुक्य वंश (कल्याणी) के किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– विक्रमादित्य षष्टम

1998. विज्ञानेश्वर चालुक्य वंश (कल्याणी) के किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– विक्रमादित्य षष्टम

1999. मिताक्षरा (हिन्दू विधि ग्रंथ, याज्ञवल्क्य स्मृति पर व्याख्या) नामक ग्रंथ की रचना किस महान् विधिवेत्ता ने की थी ?
– विज्ञानेश्वर

चालुक्य वंश (वातापी)

2000. वातापी के चालुक्य वंश की स्थापना किसने की थी ?
– जयसिंह

2001. वातापी के चालुक्य वंश की राजधानी थी–
– वातापी (बीजापुर के निकट)

2002. पुलकेशिन द्वितीय किस वंश के शासक थे ?
– चालुक्य वंश (वातापी)

2003. चालुक्य वंश (वातापी) के सबसे प्रतापी राजा थे–
– पुलकेशिन द्वितीय

2004. किस अभिलेख से प्रमाणित होता है कि पुलकेशिन द्वितीय ने बहु सुवर्ण एवं अग्निष्टोम यज्ञ सम्पन्न करवाया था ?
– महाकूट स्तम्भ लेख

2005. जिनेन्द्र का मेगुती मंदिर किस शासक ने बनवाया था ?
– पुलकेशिन द्वितीय

2006. पुलकेशिन द्वितीय ने किस शासक को हराकर परमेश्वर की उपाधि धारण की थी ?
– हर्षवर्द्धन

2007. पुलकेशिन द्वितीय ने हर्षवर्द्धन को हराकर कौनसी उपाधि धारण की ?
– परमेश्वर

2008. चालुक्य वंश के किस शासक ने दक्षिणापथेश्वर की उपाधि धारण की थी ?
– पुलकेशिन द्वितीय ने

2009. पल्लववंशी शासक नरसिंह वर्मन प्रथम ने किस चालुक्य शासक को लगभग 642 ई. में परास्त किया और उसकी राजधानी बादामी पर अधिकार कर लिया ?
– पुलकेशिन द्वितीय

2010. पल्लववंशी शासक नरसिंह वर्मन प्रथम ने चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय को लगभग 642 ई. में परास्त किया और उसकी राजधानी बादामी पर अधिकार कर लिया। इस युद्ध के बाद नरसिंह वर्मन प्रथम ने कौनसी उपाधि धारण की ?
– वातापिकोंड

2011. एहोल अभिलेख के लेखक हैं–
– रविकीर्ति

2012. एहोल अभिलेख का सम्बन्ध किस शासक से है ?
– पुलकेशिन द्वितीय

2013. अजन्ता के एक गुहाचित्र में फारसी दूत–मंडल का स्वागत करते हुए किस चालुक्य शासक को दिखाया गया है ?
– पुलकेशिन द्वितीय

2014. वातापी का निर्माणकर्ता किसे माना जाता है ?
– कीर्तिवर्मन को

2015. मालवा को जीतने के बाद विनयादित्य ने कौनसी उपाधि धारण की ?
– सकलोत्तरपथनाथ

2016. विक्रमादित्य द्वितीय किस वंश के शासक थे ?
– चालुक्य वंश (वातापी)

2017. किस चालुक्य शासक के शासनकाल में दक्कन में अरबों ने आक्रमण किया ?
– विक्रमादित्य द्वितीय

2018. चालुक्य शासक विक्रमादित्य द्वितीय के शासनकाल में दक्कन में अरबों ने आक्रमण किया। इस आक्रमण का मुकाबला विक्रमादित्य द्वितीय के भतीजे ने किया, जिसका नाम था–
– पुलकेशी

2019. चालुक्य शासक विक्रमादित्य द्वितीय के शासनकाल में दक्कन में अरबों ने आक्रमण किया। इस आक्रमण का मुकाबला विक्रमादित्य द्वितीय के भतीजे पुलकेशी ने किया। इस अभियान की सफलता पर विक्रमादित्य द्वितीय ने पुलकेशी को कौनसी उपाधि प्रदान की ?
– अवनिजनाश्रय

2020. विक्रमादित्य द्वितीय की प्रथम पत्नी लोकमहादेवी ने कौनसा मंदिर बनवाया ?
– विरूपाक्ष महादेव मंदिर

2021. विक्रमादित्य द्वितीय की दूसरी पत्नी त्रैलोक्य देवी ने कौनसा मंदिर बनवाया ?
– त्रैलोकेश्वर मंदिर

2022. चालुक्य वंश (वातापी) का अंतिम राजा था–
– कीर्तिवर्मन द्वितीय

2023. चालुक्य वंश (वातापी) के अंतिम शासक कीर्तिवर्मन को उसके सामंत दन्तिदुर्ग ने परास्त कर किस एक नये वंश की स्थापना की ?
– राष्ट्रकूट वंश

2024. एहोल को किसका शहर कहा जाता है ?
– मंदिरों का शहर

चालुक्य वंश (बेंगी)

2025. बेंगी के चालुक्य वंश का संस्थापक था–
– विष्णुवर्धन

2026. बेंगी के चालुक्य वंश की राजधानी थी–
– बेंगी (आन्ध्र प्रदेश)

2027. चालुक्य वंश (बेंगी) का सबसे प्रतापी राजा था–
– विजयादित्य

2028. चालुक्य वंश (बेंगी) के सबसे प्रतापी राजा विजयादित्य के सेनापति थे–
– पंडरंग

राष्ट्रकूट

2029. राष्ट्रकूट राजवंश का संस्थापक था–
– दन्तिदुर्ग (752 ई.)

2030. राष्ट्रकूट प्रारंभ में किसके अधीन थे ?
– कर्नाटक के चालुक्य राजाओं के

2031. राष्ट्रकूट राजवंश की राजधानी थी–
–मनकिन या मान्यखेत (वर्तमान मालखेड़, शोलापुर के निकट)

2032. कृष्ण प्रथम किस राजवंश का शासक था ?
– राष्ट्रकूट

2033. एलोरा के प्रसिद्ध कैलाश मंदिर का निर्माण किस शासक ने करवाया ?
– राष्ट्रकूट शासक कृष्ण प्रथम ने

2034. राष्ट्रकूट वंश का पहला शासक कौन था, जिसने कन्नौज पर अधिकार करने हेतु त्रिपक्षीय संघर्ष में भाग लिया ?
– ध्रुव

2035. कन्नौज पर अधिकार करने हेतु त्रिपक्षीय संघर्ष में राष्ट्रकूट शासक ध्रुव ने किनको पराजित किया ?
– प्रतिहार नरेश वत्सराज एवं पाल नरेश धर्मपाल

2036. 'धारावर्ष' किस राष्ट्रकूट शासक को कहा जाता है ?
– ध्रुव को

2037. राष्ट्रकूट शासक गोविन्द तृतीय ने त्रिपक्षीय संघर्ष में भाग लेकर किनको पराजित किया ?
– चक्रायुद्ध व उसके संरक्षक धर्मपाल तथा प्रतिहार वंश के शासक नागभट्ट द्वितीय को

2038. पल्लव, पाण्ड्य, केरल व गंग शासकों के संघ को किस राष्ट्रकूट शासक ने पराजित किया ?
– नागभट्ट द्वितीय

2039. राष्ट्रकूट शासक अमोघवर्ष किस धर्म का अनुयायी था ?
– जैन धर्म

2040. कन्नड़ भाषा में 'कविराज मार्ग' की रचना किस शासक ने की थी ?
– राष्ट्रकूट शासक अमोघवर्ष ने

2041. 'आदिपुराण' के रचनाकार हैं–
– जिनसेन

2042. 'त्रिशष्ठिलक्षण महापुराण' के रचनाकार हैं–
– जिनसेन

2043. आदिपुराण एवं त्रिशष्ठिलक्षण महापुराण के लेखक जिनसेन किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– राष्ट्रकूट शासक अमोघवर्ष

2044. 'गणितासार संग्रह' के लेखक हैं–
– महावीराचार्य

2045. गणितासार संग्रह के लेखक महावीराचार्य किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– राष्ट्रकूट शासक अमोघवर्ष

2046. 'अमोघवृत्ति' के लेखक हैं–
– सक्तायना

2047. अमोघवृत्ति के लेखक सक्तायना किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– राष्ट्रकूट शासक अमोघवर्ष

2048. किस राष्ट्रकूट शासक ने तुंगभद्रा नदी में जल–समाधि लेकर अपने जीवन का अंत किया ?
– राष्ट्रकूट शासक अमोघवर्ष

2049. किस राष्ट्रकूट शासक के समय अरब निवासी अलमसूदी भारत आया ?
– इन्द्र तृतीय

2050. राष्ट्रकूट शासक इन्द्र तृतीय के शासक काल में कौन अरब निवासी भारत आया था ?
– अलमसूदी

2051. राष्ट्रकूट वंश का अंतिम महान् शासक था–
– कृष्ण तृतीय

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

2052. किस अरब निवासी ने राष्ट्रकूट शासकों को भारत का सर्वश्रेष्ठ शासक कहा ?
– अलमसूदी

2053. 'शान्तिपुराण' की रचना किसने की ?
– कन्नड़ भाषा के कवि पोन्न

2054. कन्नड़ भाषा के कवि पोन्न किस राष्ट्रकूट शासक के दरबार में रहते थे ?
– कृष्ण तृतीय

2055. कल्याणी के चालुक्य शासक तैलप द्वितीय ने किस शासक को हराकर राष्ट्रकूट राज्य पर अपना अधिकार कर लिया और कल्याणी के चालुक्य वंश की नींव डाली ?
– राष्ट्रकूट शासक कर्क

2056. एलोरा एवं एलिफेंटा (महाराष्ट्र) गुहामंदिरों का निर्माण किनके समय में हुआ था ?
– राष्ट्रकूट शासकों के समय

2057. एलोरा में कितनी शैलकृत गुफाएँ हैं ?
– 34

2058. एलोरा में 34 शैलकृत गुफाओं में से कौनसी गुफाएँ बौद्धों की हैं ?
– गुफा संख्या 1 से 12 तक

2059. एलोरा में 34 शैलकृत गुफाओं में से कौनसी गुफाएँ हिन्दओं की हैं ?
– गुफा संख्या 13 से 29 तक

2060. एलोरा में 34 शैलकृत गुफाओं में से गुफा संख्या 30 से 34 तक किनसे संबंधित हैं ?
– जैनों से

2061. बौद्ध गुफाओं में सबसे प्रसिद्ध गुफा है–
– विश्वकर्मा गुफा (गुफा संख्या 10)

2062. एलोरा की किस गुफा में चैत्य है ?
– विश्वकर्मा गुफा (गुफा संख्या 10) में

2063. एलोरा में 34 शैलकृत गुफाओं में से कौनसी गुफाएँ हिन्दुओं की हैं ?
– गुफा संख्या 13 से 29 तक

2064. एलोरा में 34 शैलकृत गुफाओं में से गुफा संख्या 13 से 29 तक किनसे संबंधित हैं ?
– हिन्दुओं से

2065. एलोरा की किस गुफा में भगवान विष्णु को नरसिंह अर्थात पुरुष–सिंह के रूप में दिखलाया गया है ?
– गुफा संख्या 15

2066. एलोरा में 34 शैलकृत गुफाओं में से कौनसी गुफाएँ जैनों की हैं ?
– गुफा संख्या 30 से 34 तक

2067. एलोरा में 34 शैलकृत गुफाओं में से गुफा संख्या 30 से 34 तक किनसे संबंधित हैं ?
– जैनों से

2068. एलोरा गुफाओं का सर्वप्रथम उल्लेख 17वीं शताब्दी में किसने किया था ?
– फ्रांसीसी यात्री थेविनेट ने

2069. राष्ट्रकूट शासक शैव, वैष्णव, शाक्त सम्प्रदायों के साथ–साथ किस धर्म के भी उपासक थे ?
– जैन धर्म

2070. क्या यह सही है कि राष्ट्रकूट शासकों ने मुसलमान व्यापारियों को बसने तथा इस्लाम के प्रचार की स्वीकृति दी थी ?
– हाँ

यादव वंश

2071. देवगिरि के यादव वंश की स्थापना किसने की थी ?
– भिल्लम पंचम

2072. देवगिरि के यादव वंश की राजधानी थी–
– देवगिरि

2073. देवगिरि क यादव वंश का सबसे प्रतापी राजा था–
– सिंघण (1210–1246 ई.)

2074. सिंघण किस राजवंश का सबसे प्रतापी शासक था ?
– देवगिरि के यादव वंश का

2075. देवगिरि के यादव वंश का अंतिम स्वतंत्र शासक था–
– रामचन्द्र

2076. देवगिरि के यादव वंश के किस शासक ने अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति मलिक काफूर के सामन आत्मसमर्पण किया ?
– रामचन्द्र ने

2077. 'संगीत रत्नाकर' नामक ग्रंथ की रचना किसने की थी ?
– शारंगदेव ने

2078. संगीतशास्त्री शारंगदेव किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– देवगिरि के यादव वंश के शासक सिंघण के

होयसल वंश

2079. द्वार समुद्र के होयसल वंश की स्थापना किसने की थी ?
– विष्णुवर्धन ने

2080. होयसल वंश किस वंश की एक शाखा थी ?
– यादव वंश

2081. बेलूर में चेन्ना केशव मंदिर का निर्माण किस शासक ने करवाया था ?
– होयसल वंश के शासक विष्णुवर्धन ने

2082. 1117 ई. में होयसल वंश के शासक विष्णुवर्धन ने किस मंदिर का निर्माण करवाया ?
– बेलूर में चेन्ना केशव मंदिर

2083. होयसल वंश का अंतिम शासक था–
– वीर बल्लाल तृतीय

2084. होयसल वंश के किस शासक को अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति मलिक काफूर ने हराया था ?
– वीर बल्लाल तृतीय

2085. होयसल वंश के अंतिम शासक वीर बल्लाल तृतीय को अलाउद्दीन खिलजी के किस सेनापति ने हराया था ?
– मलिक काफूर ने

कदम्ब वंश

2086. कदम्ब वंश की स्थापना किसने की थी ?
– मयूर शर्मन ने भिल्लम पंचम
2087. देवगिरि के यादव वंश की राजधानी थी–
– देवगिरि

गंगवंश

2088. गंगवंश का संस्थापक था–
– बज्रहस्त पंचम
2089. अभिलेखों के अनुसार गंगवंश के प्रथम शासक थे–
– कोंकणी वर्मा
2090. गंगवंश की प्रारंभिक राजधानी थी–
– कुवलाल (कोलर)
2091. गंगवंश की प्रारंभिक राजधानी कुवलाल (कोलर) थी, जो बाद में हो गयी–
– तलकाड
2092. 'दत्तकपुत्र' पर टीका लिखने वाला गंग शासक था–
– माधव प्रथम

काकतीय वंश

2093. काकतीय वंश का संस्थापक था–
– बीटा प्रथम
2094. काकतीय वंश के संस्थापक बीटा प्रथम ने नलगोंडा (हैदराबाद) में एक छोटे–से राज्य का गठन किया, जिसकी राजधानी थी–
– अमकोण्ड
2095. काकतीय वंश का सबसे शक्तिशाली शासक था–
– गणपति
2096. काकतीय वंश के शासक गणपति की पुत्री, जिसने रुद्रदेव महाराज का नाम ग्रहण किया और जिसने 35 वर्ष तक शासक किया, का क्या नाम था ?
– रुद्रमादेवी
2097. काकतीय वंश के शासक गणपति ने अपनी राजधानी अमकोण्ड से कहाँ स्थानांतरित की ?
– वारंगल
2098. काकतीय वंश का अंतिम शासक था–
– प्रताप रुद्र (1295–1323 ई.)

22.सीमावर्ती राजवंशों का अभ्युदय

पाल वंश

2099. पाल वंश का संस्थापक था–
– गोपाल (750 ई.)
2100. पाल वंश की राजधानी थी–
– मुंगेर
2101. पाल शासक किस धर्म के अनुयायी थे ?
– बौद्ध धर्म
2102. किस पाल शासक ने ओदन्तपुरी विश्वविद्यालय की स्थापना की थी ?
– गोपाल ने
2103. किस पाल शासक ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की थी ?
– धर्मपाल ने
2104. कन्नौज के लिए त्रिपक्षीय संघर्ष पाल वंश, गुर्जर प्रतिहार वंश एवं राष्ट्रकूट वंश के बीच हुआ। इसमें पाल वंश की ओर से सर्वप्रथम कौन शामिल हुआ था ?
– धर्मपाल
2105. ग्यारहवीं सदी के गुजराती कवि सोड्ढल ने किस पाल शासक को 'उत्तरापथ स्वामी' की उपाधि से संबोधित किया ?
– धर्मपाल को
2106. सोमपुर विहार का निर्माण किस पाल शासक ने करवाया था ?
– धर्मपाल ने
2107. ओदन्तपुरी (बिहार) के प्रसिद्ध बौद्धमठ का निर्माण किस पाल शासक ने करवाया ?
– देवपाल ने
2108. जावा के शैलेन्द्रवंशी शासक बालपुत्र देव के अनुरोध पर किस पाल शासक ने उसे नालंदा में एक बौद्धविहार बनवाने के लिए पाँच गाँव दान में दिए थे ?
– देवपाल ने
2109. पाल शासकों के समय किस साहित्यिक विद्या का विकास हुआ ?
– गौड़ीरीति नामक साहित्यिक विद्या

सेन वंश

2110. सेन वंश की स्थापना किसने की थी ?
– सामन्त सेन ने
2111. सेन वंश की स्थापना सामन्त सेन ने कहाँ की थी ?
– राढ़ में
2112. सेन वंश की राजधानी थी–
– नदिया (लखनौती)
2113. सेन वंश का प्रथम स्वतंत्र शासक था–
– विजयसेन
2114. सेन वंश का शासक विजयसेन किस धर्म का अनुयायी था ?
– शैव धर्म का

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

2115. 'दानसागर' नामक ग्रंथ की रचना किस सेन शासक ने की थी ?
– बल्लाल सेन ने

2116. 'अद्भुतसागर' नामक ग्रंथ की रचना किस सेन शासक ने की थी ?
– बल्लाल सेन ने

2117. बल्लाल सेन द्वारा रचित ग्रंथ 'अद्भुतसागर' को पूर्णरूप किसने दिया ?
– लक्ष्मण सेन ने

2118. 'गीत गोविंद' के लेखक हैं–
– जयदेव

2119. 'गीत गोविंद' के लेखक जयदेव किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– लक्ष्मण सेन

2120. 'पवनदूत' के लेखक हैं–
– धोयी

2121. 'पवनदूत' के लेखक धोयी किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– लक्ष्मण सेन

2122. 'ब्राह्मणसर्वस्व' के लेखक हैं–
– हलायुद्ध

2123. 'ब्राह्मणसर्वस्व'' के लेखक हलायुद्ध किस शासक के दरबार में रहते थे ?
– लक्ष्मण सेन

2124. हलायुद्ध किस शासक का प्रधान न्यायाधीश एवं मुख्यमंत्री था ?
– लक्ष्मण सेन

2125. किस राजवंश ने अपना अभिलेख सर्वप्रथम हिन्दी में उत्कीर्ण करवाया ?
– सेन वंश

2126. बंगाल का अंतिम हिन्दू शासक था–
– लक्ष्मण सेन

कश्मीर के राजवंश

2127. कश्मीर पर शासन करने वाले वंश थे–
– कार्कोट वंश, उत्पल वंश, लोहार वंश

2128. 627 ई. में कश्मीर में कार्कोट वंश (हिंदू वंश) की स्थापना किसने की थी ?
– दुलर्भवर्द्धन

2129. चीनी यात्री हुएनसाँग ने किसके शासनकाल में कश्मीर की यात्रा की थी ?
– दुर्लभवर्द्धन

2130. ललितादित्य मुक्तापीड किस वंश का सबसे प्रतापी शासक था ?
– कार्कोट वंश

2131. मार्तण्ड मंदिर (कश्मीर) का निर्माण करवाया था–
– ललितादित्य मुक्तापीड ने

2132. कार्कोट वंश के बाद कश्मीर पर किस वंश का शासन हुआ ?
– उत्पल वंश

2133. उत्पल वंश का संस्थापक था–
– अवन्तिवर्मन

2134. कश्मीर में अवन्तिपुर नामक नगर की स्थापना किसने की थी ?
– अवन्तिवर्मन ने

2135. किस शासक के अभियंता सूय्य ने सिंचाई के लिए नहरों का निर्माण करवाया ?
– अवन्तिवर्मन

2136. 980 ई. में उत्पल वंश की महत्वाकांक्षिणी शासिका कौन थी ?–
– रानी दिद्दा

2137. उत्पल वंश के बाद कश्मीर पर किस वंश का शासन हुआ ?
– लोहार वंश

2138. लोहार वंश का संस्थापक था–
– संग्रामराज

2139. लोहार वंश के शासक संग्रामराज के बाद कश्मीर का शासक हुआ–
– अनन्त राजा

2140. लोहार वंश के शासक अनन्त राजा की पत्नी, जिसने उसके प्रशासन को सुधारने में सहायता की थी, का क्या नाम था ?
– सूर्यमती

2141. लोहार वंश के शासक हर्ष विद्वान, कवि तथा कई भाषाओं का ज्ञाता था। इनके दरबार में सुप्रसिद्ध कवि रहता था–
– कल्हण

2142. कश्मीर के लोहार वंश अन्तिम शासक था–
– जयसिंह (1128–1155 ई.)

2143. कश्मीर के किस शासक के शासन के साथ ही कल्हण की राजतरंगिणी का विवरण समाप्त हो जाता है ?
– जयसिंह

कामरूप का वर्मन वंश

2144. चौथी शताब्दी के मध्य कामरूप में किस वंश का उदय हुआ ?
– वर्मन वंश

2145. कामरूप के वर्मन वंश का संस्थापक था–
– पुष्यवर्मन

2146. कामरूप के वर्मन वंश की राजधानी थी–
– प्रागज्योतिषपुर

2147. कालान्तर में कामरूप किस साम्राज्य का एक अंग बन गया ?
– पाल साम्राज्य

RAJ STUDENTS FOR COMPETITION

23.राजपूत राजवंशों की उत्पत्ति

गुर्जर प्रतिहार वंश

2148. गुर्जर प्रतिहार वंश का संस्थापक था–
– नागभट्ट प्रथम
2149. गुर्जर प्रतिहार वंश के संस्थापक नागभट्ट प्रथम कहाँ के शासक थे ?
– मालवा के
2150. गुर्जर प्रतिहार वंश के किस शासक को गोविन्द तृतीय ने पराजित किया ?
– नागभट्ट द्वितीय
2151. प्रतिहार वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली एवं प्रतापी राजा था–
– मिहिरभोज
2152. प्रतिहार वंश के शासक मिहिरभोज ने किसे अपनी राजधानी बनाया ?
– कन्नौज
2153. प्रतिहार शासक मिहिरभोज किसका भक्त था ?
– भगवान विष्णु का
2154. किस प्रतिहार शासक ने भगवान विष्णु के सम्मान में 'आदि वराह' की उपाधि ग्रहण की ?
– मिहिरभोज ने
2155. राजशेखर किस प्रतिहार शासक के दरबार में रहते थे ?
– महेन्द्रपाल
2156. गुर्जर प्रतिहार वंश का अंतिम शासक था–
– यशपाल (1036 ई.)
2157. दिल्ली नगर की स्थापना ग्यारहवीं सदी के मध्य में किस शासक ने की थी ?
– तोमर नरेश अनंगपाल ने

गहड़वाल (राठौड़) राजवंश

2158. गहड़वाल वंश का संस्थापक था–
– चन्द्रदेव
2159. गहड़वाल वंश की राजधानी थी–
– वाराणसी
2160. गहड़वाल वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली राजा था–
– गोविन्दचन्द्र
2161. गहड़वाल वंश के शासक गोविन्दचन्द्र के मंत्री एवं शास्त्रों के प्रकाण्ड विद्वान लक्ष्मीधर ने किस ग्रंथ की रचना की ?
– कृत्यकल्पतरू
2162. सारनाथ में धर्मचक्र–जिन विहार का निर्माण गहड़वाल वंश के शासक गोविन्दचन्द्र की रानी ने करवाया, जिसका नाम था–
– कुमारदेवी
2163. गहड़वाल वंश के शासक जयचन्द की पुत्री संयोगिता का स्वयंवर में किस शासक ने अपहरण कर विवाह किया था ?
– पृथ्वीराज चौहान तृतीय
2164. गहड़वाल वंश का अंतिम शासक था–
– जयचन्द
2165. मोहम्मद गौरी ने गहड़वाल वंश के शासक जयचन्द को किस युद्ध में पराजित कर उसे मार डाला ?
– चन्दावर का युद्ध (1194 ई.)

चाहमान या चौहान वंश

2166. चौहान वंश का संस्थापक था–
– वासुदेव
2167. चौहान वंश की प्रारंभिक राजधानी थी–
– अहिच्छत्र
2168. चौहान वंश के किस शासक ने अजमेर नगर की स्थापना की और उसे अपनी राजधानी बनाया ?
– अजयराज द्वितीय
2169. चौहान वंश के सबसे शक्तिशाली शासक अर्णोराज के पुत्र विग्रहराज चतुर्थ बीसलदेव ने किस संस्कृत नाटक की रचना की ?
– हरिकेलि
2170. सोमदेव किस चौहान शासक के राजकवि थे ?
– वासुदेव
2171. 'ललित विग्रजराज' के लेखक हैं–
– सोमदेव
2172. अढ़ाई दिन का झौंपड़ा नामक मस्जिद शुरू में किस शासक द्वारा निर्मित एक विद्यालय था ?
– विग्रहराज चतुर्थ
2173. चौहान वंश का अंतिम शासक था–
– पृथ्वीराज चौहान तृतीय
2174. चन्दवरदाई किस शासक का राजकवि था ?
– पृथ्वीराज चौहान तृतीय का
2175. चौहान शासक पृथ्वीराज चौहान तृतीय का राजकवि चन्दवरदाई की सुप्रसिद्ध रचना है–
– पृथ्वीराजरासो
2176. 'पृथ्वीराजरासो' के लेखक हैं–
– चन्दवरदाई
2177. रणथम्भौर के जैन मंदिर का शिखर किस शासक ने बनवाया था ?
– पृथ्वीराज चौहान तृतीय
2178. तराइन का प्रथम युद्ध कब हुआ ?
– 1191 ई. में
2179. तराइन का प्रथम युद्ध (1191 ई.) किनके मध्य हुआ था ?
– पृथ्वीराज तृतीय और मोहम्मद गौरी
2180. तराइन के प्रथम युद्ध (1191 ई.) में पृथ्वीराज चौहान तृतीय ने किसे पराजित किया ?
– मोहम्मद गौरी को
2181. तराइन का द्वितीय युद्ध कब हुआ ?
– 1192 ई. में
2182. तराइन का द्वितीय युद्ध (1192 ई.) किनके मध्य हुआ था ?
– पृथ्वीराज तृतीय और मोहम्मद गौरी
2183. तराइन के द्वितीय युद्ध (1192 ई.) में मोहम्मद गौरी ने किसे पराजित किया ?
– पृथ्वीराज चौहान तृतीय

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

परमार वंश

2184. परमार वंश का संस्थापक था—
— उपेन्द्रराज
2185. परमार वंश की राजधानी थी—
— धारा नगरी
2186. परमार वंश की प्राचीन राजधानी थी—
— उज्जैन
2187. परमार वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक था—
— राजा भोज
2188. राजा भोज ने किस झील का निर्माण करवाया ?
— भोजपुर झील (भोपाल के दक्षिण में)
2189. 'नैषधीयचरित' के लेखक हैं—
— श्रीहर्ष
2190. 'प्रबन्धचिन्तामणि' के लेखक हैं—
— मेरुतुंग
2191. 'नवसाहसांकचरित' के लेखक हैं—
— पद्मगुप्त
2192. 'दशरूपक' के लेखक हैं—
— धनंजय
2193. कविराज की उपाधि से विभूषित शासक था—
— राजा भोज
2194. परमार वंश के किस शासक ने चिकित्सा, गणित एवं व्याकरण पर अनेक ग्रंथ लिखे ?
— राजा भोज
2195. राजा भोज की किस कृति में वास्तुशास्त्र के साथ—साथ विविध वैज्ञानिक यंत्रों व उनके उपयोग का उल्लेख है ?
— युक्तिकल्पतरु
2196. राजा भोज ने अपनी राजधानी में किस मंदिर का निर्माण करवाया ?
— सरस्वती मंदिर
2197. राजा भोज के शासनकाल में विद्या व विद्वानों का प्रमुख केन्द्र था—
— धारा नगरी
2198. चित्तौड़ में त्रिभुवन नारायण मंदिर का निर्माण किस शासक ने करवाया था ?
— राजा भोज ने
2199. राजा भोज ने किस नगर की स्थापना की ?
— भोजपुर नगर
2200. परमार वंश के बाद किस वंश का शासन हुआ ?
— तोमर वंश
2201. तोमर वंश के बाद किस वंश का शासन हुआ ?
— चाहमान या चौहान वंश
2202. 1297 ई. में अलाउद्दीन खिलजी के किस सेनापति ने मालवा पर अधिकार कर लिया ?
— नसरत खाँ और उलुग खाँ ने

चन्देल वंश

2203. किस साम्राज्य के पतन के बाद बुंदेलखंड की भूमि पर चन्देल वंश का स्वतंत्र राजनीतिक इतिहास प्रारंभ हुआ ?
— परमार वंश
2204. परमार साम्राज्य के पतन के बाद बुंदेलखंड की भूमि पर चन्देल वंश का स्वतंत्र राजनीतिक इतिहास प्रारंभ हुआ। बुंदेलखंड का प्राचीन नाम था—
— जेजाकभुक्ति
2205. चन्देल वंश का संस्थापक था—
— नन्नुक (831 ई.)
2206. चन्देल वंश की राजधानी थी—
— खजुराहो
2207. प्रारंभ में चन्देल वंश की राजधानी थी—
— कालिंजर (महोबा)
2208. राजा धंग ने अपनी राजधानी कालिंजर से कहाँ स्थानांतरित की थी ?
— खजुराहो
2209. चंदेल वंश का प्रथम स्वतंत्र एवं सबसे प्रतापी राजा था—
— यशोवर्मन
2210. चंदेल शासक यशोवर्मन ने कन्नौज पर आक्रमण कर किस प्रतिहार शासक को हराया तथा उससे एक विष्णु की प्रतिमा प्राप्त की, जिसे उसने खजुराहो के विष्णु मंदिर में स्थापित की ?
— देवपाल
2211. 'जिन्ननाथ मंदिर' किस चंदेल शासक ने बनवाया ?
— धंग ने
2212. 'विश्वनाथ मंदिर' किस चंदेल शासक ने बनवाया ?
— धंग ने
2213. 'वैद्यनाथ मंदिर' किस चंदेल शासक ने बनवाया ?
— धंग ने
2214. 'कंदरिया महादेव मंदिर' का निर्माण किस चंदेल शासक द्वारा करवाया गया ?
— धंग
2215. किस चंदेल शासक ने गंगा—जमुना के संगम पर शिव की आराधना करते हुए अपने शरीर का त्याग किया ?
— धंग
2216. किस चंदेल शासक ने कन्नौज के प्रतिहार शासक राज्यपाल की हत्या कर दी, क्योंकि उसने महमूद के आक्रमण का सामना किए बिना ही आत्मसमर्पण कर दिया था ?
— विद्याधर
2217. कौन चंदेल शासक अकेला ऐसा भारतीय नरेश था, जिसने महमूद गजनी की महत्वाकांक्षाओं का सफलतापूर्वक प्रतिरोध किया ?
— विद्याधर
2218. 'प्रबोध चन्द्रोदय' की रचना किसने की थी ?
— कृष्ण मिश्र ने
2219. 'प्रबोध चन्द्रोदय' के रचयिता कृष्ण मिश्र किस चंदेल शासक की राज्यसभा में रहते थे ?
— कीर्तिवर्मन

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

2220. किस चंदेल शासक ने महोबा (कालिंजर) के समीप कीर्तिसागर नामक जलाशय बनवाया ?
– कीर्तिवर्मन

2221. आल्हा–उदल नामक दो सेनानायक किस चंदेल शासक के दरबार में रहते थे, जिन्होंने पृथ्वीराज चौहान के साथ युद्ध करते हुए अपनी जान गँवायी थी ?
– परमर्दिदेव

2222. चंदेल वंश के अंतिम शासक परमर्दिदेव ने किस मुस्लिम शासक की अधीनता स्वीकार की ?
– कुतुबुद्दीन ऐबक

2223. चंदेल वंश के अंतिम शासक परमर्दिदेव ने 1202 ई. में कुतुबुद्दीन ऐबक की अधीनता स्वीकार कर ली। इस पर उसके मंत्री उसकी हत्या कर दी। उस मंत्री का नाम था–
– अजयदेव

सोलंकी वंश या गुजरात के चालुक्य शासक

2224. सोलंकी वंश का संस्थापक था–
– मूलराज प्रथम

2225. सोलंकी वंश की राजधानी थी–
– अन्हिलवाड़

2226. सोलंकी वंश के शासक मूलराज प्रथम किस धर्म के अनुयायी थे ?
– शैव धर्म

2227. किस शासक के शासनकाल में महमूद गजनी ने सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण किया ?
– भीम प्रथम

2228. आबू पर्वत पर दिलवाड़ा का प्रसिद्ध जैन मंदिर किसने बनवाया था ?
– भीम प्रथम के सामंत बिमल ने

2229. जयसिंह सिद्धराज किस वंश का प्रथम शक्तिशाली शासक था ?
– सोलंकी वंश (गुजरात के चालुक्य शासक)

2230. सोलंकी वंश के किस शासक ने माउण्ट आबू पर्वत (सिरोही, राजस्थान) पर एक मंडल बनाकर अपने सातों पूर्वजों की गजारोही मूर्तियों की स्थापना की ?
– जयसिंह सिद्धराज

2231. प्रसिद्ध जैन विद्वान हेमचन्द्र किस शासक के दरबार में रहता था ?
– जयसिंह सिद्धराज

2232. सिद्धपुर में रुद्रमहाकाल के मंदिर का निर्माण किस सोलंकी शासक ने करवाया ?
– जयसिंह सिद्धराज

2233. सोलंकी शासक कुमारपाल किस धर्म का अनुयायी था ?
– जैन धर्म

2234. मोढ़ेरा के सूर्य मंदिर का निर्माण किन राजाओं के शासनकाल में हुआ ?
– सोलंकी राजाओं के

2235. कौन सोलंकी शासक जैन धर्म के अंतिम राजकीय प्रवर्तक के रूप में प्रसिद्ध है ?
– कुमारपाल

2236. सोलंकी वंश का अंतिम शासक था–
– भीम द्वितीय

2237. भीम द्वितीय के एक सामंत लवण प्रसाद ने गुजरात में किस वंश की स्थापा की थी ?
– बघेल वंश

2238. बघेल वंश का कौन शासक गुजरात का अंतिम हिन्दू शासक था ?
– कर्ण द्वितीय

2239. बघेल वंश के किस शासक ने अलाउद्दीन खिलजी की सेनाओं का मुकाबला किया था ?
– कर्ण द्वितीय

कलचुरी–चेदि राजवंश

2240. कलचुरी वंश का संस्थापक था–
– कोक्कल

2241. कलचुरी वंश की राजधानी थी–
– त्रिपुरी

2242. कलचुरी वंश के किस शासक ने विक्रमादित्य की उपाधि धारण की ?
– गांगेयदेव

2243. पूर्व–मध्यकाल में स्वर्ण सिक्कों के विलुप्त हो जाने के पश्चात् किस कलचुरी शासक ने सर्वप्रथम इसे प्रारंभ करवाया ?
– गांगेयदेव

2244. कलचुरी वंश का सबसे महान् शासक, जिसने कलिंग विजय प्राप्त की और त्रिकलिंगाधिपति की उपाधि धारण की, था–
– कर्णदेव

2245. प्रसिद्ध कवि राजशेखर किसके दरबार में रहते थे ?
– कलचुरी के

सिसोदिया वंश

2246. सिसोदिया वंश के शासन अपने आपको कहते थे–
– सूर्यवंशी

2247. सिसोदिया वंश का शासन कहाँ पर था ?
– मेवाड़ में

2248. मेवाड़ की राजधानी थी–
– चित्तौड़

2249. खातौली का युद्ध (1518 ई.) किनके बीच हुआ था ?
– राणा साँगा और इब्राहीम लोदी

2250. राणा सांगा और इब्राहीम लोदी के बीच 1518 ई. में हुए खातौली के युद्ध में कौन विजयी हुआ ?
– राणा साँगा

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

24.विविध प्रश्न (प्राचीन भारत)

2251. मनु एवं याज्ञवल्क्य स्मृतियों में स्त्रियों को किसके समतुल्य माना गया ?
– शूद्रों के

2252. प्रसिद्ध पालि पुस्तक 'मिलिन्दपन्हों' में मिलिन्द की किस बौद्ध भिक्षु से बातचीत की चर्चा है ?
– नागसेन

2253. बौद्ध धर्म की किस शाखा में मंत्र, हठयोग एवं तांत्रिक आधारों को प्रधानता दी गई है ?
– वज्रयान

2254. पाँच शैव सम्प्रदायों में सबसे प्राचीन है–
– पाशुपत सम्प्रदाय

2255. चरक तथा अश्वघोष किस कुषाण शासक के समकालीन थे ?
– कनिष्क

2256. भारत में शासक की क्षत्रप व्यवस्था किस वंश के शासकों ने आरम्भ की ?
– शक

2257. किस संगीमयुगीन राज्य के संरक्षण में तीन संगमों का आयोजन किया गया ?
– पल्लव राज्य के संरक्षण में

2258. 'संगम' से क्या तात्पर्य है ?
– तमिल कवियों का सम्मेलन

2259. मौर्य सिंहासन पर बैठने से पूर्व अशोक कहाँ का शासक था ?
– तक्षशिला का

2260. विशाखदत्त ने चन्द्रगुप्त मौर्य के लिए किस शब्द का प्रयोग किया है ?
– वृषल

2261. कलिंग युद्ध से मर्माहत सम्राट अशोक की चर्चा किस शिलालेख में मिलती है ?
– तेरहवें शिलालेख में

2262. मौर्य शासन में तीर्थ कौन कहलाते थे ?
– शीर्षस्थ अधिकारी

2263. अशोक के महल की प्रशंसा देव निर्मित महल के रूप में किसने की थी ?
– फाहियान ने

2264. सांची के स्तूप का निर्माण किसने करवाया ?
– अशोक ने

2265. भारतीय संस्कृति से सम्बन्धित धार्मिक स्थान प्रागज्योजिषपुर में किसका विख्यात मंदिर है ?
– कामाख्या देवी का

2266. चालुक्य नरेश पुलकेशिन द्वितीय ने नर्मदा नदी के तट पर किसको हराया था ?
– हर्षवर्धन को

2267. राजपूत युग के त्रिपक्षीय संघर्ष में किस दक्षिण भारतीय वंश ने भाग लिया था ?
– राष्ट्रकूट वंश ने

2268. सांची के स्तूप का निर्माण किसने करवाया ?
– अशोक

2269. कश्मीर के मार्तण्ड मंदिर (सूर्य मंदिर) किस शासक द्वारा बनवाया गया था ?
– ललितादित्य मुक्तापीड

2270. 'स्थानत्रयी' पुस्तकों के लेखक हैं–
– शंकराचार्य

2271. प्राकृत भाषा अनेक क्षेत्रीय भाषाओं की जननी है, जिसमें 'शौरसैनी' विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इसका विकसित रूप वर्तमान में कौनसी भाषा है ?
– मराठी

2272. दसवीं शताब्दी के मध्य में गुजरात में चालुक्य (सोलंकी) वंश का राज्य स्थापित करने वाला शासक कौन था ?
– मूलराज प्रथम

2273. राष्ट्रकूटों की राजधानी 'मान्यखेत' नगर किसने बसाया ?
– अमोघवर्ष ने

2274. एलोरा स्थित सुविख्यात कैलाश मंदिर का निर्माण किसने कराया था ?
– राष्ट्रकूट शासक कृष्ण प्रथम ने

2275. वातापी के चालुक्य वंश का सबसे महान् शासक कौन था ?
– पुलकेशिन द्वितीय

2276. 'स्यादवाद' का अर्थ क्या है ?
– शायद है भी और नहीं भी

2277. प्राचीन भारतीय चिकित्सक चरक किस शासक के दरबार में थे ?
– कनिष्क के

2278. शातकर्णी की मृत्यु के बाद उसके दो अल्पवयस्क पुत्रों वेदश्री और शक्तिश्री को संरक्षण किसने दिया था ?
– नागनिका ने

2279. चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने जीवन के अन्तिम समय में किस जैन संत के सम्पर्क में आकर जैन धर्म को अपनाया था ?
– भद्रबाहु

2280. प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर किस नगर में स्थित है ?
– मदुरै में

2281. ईरानी भाषा के ग्रन्थ 'अवेस्ता' की तुलना किस भारतीय ग्रंथ से की जाती है ?
– ऋग्वेद से

2282. संगमयुगीन ग्रंथ 'तोल्काप्पियम' किस विषय से संबंधित है ?
– व्याकरण और काव्य से

2283. शिलालेखों में किस राजा को देवनामप्रिय कहा गया है ?
– अशोक

2284. बोरोबुदूर का प्रसिद्ध बौद्ध मंदिर कहाँ स्थित है ?
– इण्डोनेशिया

2285. मौर्य प्रशासन में 'रूपदर्शक' नामक अधिकारी किसके लिए उत्तरदायी था ?
– मुद्राओं के परीक्षण के लिए

2286. "संस्था अस्थिर और क्षणिक है" क्षणभंगुरवाद के नाम से ज्ञात होने वाले इस विचार को सर्वप्रथम किसने प्रस्तुत किया ?
– महात्मा बुद्ध ने

2287. ललितादित्य मुक्तापीड किस राज्य का शासक था ?
– कश्मीर का

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

2288. अशोक की कलिंग विजय का उल्लेख किस शिलालेख में मिलता है ?
– तेरहवें शिलालेख में

2289. किस सातवाहन वंश ने 'गाथासप्तशती' नामक महत्वपूर्ण कृति की रचना की ?
– हाल ने

2290. संगम युग का ग्रंथ मणिमेखलै किस धर्म की श्रेष्ठता प्रतिपादित करता है ?
– बौद्ध धर्म की

2291. आन्ध्र–सातवाहन वंश का वह कौनसा शासक था, जिसने 'वेणकटक स्वामी' की उपाधि धारण की ?
– गौतमी पुत्र शातकर्णी

2292. किस स्रोत के अनुसार अशोक ने अपनी वृद्धावस्था में राजसिंहासन का अपने पौत्र सम्प्रति के पक्ष में परित्याग किया ?
– दिव्यावदान

2293. गौतम बुद्ध के जन्म के समय पाटलिपुत्र का सम्राट कौन था ?
– बिम्बिसार

2294. मौर्य सम्राट् अशोक के शासनकाल में प्रांतों की संख्या पाँच थी। तक्षशिला किस प्रान्त की राजधानी थी ?
– उत्तरापथ

2295. महरौली अभिलेख से किस सम्राट के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त होती है ?
– चन्द्रगुप्त द्वितीय

2296. मौर्य वंश का कौनसा शासक वृद्धावस्था में जैन संत भद्रबाहु के साथ दक्षिण भारत चला गया ?
– चन्द्रगुप्त मौर्य

2297. गुप्तोत्तर कालीन भूमि व्यवस्था के विरोध अथवा विद्रोह स्वरूप किस धार्मिक सम्प्रदाय का उदय हुआ ?
– लिंगायत सम्प्रदाय

2298. बंगाल के किस शासक को हर्ष पूर्णतः परास्त नहीं कर सका ?
– शशांक

2299. तंजौर में शिव के प्रसिद्ध राजराजेश्वर मंदिर का निर्माण किस राजा ने कराया ?
– राजराज चोल ने

2300. विजयनगर राज्य में ब्राह्मणों के स्वामित्व वाली भूमि पर भू–राजस्व कितना था ?
– कुल उपज का 5 प्रतिशत

2301. मौर्यकाल में खनन कार्य का नियंत्रक और निरीक्षक क्या कहलाता था ?
– अंकराध्यक्ष

2302. दक्षिण के किस राजवंश ने अपने दूतमण्डल चीन भेजे ?
– चोल

2303. हूण वंश के किस राजा ने राजस्थान पर शासन किया ?
– मिहिरकुल ने

2304. किशनगढ़ शैली की दृष्टि से किस शासक का शासनकाल स्वर्ण युग माना जाता है ?
– राजा सावन्त सिंह का

2305. नटराज की प्रसिद्ध कांस्य मूर्ति किस कला का उदाहरण है ?
– चोल कला

2306. किस चालुक्य राजा ने नर्मदा नदी के तट पर हर्ष को परात्स किया था ?
– पुलकेशिन द्वितीय को

2307. उड़ीसा का कोणार्क सूर्य मंदिर किस राजवंश के राजा ने बनवाया था ?
– गंगवंश के राजा नरसिंह देव ने

2308. विजयनगर राज्य की राजधानी के खण्डहर कहाँ मिले हैं ?
– हम्पी (कर्नाटक)

2309. सातवीं शताब्दी में दुर्लभवर्द्धन ने कार्कोट वंश की स्थापना कहाँ की थी ?
– कश्मीर में

2310. बौद्ध विश्वविद्यालय विक्रमशिला की स्थापना किसने की थी ?
– पाल वंश के शासक धर्मपाल ने

2311. कौन शासक प्रत्येक पाँचवें वर्ष प्रयाग में धार्मिक सम्मेलन किया करता था ?
– हर्षवर्धन

2312. पुष्यमित्र शुंग ने किस शासक की हत्या करके पाटलिपुत्र की गद्दी पर अधिकार किया था ?
– बृहद्रथ

2313. प्रसिद्ध ग्रंथ 'सिद्धांत शिरोमणि' और 'लीलावती' के लेखक हैं–
– भास्कराचार्य

2314. महाबलीपुरम् के मंदिरों का निर्माण किस राजवंश के शासकों ने कराया था ?
– पल्लव वंश

2315. चोलों का प्रमुख बन्दरगाह था–
– कावेरीपत्तनम्

2316. हर्ष के शासनकाल में 'भूमिकर' कृषि उत्पाद का कितना भाग वसूला जाता था ?
– 1/6 भाग

2317. पुलकेशिन द्वितीय की राजधानी कहाँ थी ?
– वातापी ने

2318. 8वीं शताब्दी में शंकराचार्य ने किस राज्य में जन्म लिया था ?
– केरल में

2319. चोल वंश का संस्थापक कौन था ?
– विजयालय

2320. चोल राजा सामान्यतः किस मत के संरक्षक थे ?
– शैव मत

2321. पाल वंश के किस शासक ने प्रसिद्ध विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना करवाई थी ?
– धर्मपाल ने

2322. किस राष्ट्रकूट शासक ने ऐलोरा के पर्वतों को कटवाकर प्रसिद्ध कैलाश मंदिर का निर्माण करवाया था ?
– कृष्ण प्रथम ने

2323. कश्मीर के मार्तण्ड मंदिर के संस्थापक थे–
– ललितादित्य मुक्तापीड

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

2324. वराहमिहिर द्वारा रचित 'वृहत्संहिता' में चालुक्य वंश को किस जाति का माना गया है ?
– शूलिक जाति का

2325. राष्ट्रकूट राजवंश के किस शासक ने कन्नड़ के प्रसिद्ध ग्रंथ 'कविराज मार्ग' की रचना की थी ?
– अमोघवर्ष

2326. चोल राजवंश के चोल लेखों में किस राजा को 'शुंगमतावर्त' अर्थात् करों को हटाने वाला कहा गया है ?
– कुलोतुंग प्रथम

2327. संगम युग में रचित ग्रंथ 'तौलक्कापियम' का विषय क्या है ?
– तमिल व्याकरण

2328. जूनागढ़ स्थित सुदर्शन झील का निर्माण किसने करवाया ?
– चन्द्रगुप्त मौर्य

2329. मिस्र के शासक टॉलमी ने डायोनियस को दूत बनाकर भारत के किस शासक के पास भेजा था ?
– बिन्दुसार

2330. प्रसिद्ध कोणार्क मंदिर किस देवता को समर्पित है ?
– सूर्य देवता

2331. कल्याणी के चालुक्यों के सर्वाधिक प्रबल शत्रु कौन थे ?
– तंजावुर के चोल

2332. ईरान की सीमा के समीप स्थित हड़प्पाकालीन प्रमुख स्थल का क्या नाम है ?
– सुतकांगेंडोर

2333. किस जैन तीर्थंकर को भगवान कृष्ण का निमट संबंधी माना जाता है ?
– अरिष्टनेमि (नेमिनाथ)

2334. प्रथम जैन सभा किस शासक के काल में हुई ?
– चन्द्रगुप्त मौर्य

2335. प्रथम ऐतिहासिक सम्राट किसे माना जाता है ?
– चन्द्रगुप्त मौर्य

2336. मौर्य साम्राज्य में 'सीताध्यक्ष' किस विभाग का अध्यक्ष होता था ?
– कृषि विभाग

2337. आर्य लोक भारत में सर्वप्रथम जहाँ बसे वह सारा प्रदेश किस नाम से प्रसिद्ध हुआ ?
– सप्तसिंधु

2338. बंगाल के किस शासक को हर्षवर्द्धन पूर्णतः परास्त नहीं कर सका ?
– शशांक

2339. राजराजा द्वारा तंजौर में बनवाया गया राजराजेश्वर मंदिर किस देवता को समर्पित है ?
– शिव

2340. छत्रपति शिवाजी की मंत्रिपरिषद् को क्या कहा जाता था ?
– अष्ट प्रधान

2341. अरबों को परास्त करने वाला कश्मीर का शासक कौन था ?
– ललितादित्य मुक्तापीड

2342. विक्रमशिला बौद्ध मठ की स्थापना किसने की ?
– धर्मपाल ने

2343. चेर कवियों ने किसको सबसे महान् राजा बताया ?
– सेगुट्टवन लाल चेर को

2344. किस चोल युगीन लेखक ने रामायण की रचना की, जिसे तमिला साहित्य में महान् शास्त्रीय ग्रंथ माना जाता है ?
– कम्बन ने

2345. दिलवाड़ा का जैन मंदिर कहाँ है ?
– माउण्ट आबू (जिला–सिरोही, राजस्थान)

2346. अष्टांगिक मार्ग का पालन करने की शिक्षा किसने दी थी ?
– गौतम बुद्ध ने

2347. वैशाली किस प्राचीन राज्य की राजधानी थी ?
– लिच्छवी राज्य की

2348. किस पश्चिमी विद्वान ने रोम से भारत में सोने के निर्गमन पर दुःख प्रकट किया था ?
– प्लिनी ने

2349. भारत में खरोष्ठी लिपि को किसने स्थापित किया ?
– ईरानियों ने

2350. सम्पन्न व धनी किसानों को संगम साहित्य में क्या कहा जाता था ?
– वेल्लाल

2351. विक्रम संवत् कब से प्रारम्भ हुआ ?
– 58 ईसा पूर्व से

2352. शक संवत् कब से प्रारंभ हुआ ?
– 78 ईस्वी से

2353. भुवनेश्वर व पुरी के मंदिर किस शैली में निर्मित है ?
– नागर शैली में

2354. अपने पिता फिलिप की मृत्यु के पश्चात् सिकन्दर कहाँ का शासक बना ?
– मेसिडोनिया का

2355. चन्द्रगुप्त मौर्य के लिए 'वृषल' शब्द का उल्लेख किस ग्रंथ में मिलता है ?
– मुद्राराक्षस में

2356. किस चोल शासक ने नई राजधानी गंगईकोंडा चोलपुरम् बनाई ?
– राजेन्द्र प्रथम ने

2357. दक्षिण भारत का प्रसिद्ध तक्कोलम का युद्ध किनके बीच हुआ था ?
– चोल व राष्ट्रकूट

2358. किस विदेशी शासक ने समुद्रगुप्त से भारत (बोधगया) में बौद्ध विहार बनाने की अनुमति माँगी थी ?
– श्रीलंका के मेघवर्मन ने

2359. चीनी यात्री हुएनसाँग ने किस पल्लव नरेश के शासन में काँची की यात्रा की थी ?
– नरसिंह वर्मन ने

2360. विजयनगर साम्राज्य की पहली राजधानी थी–
– हम्पी

2361. जिस वृक्ष के नीच महात्मा बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था, उसे किस शासक ने कटवाया था ?
– शशांक ने

2362. प्रसिद्ध प्रयाग प्रशस्ति का लेखक था–
– हरिषेण

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION

2363. चन्द्रगुप्त मौर्य के शासनकाल में गिरनार के समीप सुदर्शन झील का निर्माण किसके द्वारा करवाया ?
– पुष्यगुप्त

2364. विजयनगर राजवंश की राजधानी हम्पी किस नदी के किनारे स्थित थी ?
– तुंगभद्रा

2365. बौद्ध संन्यासी उपगुप्त के प्रभाव से कौन सम्राट बौद्ध धर्म को अनुयायी हो गया ?
– अशोक

2366. किस शासक ने शक युग प्रारम्भ किया ?
– कनिष्क ने

2367. प्रयाग प्रशस्ति किसके सैन्य अभियान के बारे में जानकारी देता है ?
– समुद्रगुप्त

2368. कश्मीर के मार्तण्ड मंदिर के संस्थापक थे–
– ललितादित्य मुक्तापीड

2369. किस गुप्त शासक के शासनकाल में हूणों ने भारत पर आक्रमण किए ?
– स्कन्दगुप्त

2370. "राजा को मंदिर का धन जब्त कर लेना चाहिए" यह किसका कथन है ?
– कौटिल्य (चाणक्य) का

2371. 'कुमार सम्भव' महाकाव्य किस कवि ने लिखा ?
– कालिदास

2372. महाक्षत्रप रुद्रदामन का जूनागढ़ अभिलेख में किन दो महान् सम्राटों का उल्लेख किया गया है ?
– चन्द्रगुप्त और अशोक

2373. बिहार में स्थित वह स्थल जहाँ प्रथम, द्वितीय व तृतीय बौद्ध संगीति का आयोजन किया गया था ?
– क्रमशः राजगृह, वैशाली और पाटलिपुत्र

2374. किस गुप्त सम्राट् ने हूणों को पराजित किया था ?
– स्कन्दगुप्त ने

2375. कालिदास किस गुप्त शासक के दरबारी कवि थे ?
– चन्द्रगुप्त द्वितीय 'विक्रमादित्य' के

2376. किस अभिलेख में रुद्रदामन प्रथम की विभिन्न उपलब्धियों का वर्णन है ?
– जूनागढ़ अभिलेख में

2377. गौतम बुद्ध को बोधगया (बिहार) में ज्ञान प्राप्त हुआ और यहाँ एक मंदिर का निर्माण भी करवाया, जिसका नाम था–
– महाबोधि मंदिर

2378. विश्व का पहला गणतंत्र वैशाली में किसके द्वारा स्थापित किया गया ?
– लिच्छवियों द्वारा

2379. हमारे राष्ट्रीय चिन्ह के नीचे आदर्श वाक्य क्या है ?
– सत्यमेव जयते

2380. बौद्ध धर्म में 'चैत्य' को अन्य किस नाम से जाना जाता है ?
– सभा कक्ष

2381. हर्ष का समकालीन बंगाल का शासक कौन था ?
– शशांक

–––––

RAJ STUDENTS CENTER FOR COMPETITION